नई दिल्ली । रविवार, 26 अप्रैल, 2026
बैशाख शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :110 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अभय सिंह ज्यूरिख में दुनिया के पूर्व नंबर 1... | @ साहित्य केसरी पगली... | @ व्यापार सीतारमण ने सेबी से वित्तीय सिस्टम...

ईरान युद्ध में समाधान की उम्मीदों को झटका: ट्रंप ने दूतों की पाकिस्तान यात्रा की रद्द

एजेंसी ■ वॉशिंगटन।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ईरान युद्ध के मध्यस्थ पाकिस्तान जाने वाले दो अमेरिकी दूतों की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी, जिससे शांति की संभावनाओं को नया झटका लगा। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में बातचीत के बाद बिना किसी ठोस नतीजे के वहां से रवाना हो गए थे।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जैरेड कुशनर की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी है। उन्होंने इसके पीछे ईरानी नेतृत्व के भीतर भारी भ्रम और अंदरूनी खींचतान को वजह बताया।

उन्होंने लिखा, 'यात्रा में बहुत समय बर्बाद हो रहा है, काम बहुत ज्यादा है! इसके अलावा उनके 'नेतृत्व' में जबरदस्त अंदरूनी लड़ाई और भ्रम है। किसी को नहीं पता कि नेतृत्व कौन कर रहा है, उन्हें खुद भी नहीं। हमारे पास सारे पत्ते हैं, उनके पास कुछ भी नहीं! अगर वे बात करना चाहते हैं, तो बस उन्हें फोन करना होगा।'

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान की राजधानी से बिना किसी ठोस प्रगति के संकेत के लौट गए। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की थी।

अराघची ने बाद में अपनी पाकिस्तान यात्रा को 'बहुत फलदायी' बताया और सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने 'ईरान पर युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए एक व्यावहारिक ढांचे पर ईरान की स्थिति साझा की है। अब देखना है कि क्या अमेरिका वास्तव में कूटनीति को लेकर गंभीर है।'

ईरानी मीडिया के मुताबिक, अराघची ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच गए हैं, जहां वे वरिष्ठ अधिकारियों से द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे।

तेहरान ने अमेरिका के साथ सीधे नए दौर की वार्ता से इनकार कर दिया है और एक ईरानी कूटनीतिक सूत्र ने कहा कि तेहरान वॉशिंगटन की 'अधिकतमवादी मांगों' को स्वीकार नहीं करेगा।

वॉशिंगटन और तेहरान के बीच गतिरोध बना हुआ है। ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को काफी हद तक बंद कर दिया है, जिससे आम तौर पर वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति का पांचवां हिस्सा गुजरता है, वहीं अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात पर रोक लगा रखी है।

यह संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इज़राइल के ईरान पर हवाई हमलों से शुरू हुआ था, जिसके बाद ईरान ने इज़राइल, अमेरिकी ठिकानों और खाड़ी देशों पर हमले किए। युद्ध के कारण ऊर्जा कीमतें कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे महंगाई बढ़ी है और वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ा है।

अराघची ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम अकाउंट पर बयान में कहा कि उन्होंने 'संघर्षविराम और ईरान पर थोपे गए युद्ध के पूर्ण अंत से जुड़े ताजा घटनाक्रम पर अपने देश की सिद्धांतगत स्थिति स्पष्ट की।'

इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि हाल के दिनों में ईरान की ओर से कुछ प्रगति के संकेत मिले हैं और उम्मीद है कि सप्ताहांत में और प्रगति होगी। वहीं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी पाकिस्तान जाने के लिए तैयार थे।

वेंस ने इसी महीने की शुरुआत में इस्लामाबाद में ईरान के साथ पहली दौर की वार्ता का नेतृत्व किया था, जो सफल नहीं रही।

नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी एक ही सिक्के के दो पहलू है : राहुल गांधी

एजेंसी ■ कोलकाता।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, क्योंकि दोनों में से किसी को भी आम जनता की आकांक्षाओं की परवाह नहीं है।

पश्चिम बंगाल के हुगली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को सच्चा राष्ट्रवादी बताते हैं। लेकिन उन्होंने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने सब कुछ करोड़पतियों के लिए किया।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ममता बनर्जी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह युवाओं के लिए रोजगार सृजन की परवाह नहीं करतीं। प्रधानमंत्री और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री दोनों को सिर्फ अपनी चिंता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में जो कर रहे हैं, वही ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में कर रही हैं।

रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य स्तर पर तृणमूल कांग्रेस के बीच भ्रष्टाचार की प्रतिस्पर्धा चल रही है।

उन्होंने आगे कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेता चिट फंड घोटाले, कोयला तस्करी और नौकरी के बदले रिश्वतखोरी जैसे घोटालों में शामिल थे। तृणमूल कांग्रेस ने पूरे राज्य में जबरन वसूली शुरू कर दी थी। भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर हिंसा फैलाती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में राज्य स्तर पर हिंसा फैलाती है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद 2011 में ममता बनर्जी द्वारा वादा की गई पांच लाख नौकरियों के भविष्य पर भी सवाल उठाया।

राहुल गांधी ने कहा कि क्या किसी को नौकरी मिली है? पश्चिम बंगाल में 84 लाख से अधिक युवाओं ने बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया है। पश्चिम बंगाल की यही वास्तविक और दयनीय स्थिति है। ममता बनर्जी ने पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के बीच एक गुप्त समझौता है, जिसके कारण उनके खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा के खिलाफ लड़ रही है। उन्होंने मेरा घर छीन लिया है। मैं जमानत पर हूं। उन्होंने मेरी लोकसभा सदस्यता छीन ली है। मेरे खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं। मैं झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार कहीं भी जाऊं, मुझे हर 10 से 15 दिन में पेश होना पड़ता है। ममता बनर्जी के खिलाफ कितने मामले हैं? ममता बनर्जी से कितने घंटे पूछताछ की गई है? मुझसे लगातार पांच दिनों तक 55 घंटे पूछताछ की गई। ममता बनर्जी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। क्यों? क्योंकि वह भाजपा से सीधे तौर पर नहीं लड़ती हैं।

हरभजन सिंह के घर पर लिखा 'गद्दार', सांसदों के बीजेपी में जाने पर भड़के कार्यकर्ता

एजेंसी ■ जालंधर।

राघव चड्ढा सहित आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद पंजाब की सियासत में लगभग भूचाल आ गया है। नाराज कार्यकर्ताओं ने बीजेपी में शामिल हुए सातों राज्यसभा सांसदों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। साथ ही, अपना आक्रोश दर्ज कराने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को आप कार्यकर्ताओं ने न केवल राज्यसभा सांसदों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, बल्कि पूर्व क्रिकेटर और सांसद हरभजन सिंह के घर की दीवार पर 'गद्दार' तक लिख दिया।

प्रदर्शन की शुरुआत जालंधर स्थित पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के आवास से हुई। हाथों में काली पट्टियां बांधे और पार्टी के झंडे लिए दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सांसद के घर का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जिन नेताओं को आम आदमी पार्टी ने सम्मान देकर राज्यसभा भेजा, उन्होंने वक्त आने पर पीठ में छुरा घोंप दिया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के घर की नेमप्लेट के पास काली स्प्रे से 'गद्दार' लिख दिया। इसके बाद आप कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल की तरफ रुख कर लिया। प्रदर्शनकारियों का जत्था लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पहुंच गया। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल इस यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं। कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी के मेन गेट के बाहर अशोक मित्तल का पुतला फूंका और उनके पोस्टरों पर कालिख पोत दी। इस दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण रहा और सुरक्षा बलों को स्थिति संभालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी।

सात सांसदों की सदस्यता खत्म करने करने के लिए 'आप' राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखेगी

आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी के बीच सियासी टकराव एक बार फिर तेज हो गई है। 'आप' के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने घोषणा की है कि पार्टी उन सात राज्यसभा सांसदों की सदस्यता समाप्त कराने के लिए राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखेगी, जिन्होंने हाल ही में भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया है।

संजय सिंह ने कहा कि इन सांसदों का भाजपा में शामिल होना पूरी तरह से असंवैधानिक, गैर-कानूनी और संसदीय नियमों के खिलाफ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान की दसवीं अनुसूची (एंटी डिफेक्शन लॉ) के तहत किसी भी प्रकार का दल-बदल वैध नहीं माना जाता, चाहे वह दो-तिहाई संख्या के आधार पर ही क्यों न किया गया हो। उन्होंने कहा कि वह राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर सभी नियमों और कानूनी प्रावधानों का हवाला देंगे, ताकि भाजपा में शामिल हुए सभी सातों सांसदों की सदस्यता रद्द की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आईपीएल : 'हाई स्कोरिंग' मैच में पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 35वें मुकाबले में 265 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 6 विकेट से हराया। इस जीत के साथ पीबीकेएस ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर मजबूती बना ली है। पंजाब किंग्स 7 में से 6 मुकाबले अपने नाम कर चुकी है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को 7 मुकाबलों में चौथी हार मिली है।

अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 2 विकेट खोकर 264 रन बनाए। इस टीम ने 28 के स्कोर पर पथुम निसांका (11) का विकेट खो दिया था, जिसके बाद केएल राहुल ने नितीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 95 गेंदों में 220 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

नितीश 44 गेंदों में 4 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद केएल राहुल ने तूफानी पारी खेलकर आईपीएल इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स को उसके सर्वोच्च स्कोर तक पहुंचाया। केएल राहुल 67 गेंदों में 152 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में 9 छक्के और 16 चौके शामिल रहे। इसी के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बने। विपक्षी खेमे से अर्शदीप सिंह ने 49 रन देकर 1 विकेट निकाला, जबकि जैवियर बार्टलेट ने 69 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने 18.5 ओवरों में जीत हासिल कर ली। इस टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। प्रभसिमरन सिंह ने प्रियांश आर्य के साथ 6.5 ओवरों में 126 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया था।

भाजपा सीआरपीएफ की मदद से भवानीपुर में मतदान धीमा करने की कोशिश करेगी : ममता बनर्जी

एजेंसी ■ कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को हुगली जिले के उत्तरपारा में एक चुनावी रैली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने नंदीग्राम में वोट लूटने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) भेजा था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शुक्रवार को भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में बाहरी लोगों को बसों में भरकर लाई है।

ममता बनर्जी ने दावा किया कि 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले भाजपा के लगभग 50 हेलीकॉप्टर आसमान में चक्कर लगा रहे हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस को तीन हेलीकॉप्टर भी जुटाने में मुश्किल हो रही है।

उन्होंने 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के फॉर्म वितरण को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों के पहले चरण के बाद, ये फॉर्म बांकुरा और जंगलमहल क्षेत्र में यूं ही बिखरे पड़े हैं, क्योंकि लोगों ने भाजपा के वादे को नकार दिया है।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि आपने देखा है कि भाजपा कितनी गुस्से में है! उन पर बहुत दबाव है; वे पूरे राज्य में कैसे भाग-दौड़ कर रहे हैं। आज 50 हेलीकॉप्टर आसमान में उड़ रहे हैं। हमें तीन हेलीकॉप्टर जुटाने में मुश्किल हो रही है। वे 50 हेलीकॉप्टर, 19 मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार के सभी मंत्री, केंद्रीय बल, बख्तरबंद वाहन, ईडी, और सीबीआई, सब कुछ लेकर आए हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज फिर मोटा भाई (गृह मंत्री अमित शाह का जिक्र करते हुए) ने उन सीआरपीएफ जवानों से मुलाकात की, जिन्हें नंदीग्राम में वोट लूटने के लिए भेजा गया था। उन्होंने (अमित शाह ने) बैठक में कहा कि मतदान प्रक्रिया को धीमा करो ताकि लोग वोट न दे सकें। उन्होंने ये सब कहा... उन्हें भवानीपुर की जिम्मेदारी भी दी गई है। लेकिन मुझे परवाह नहीं। आप मुझे मुश्किल में नहीं डाल सकते।

इसी बीच ममता बनर्जी ने दावा किया कि बिहार के लोग पश्चिम बंगाल के निवासियों को चेतावनी दे रहे हैं, उनसे आग्रह कर रहे हैं कि वे अपनी गलतियों को न दोहराएं; उन्हें सब कुछ वापस करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, और उनकी संपत्तियों को बुलडोजर से ध्वस्त किया जा रहा है।

चुनाव में बाधा डालने पर चेतावनी देने से ममता बनर्जी नाराज हो जाती हैं : अमित शाह

एजेंसी ■ कोलकाता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि जब भी वह सार्वजनिक रैलियों से तृणमूल कांग्रेस समर्थित गुंडों को मतदान प्रक्रिया में बाधा डालने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हैं, तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनसे नाराज हो जाती हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्वी बर्दवान जिले के जमालपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'हर चुनाव में, तृणमूल कांग्रेस के समर्थन वाले गुंडे हिंसा करके वोटिंग प्रक्रिया में बाधा डालते हैं। इसलिए हर रैली में, मैं इन गुंडों को चेतावनी देता हूं कि अगर उन्होंने वोटिंग प्रक्रिया में रुकावट डालने की कोशिश की, तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे, और जब भी मैं ऐसी चेतावनी देता हूं, तो मुख्यमंत्री मुझसे नाराज हो जाती हैं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि अभी मैं सिर्फ चेतावनी दे रहा हूं। अगर इन गुंडों ने अपनी हरकतें नहीं सुधारीं, तो उनकी जगह जेल में होगी।'

इस मौके पर बोलते हुए, गृह मंत्री शाह ने मुख्यमंत्री पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कुछ महीने पहले पश्चिमी बर्दवान जिले के दुर्गापुर में एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की दलित मेडिकल छात्रा के साथ हुए रेप के बाद मुख्यमंत्री की टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधा। उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सलाह दी थी कि वे शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर न निकलें।

गृहमंत्री शाह ने कहा, 'कुल 20 भारतीय राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। क्या आपने उनमें से किसी को भी महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर न निकलने की सलाह देते हुए सुना है? ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद, वह पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहीं। लेकिन अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो जो कोई भी किसी महिला को बुरी नजर से देखेगा, उसे तुरंत जेल भेज दिया जाएगा। महिलाएं आधी रात के बाद भी बेझिझक बाहर निकल सकेंगी और आजादी से घूम सकेंगी।'

उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार बनने के तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के सिंडिकेट्स के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'इस बार हमें सरकार बनाने का मौका दीजिए। ये सभी सिंडिकेट बंगाल की खाड़ी में डुबो दिए जाएंगे।'

मध्य प्रदेश विधानसभा में महिला आरक्षण पर विशेष सत्र, भाजपा-कांग्रेस के बीच जोरदार बहस की तैयारी

भोपाल। 27 अप्रैल को मध्य प्रदेश विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में एक राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है, जिसमें विपक्षी कांग्रेस 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर भाजपा सरकार के रुख को चुनौती देने की तैयारी कर रही है।

सत्र से पहले, कांग्रेस ने अपनी रणनीति को पक्का करने और सदन के अंदर अपनी प्रतिक्रिया में तालमेल बिठाने के लिए अपने विधायकों की एक बैठक बुलाई है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक भोपाल में नेता प्रतिपक्ष के आवास पर सुबह 9:00 बजे होगी।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण पर भारतीय जनता पार्टी सरकार की मंशा संदिग्ध है, और आरोप लगाया कि इस मुद्दे को प्रक्रियागत बहाने बनाकर लंबा खींचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्र के दौरान इस मामले को जोरदार ढंग से उठाएगी और इसकी समय-सीमा और इसे लागू करने की प्रक्रिया पर स्पष्टता चाहेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस द्वारा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने में हो रही देरी पर सवाल उठाने और केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी के रुख में कथित विसंगतियों को उजागर करने की संभावना है।

सिंघार ने जोर देकर कहा कि यदि आरक्षण मौजूदा 543 लोकसभा सीटों के भीतर ही लागू किया जाता है, तो पार्टी इसका समर्थन करने के लिए तैयार है; लेकिन वह किसी भी ऐसे कदम का विरोध करेगी जिससे इसे लागू करने में देरी हो। यह विशेष सत्र 17 अप्रैल को निचले सदन में महिलाओं के लिए आरक्षण और लोकसभा सीटों के विस्तार से संबंधित एक संविधान संशोधन विधेयक के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहने के कुछ दिनों बाद बुलाया गया है।

विधेयक के पक्ष में 298 वोट पड़े और विरोध में 230 वोट, जो कि आवश्यक 352 वोटों से कम थे। इस घटनाक्रम के बाद, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विधेयक का समर्थन न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए राज्य विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की।

सुप्रीम कोर्ट का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश, तय समय-सीमा के अंदर आईसीयू के न्यूनतम मानकों को लागू करें

नई दिल्ली। पूरे देश में प्रशिक्षित कर्मियों, मानकीकृत प्रोटोकॉल और आपातकालीन देखभाल तक टेक्नोलॉजी-आधारित पहुंच की आवश्यकता को दोहराते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) के लिए न्यूनतम मानकों को लागू करने हेतु एक समय-सीमा के अंदर कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है।

अपने आदेश में, जस्टिस अहसानुद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने दर्ज किया कि गहन देखभाल सेवाओं (आईसीयू) के संगठन और वितरण के लिए दिशा-निर्देश तय करने वाला एक आम सहमति पर आधारित 'बुनियादी दस्तावेज' तैयार कर लिया गया है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस कार्यवाही में परिकल्पित कार्य एक महत्वपूर्ण चरण तक पहुंच गया है।' कोर्ट ने आगे कहा कि ये दिशा-निर्देश 'व्यावहारिक, लागू करने योग्य हैं, और एक गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) के लिए न्यूनतम मानक के तौर पर आवश्यक हैं।'

सुनवाई के दौरान, एम्स, टाटा मेमोरियल सेंटर, मेदांता और सर गंगा राम अस्पताल जैसे प्रमुख संस्थानों के कई अग्रणी चिकित्सा विशेषज्ञों ने सुप्रीम कोर्ट की सहायता की और आईसीयू के बुनियादी ढांचे और वितरण प्रणालियों में सुधार के लिए उपाय सुझाए। इन सुझावों पर संज्ञान लेते हुए, जस्टिस अमनुल्लाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये सुझाव 'अत्यंत व्यावहारिक हैं और उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए,' विशेष रूप से वे सुझाव जो समय-सीमा निर्धारित करने, विशेष कर्मियों को प्रशिक्षित करने और चेकलिस्ट के रूप में मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) तैयार करने से संबंधित हैं। तकनीकी हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने एक 'रियल-टाइम' (वास्तविक समय) अस्पताल पहुंच प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

भाजपा नेता हत्याकांड : उम्रकैद के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट पहुंचे कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी

बेंगलुरु। भाजपा नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड में विशेष अदालत द्वारा उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद कांग्रेस नेता और विधायक विनय कुलकर्णी ने शनिवार को कर्नाटक हाईकोर्ट में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देते हुए अपील दायर की।

वहीं, धारवाड़ में शनिवार को विनय कुलकर्णी के समर्थन में सैकड़ों समर्थकों ने मौन विरोध मार्च निकाला। समर्थकों ने इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश बताया।

गौरतलब है कि बेंगलुरु की विशेष अदालत ने हाल ही में विनय कुलकर्णी समेत 17 दोषियों को आपराधिक साजिश और भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही सभी दोषियों पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। यह मामला वर्ष 2016 का है, जिसमें विनय कुलकर्णी को आरोपी संख्या 15 बनाया गया था। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी थी। आरोप सामने आने के समय कुलकर्णी मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री थे। योगेश गौड़ा की 15 जून 2016 को धारवाड़ शहर के एक जिम में हमलावरों के एक समूह ने धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी थी। बताया गया कि उन्होंने राजनीतिक रूप से कुलकर्णी को चुनौती दी थी, जिसके बाद यह विवाद बढ़ा। विनय कुलकर्णी को वर्ष 2020 में गिरफ्तार किया गया था और 2021 में जमानत मिली थी। उन पर गवाहों को प्रभावित करने के आरोप लगे, जिसके बाद सीबीआई ने जमानत रद्द करने की मांग की थी। अदालत ने सीबीआई की याचिका स्वीकार करते हुए उनकी जमानत रद्द कर दी थी।

इसके बाद वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वाटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष कुलकर्णी ने अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया था और बाद में उन्हें फिर से जमानत मिल गई थी।

इंदौर में ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल मृत मिला, फंदे से लटका मिला शव

इंदौर। इंदौर में अपने घर पर ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल शनिवार को मृत पाया गया। इससे विभाग और स्थानीय पुलिस कॉलोनी में हड़कंप मच गया।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना शहर में मल्हारगंज पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौथी पलटन पुलिस क्वार्टर में हुई। मृतक की पहचान अंकित तोमर के रूप में हुई है, जो इंदौर शहर की ट्रैफिक विंग में तैनात था। कथित तौर पर तोमर अपने फ्लैट के अंदर फंदे से लटका हुआ मिला। उसके सहकर्मियों और जान-पहचान वालों के बार-बार फोन करने पर भी उसने कोई जवाब नहीं दिया था। उसके अचानक कोई जवाब न देने से चिंतित होकर, साथी कर्मचारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया, जो तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे बेसुध पाया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुमित केरकेट्टा ने बताया कि तोमर शुक्रवार की रात को करीब 10 बजे अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने क्वार्टर लौटा था। जब शनिवार को तोमर काम पर नहीं आया और उससे संपर्क नहीं हो पाया तो शक पैदा हुआ, जिसके बाद यह घटना सामने आई। अधिकारी ने बताया कि मौके की जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की एक टीम को बुलाया गया। परिसर का गहन निरीक्षण किया गया और सबूत जुटाए गए। पुलिस ने कहा कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे जांचकर्ताओं के लिए इस घटना के पीछे के तत्काल कारण का पता लगाना मुश्किल हो रहा है।

तोमर अविवाहित था और सहायक पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक-पूर्व) के कार्यालय में तैनात था, जहां वह लिपिकीय जिम्मेदारियां संभालता था। सहकर्मियों ने उसे अनुशासित और मृदुभाषी बताया, और कहा कि उसकी अचानक हुई मौत से कई लोग सदमे में हैं। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दिल्ली : मुख्यमंत्री ने 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान विभागों और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गर्मी से बचाव के हर इंतजाम जमीन पर दिखने चाहिए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी का मौसम अपने चरम पर पहुंच गया है और इस दौरान अस्पतालों में पर्याप्त बेड उपलब्ध हों, जन-जागरूकता अभियान तुरंत चलाया जाए, एम्बुलेंस में हीटवेव उपचार की पूरी सुविधा रहे, सभी स्कूलों में वॉटर बेल प्रणाली लागू हो, अस्पतालों, स्कूलों, कंस्ट्रक्शन साइटों, अटल कैंटीनों, पुलिस थानों, पोस्ट ऑफिसों और डीटीसी बस स्टैंडों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो और सभी स्थानों पर ओआरएस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही टैंकर, वॉटर कूलर और वॉटर एटीएम निर्बाध चलें। पशु-पक्षियों के लिए भी छाया और पानी की समुचित व्यवस्था हो। जनता की सुविधाओं को सर्वोपरि रखते हुए समय पर सभी तैयारियां पूर्ण की जाएं। इससे पहले शुक्रवार को सीएम रेखा गुप्ता ने सभी स्कूलों को 2 मई को शिक्षा निदेशालय को आईएमडी द्वारा जारी हीट वेव एक्शन प्लान के तहत अपनी अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। इसके साथ ही उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं। सीएम रेखा गुप्ता ने एक वीडियो जारी कर कहा कि दिल्ली में सभी स्कूलों को 2 मई को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय को आईएमडी द्वारा जारी हीट वेव एक्शन प्लान के तहत अपनी अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। हर बच्चा हमारे लिए जरूरी है।

गैस की हेराफेरी रोकने के लिए डीएसी आधारित गैस डिलीवरी 94.5 प्रतिशत से अधिक बढ़ी : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को बताया कि अवैध गैस की हेराफेरी रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित एलपीजी गैस डिलीवरी 94.5 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, शुक्रवार को पूरे उद्योग में ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग लगभग 99 प्रतिशत तक बढ़ गई।

1 अप्रैल, 2026 से अब तक 18.63 लाख से अधिक 5-किलो के एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। शुक्रवार को देशभर में लगभग 80,000 5-किलो के छोटे सिलेंडर बेचे गए।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि 3 अप्रैल, 2026 से सार्वजनिक क्षेत्र के तेल और गैस कंपनियों (ओएमसी) ने 5-किलो एफटीएल सिलेंडरों के लिए 8,770 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं, जिनमें 1,38,000 से अधिक 5-किलो एफटीएल सिलेंडर बेचे गए हैं। शुक्रवार को 230 से अधिक शिविरों के माध्यम से 5,717 5-किलो एफटीएल सिलेंडर बेचे गए।

इसके अलावा, अप्रैल माह के दौरान (24 अप्रैल तक), कुल 1,55,524 मीट्रिक टन (81.85 लाख से अधिक 19-किलो एलपीजी सिलेंडरों के बराबर) वाणिज्यिक एलपीजी बेची गई है।

2026 से अब तक 5.36 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया जा चुका है और अतिरिक्त 2.61 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 7.97 लाख हो गई है।

मंत्रालय ने बताया कि लगभग 6.05 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है। 24 अप्रैल तक, 42,280 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है और पीएनजी के घरेलू परिवहन और सीएनजी परिवहन को 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

आईजीएल, एमजीएल, गेल गैस और बीपीसीएल सहित सीजीडी कंपनियां घरेलू और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन के लिए प्रोत्साहन दे रही हैं। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों से सीजीडी नेटवर्क के विस्तार के लिए आवश्यक स्वीकृतियों में तेजी लाने का अनुरोध किया गया है।

पुलिस और शिकारियों के बीच मुठभेड़, दो आरोपियों के पैरों में लगी गोली

पीलीभीत। पीलीभीत की बराही रेंज में पुलिस और शिकारियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आरोपी घायल हुए हैं, जबकि चार अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये वही शिकारी हैं जो हाल ही में वन्य जीवों का शिकार करने के बाद वनकर्मियों पर फायरिंग कर चर्चा में आए थे। मामले में 15 अप्रैल को थाना माधोटांडा में इनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस पहले ही एक आरोपी को एनकाउंटर के दौरान गिरफ्तार कर चुकी है। ताजा मुठभेड़ के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

बता दें कि 15 अप्रैल को पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज में कुछ लोगों ने जंगली जानवर का शिकार किया था और वन विभाग के अधिकारियों पर फायरिंग भी की थी। इस संबंध में थाना माधोटांडा में सुसंगत धाराओं में एक मुकदमा पंजीकृत भी किया गया। 21 अप्रैल को एक आरोपी हरजिंदर सिंह को जेल भेजा जा चुका है और उससे एक हथियार भी बरामद किया गया था।

एक सटीक सूचना पर पुलिस ने अन्य आरोपियों की घेराबंदी की तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। खुद का बचाव करते हुए पुलिस ने भी उस पर फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों के पैरों में गोलियां लगी हैं, और तीन अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिस हथियार से आरोपियों ने वन्यजीव को मारा था, वह भी बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही एक अन्य हथियार भी बरामद किया गया है।

पीलीभीत के एसपी सुकीर्ति माधव ने बताया कि 15 अप्रैल को पीटीआर के बराही जंगल में कुछ लोगों ने एक जंगली सुअर का शिकार किया और वनकर्मियों पर फायरिंग की थी।

दो माह में दूसरी दर्दनाक घटना, सड़क किनारे अतिक्रमण से बिगड़ रहा यातायातः सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार शाम शालीमार बाग क्षेत्र में हुई एक सड़क दुर्घटना में नाबालिग की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यदि इस इलाके में सड़क किनारे अवैध कब्जे न होते, तो यातायात सुचारु रूप से चलता और इस प्रकार की दुर्घटनाओं तथा जान-माल के नुकसान की आशंका कम होती। लगभग दो माह पहले इसी क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आकर एक पांच वर्षीय बालिका की मृत्यु हो गई थी, जो इस इलाके में यातायात व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है।

शालीमार बाग पुलिस के अनुसार शनिवार शाम मोटरसाइकिल पर सवार दो नाबालिग उस क्षेत्र से गुजर रहे थे, जहां नाले और सड़क किनारे अवैध कब्जे किए गए हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने इन कब्जों को हटाने का आदेश भी दिया है। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक टेम्पो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक नाबालिग की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री ने अंबेडकर नगर, हैदरपुर निवासी मृतक नाबालिग के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सड़क किनारे अवैध कब्जे न होते, तो यह हादसा टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि ये कब्जे पूर्व सरकार के समय सरकारी भूमि पर किए गए थे, जिससे

लंबे समय से यातायात बाधित हो रहा है और लोगों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने इस क्षेत्र के रोड नंबर 320 पर स्थित 140 से अधिक अवैध इकाइयों को हटाने के निर्देश दिए हैं। इस क्षेत्र में दिल्ली सरकार द्वारा एक बड़ा अंडरपास भी बनाया गया है, जिसके माध्यम से आजादपुर से आने वाला यातायात इस मार्ग से होकर सीधे आउटर रिंग रोड, मुकरबा चौक तक पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में दो बड़े अस्पताल, कई शैक्षिक संस्थान और पुलिस से संबंधित संस्थान स्थित हैं, जिसके कारण यहां यातायात का दबाव अधिक रहता है। अवैध कब्जों के कारण न केवल स्थानीय निवासी, बल्कि यहां से गुजरने वाले वाहन और राहगीर भी लंबे समय से परेशान हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके आधार पर अवैध निर्माणों को हटाने का आदेश पारित किया गया। उन्होंने कहा कि इन कब्जों को हटाए जाने के बाद उत्तरी दिल्ली से आने-जाने वाला यातायात अधिक सुगम होगा और वाहन सीधे रिंग रोड से आउटर रिंग रोड तक पहुंच सकेंगे।

जापानी प्रतिनिधिमंडल संग सीएम साय की अहम बैठक, निवेश और तकनीकी सहयोग पर चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को एक जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ संभावित निवेश, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग पर चर्चा की।

एक अधिकारी ने बताया कि रायपुर स्थित अपने आधिकारिक निवास पर साय ने छत्तीसगढ़ में संभावित निवेश, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न अवसरों पर विस्तृत बातचीत की।

हाल ही में जापान दौरे का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की उद्योग-उन्मुख और निवेशक-अनुकूल नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि जापान जैसे तकनीकी रूप से उन्नत देश अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से राज्य में औद्योगिक विकास को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस तरह के निवेश और सहयोग से युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। शिष्टाचार भेंट पर आए जापानी प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी माहौल तैयार किया गया है, जिससे औद्योगिक विस्तार की मजबूत संभावनाएं खुली हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा

छत्तीसगढ़ के 47 माओवादियों ने तेलंगाना में किया सरेंडर

हैदराबाद। छत्तीसगढ़ के सीपीआई (माओवादी) संगठन से जुड़े 47 भूमिगत कैडरों ने शनिवार को तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वालों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के सदस्य और साउथ बस्तर डिविजनल कमेटी के प्रभारी हेमला इय्थु उर्फ विज्जा भी शामिल हैं।

सरेंडर करने वालों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के 4 सदस्य, डीकेएसजेडसी के 28 सदस्य और साउथ बस्तर डीवीसी की 9वीं व 30वीं प्लाटून के 15 सदस्य शामिल हैं।

इन माओवादियों ने आत्मसमर्पण के साथ 32 हथियार भी पुलिस को सौंपे हैं। इनमें एक लाइट मशीन गन (एलएमजी), चार एके-47 राइफल, तीन एसएलआर राइफल, दो इंसास राइफल, दो 410 मस्कट राइफल, एक 8 एमएम राइफल, 12 सिंगल शॉट गन, एक 9 एमएम पिस्टल, एक रिवॉल्वर, दो बीजीएल गन, दो एयर गन और एक एसबीबीएल गन शामिल हैं। इसके अलावा 515 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति तथा पुलिस के सकारात्मक रवैये से प्रभावित होकर इन कैडरों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि सीपीआई (माओवादी) के प्रमुख नेताओं के आत्मसमर्पण के बाद साउथ बस्तर डिविजनल कमेटी लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। इसके अधिकतर प्रमुख नेता और हथियारबंद कैडर अब निष्क्रिय हो चुके हैं।

हेमला इय्थु ने वर्ष 2004 में माओवादी संगठन जॉइन किया था और संगठन में कई अहम जिम्मेदारियां निभाई थीं। वहीं, पोडियम लाछू उर्फ मनोज, जो 9वीं प्लाटून का कमांडर था, उसने 2009 में संगठन जॉइन किया था। आत्मसमर्पण करने वालों में 12 एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) भी शामिल हैं।

डीजीपी ने बताया कि इन 47 कैडरों के आत्मसमर्पण पर कुल 1.50 करोड़ रुपये की इनामी राशि पात्रता अनुसार दी जाएगी। चूंकि सभी सरेंडर करने वाले छत्तीसगढ़ के निवासी हैं, इसलिए फिलहाल उन्हें 25-25 हजार रुपये की अंतरिम सहायता दी गई है। शेष राशि दस्तावेजी प्रक्रिया और बैंक खाते खुलने के बाद दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार वर्ष 2024 से 2026 के बीच सरेंडर करने वाले सभी कैडरों के लिए हेल्थ कार्ड भी जारी किए जा रहे हैं।

'धान की म्यूटेंट किस्में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है'

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान की उन्नत म्यूटेंट किस्मों को बढ़ावा देने की दिशा में एक पहल के तहत शनिवार को कृषि महाविद्यालय, रायपुर में प्रगतिशील किसानों को मिनी किट बीज वितरित किए गए। ये किस्में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भाभा अटामिक रिसर्च सेंटर (ट्रॉम्बे, मुंबई) के सहयोग से विकसित की गई हैं।

कार्यक्रम में राज्य की कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अध्यक्षता की। इस दौरान किसानों को धान की छह म्यूटेंट किस्मों—विक्रम ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ राइस (विक्रम टीसीआर), ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ विष्णुभोग म्यूटेंट, ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ सोनागाथी म्यूटेंट, ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ दुबराज म्यूटेंट-1, बौना लुचाई और ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ जवाफूल म्यूटेंट—के मिनी किट वितरित किए गए।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, ये म्यूटेंट किस्में पारंपरिक प्रजातियों की तुलना में कम अवधि में तैयार होती हैं, अधिक उत्पादन देती हैं, कम ऊंचाई वाली होती हैं और कीट एवं रोगों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक सहनशील हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि राज्य में कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रेडिएशन आधारित तकनीकों से विकसित फसल किस्में कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। राज्य सरकार द्वारा आगामी खरीफ सीजन में पुरानी धान किस्मों के एक हिस्से को नई उन्नत किस्मों से बदलने की योजना भी बताई गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि पिछले एक दशक से म्यूटेशन ब्रीडिंग तकनीक के माध्यम से फसलों में सुधार का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत पारंपरिक किस्मों में आवश्यक गुणों को जोड़ते हुए उत्पादन, सहनशीलता और पोषण गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है।

कार्यक्रम में भाभा अटामिक रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने भी म्यूटेशन ब्रीडिंग और कृषि में नाभिकीय तकनीकों के उपयोग पर जानकारी दी। आयोजन के अंत में वैज्ञानिकों और अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रेम संबंध विवाद में महिला ने एसटीएफ जवान की पत्नी और 8 वर्षीय बेटे की हत्या की

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शनिवार को 27 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर स्त्रस्त्र के एक जवान की पत्नी और उसके आठ वर्षीय बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि उसकी बेटी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के पीछे कथित तौर पर जवान के साथ उसके अवैध संबंध को लेकर विवाद बताया जा रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि भिलाई नगर के सुपेला थाना क्षेत्र अंतर्गत तितुर्दीह कॉलोनी में सुबह करीब 8 बजे हुई इस भयावह घटना के दौरान जवान की एक अन्य बेटी, जो घर में मौजूद थी, किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रही।

दुर्ग के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने कहा, 'आरोपी सरोजिनी भारद्वाज कथित तौर पर कॉन्स्टेबल ललितेश यादव के घर में घुसी और चाकू से उसके परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। घटना के समय यादव घर पर मौजूद नहीं थे।'

उन्होंने बताया कि यादव की 32 वर्षीय पत्नी और उसके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय बेटी बीच-बचाव करने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई।

उन्होंने कहा कि जवान की दूसरी बेटी, जो घर में मौजूद थी, किसी तरह बचकर निकल गई और शोर मचाया, जिसके बाद पड़ोसियों ने भारद्वाज को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि घायल लड़की का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी पिछले दो-तीन वर्षों से जवान के साथ संबंध में थी और उसके साथ उसी घर में रहना चाहती थी।

उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार रात महिला और जवान के परिवार के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद इस हमले की आशंका जताई जा रही है।

उन्होंने कहा कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

बस्तर : अबूझमाड़ के ईरपानार गांव में पहली बार पहुंची बिजली

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल समस्या के प्रभाव में आ रही कमी के साथ ही अब दूरस्थ वनांचलों में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहा है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शनिवार को कहा गया की नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित ग्राम ईरपानार दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली की रोशनी से जगमगा उठा है। यह विकास राज्य सरकार की 'नियद नेल्ला नार' (आपका अच्छा गांव) योजना के अंतर्गत संभव हुआ है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य बस्तर के संवेदनशील और पहुंचविहीन इलाकों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बिजली पहुंचने से न केवल ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार की उम्मीद जागी है, बल्कि क्षेत्र में सुरक्षा का भाव भी सुदृढ़ हुआ है।

ईरपानार गांव की भौगोलिक स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। यह जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर घने जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और दुर्गम पगडंडियों के बीच बसा है। यहाँ तक बिजली के खंभे और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाना तकनीकी रूप से एक कठिन कार्य था। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की टीम ने मिशन मोड में काम करते हुए ऊबड़-खाबड़ रास्तों और सीमित संसाधनों के बीच इस परियोजना को पूर्ण किया। कई स्थानों पर मशीनों का उपयोग संभव न होने के कारण मानवीय श्रम और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से बिजली लाइन का विस्तार किया गया।

इस विद्युतीकरण कार्य पर कुल 56.11 लाख रुपये की लागत आई है। बिजली आने से अब गांव के बच्चों को रात में पढ़ाई के लिए बेहतर रोशनी मिल सकेगी, साथ ही मोबाइल चार्जिंग और पंखे जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध हो गई हैं। ग्रामीणों का मानना है कि रोशनी होने से रात के समय सांप-बिच्छू जैसे खतरों से सुरक्षा मिलेगी और उनका दैनिक जीवन सुगम होगा। ईरपानार के अलावा हाल के समय में बीजापुर के चिल्कापल्ली, तेमिनार और अबूझमाड़ के हांदावाड़ा जैसे अन्य दुर्गम गांवों में भी बिजली पहुंचाई गई है, जो क्षेत्र के क्रमिक विकास को दर्शाता है।

जब गांव में पहली बार बल्ब जले, तो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के चेहरों पर उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने इस बदलाव के लिए प्रशासन और बिजली विभाग की सराहना की है। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिकता के आधार पर अब इन क्षेत्रों को सड़क, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं से भी जोड़ा जा रहा है। ईरपानार में बिजली का पहुंचना महज एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह अबूझमाड़ जैसे दूरस्थ अंचलों में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

जिला स्तर पर मिलेगी पीएफ, पेंशन और यूएएन समस्याओं का त्वरित समाधान

रायपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO), क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने शनिवार को कहा की सदस्य सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से 'निधि आपके निकट 2.0' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में विशेष समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों, पेंशनधारकों और नियोक्ताओं को जिला स्तर पर ही उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें क्षेत्रीय कार्यालय तक बार-बार आने की आवश्यकता न पड़े।

ईपीएफओ द्वारा आयोजित इन शिविरों में पीएफ दावा संबंधी समस्याएं, यूनिवर्सल अकाउंट नंबर सक्रियण, केवाईसी अपडेट, बैंक खाते की जानकारी सुधार, पेंशन से जुड़े प्रकरण, डिजिटल सेवाओं का उपयोग तथा शिकायत निवारण से संबंधित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शिविरों में उपस्थित अधिकारी मौके पर शिकायतों का पंजीकरण कर आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद समाधान प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में जिला नोडल अधिकारियों की निगरानी में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाना तथा लाभार्थियों को उनके अधिकारों एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना है। ईपीएफओ का मानना है कि जिला स्तर पर आयोजित ऐसे कार्यक्रमों से सदस्यों की समस्याओं का समाधान तेजी से होगा और सेवाओं की पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

'निधि आपके निकट 2.0' अभियान के माध्यम से ईपीएफओ सदस्य-केंद्रित प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इस पहल से कर्मचारियों और पेंशनधारकों को स्थानीय स्तर पर सहायता मिलने के साथ-साथ लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे में भी मदद मिलेगी।

आईआईएम रायपुर जॉब अलर्ट : कई पदों पर वॉक-इन इंटरव्यू का मौका

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम-रायपुर) ने संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर स्टाफ नर्स और विजिटिंग फिजियोलॉजिकल काउंसर (आगंतुक मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता) के 1-1 पदों पर भर्ती के लिए पात्र नागरिकों को वॉक-इन इंटरव्यू में शामिल होने के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आमंत्रित किया है।

योग्य अभ्यर्थियों का चयन वॉक-इन इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद स्टाफ नर्स पद पर चयनित कैंडिडेट की सैलरी 20,000 रुपए प्रति माह और विजिटिंग फिजियोलॉजिकल काउंसर के लिए अभ्यर्थी को दो घंटे की प्रत्येक मुलाकात के लिए 3,000 रुपए दिए जाएंगे।

वॉक-इन इंटरव्यू स्टाफ नर्स पद के लिए 10 मई को और विजिटिंग फिजियोलॉजिकल काउंसर पद के लिए 17 मई को सुबह 09.00 बजे से आईआईएम-रायपुर पते पर आयोजित किया जाएगा। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार साक्षरता में शामिल होने वाले हैं, उन्हें केंद्र पर समय से पहुंचने के अलावा अपने साथ सभी संबंधित डॉक्यूमेंट्स को साथ ले जाने की सलाह दी जाती है। उम्मीदवारों की अधिकतम आयु स्टाफ नर्स पद के 30 वर्ष और विजिटिंग फिजियोलॉजिकल काउंसर पद के लिए 50 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना इंटरव्यू के तारीख के हिसाब से की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

खेलों में समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ तैयार : अरुण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साओ ने शनिवार को कहा की खेलों में समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ तैयार है ।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित दो दिवसीय खेल चिंतन शिविर में देश के खेल परिदृश्य को बदलने के लिए गहन मंथन शुरू हुआ है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन में केंद्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ की ओर से अरुण साव ने स्पष्ट किया कि राज्य खेलों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री के 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने के संकल्प को पूरा करने में देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा।

शिविर के पहले दिन मेडल स्ट्रेटजी और केंद्र-राज्य समन्वय जैसे विषयों पर केंद्रित चर्चा हुई। अरुण साव ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने और नई खेल नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। उनका मानना है कि जब छत्तीसगढ़ के गांवों और शहरों से नए खिलाड़ी निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना परचम लहराएंगे तभी देश का लक्ष्य प्राप्त होगा। चर्चा के दौरान वर्ष 2048 के ओलंपिक खेलों की पदक तालिका में भारत को शीर्ष पांच देशों में शामिल करने का रोडमैप साझा किया गया जिसके लिए स्पोर्ट्स साइंस के विस्तार और खेल प्रशिक्षकों की क्षमता बढ़ाने पर सर्वसम्मति बनी।

खेलों को केवल सरकारी नौकरी पाने का जरिया न मानकर पदक जीतने के लक्ष्य के रूप में विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। सत्र में यह विचार साझा किया गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसा मॉडल विकसित किया जाए जिससे वे नौकरी मिलने के बाद भी अपने खेल करियर को बीच में न छोड़ें। इसके साथ ही विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य करने और खेल शिक्षकों की नियमित भर्ती एवं उन्हें उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। खिलाड़ियों का एक साझा डिजिटल डेटाबेस तैयार करने पर भी सहमति बनी ताकि प्रतिभाओं की सही और समय पर पहचान सुनिश्चित हो सके।

नैतिकता और सुरक्षा के मोर्चे पर भी शिविर में कड़े सुझाव सामने आए। खेलों में प्रतिबंधित दवाओं के उपयोग को रोकने के लिए डोपिंग को अपराध की श्रेणी में लाने और इस संबंध में सख्त कानून बनाने पर विचार किया गया। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षित और पेशेवर वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेफ गॉर्डिंग ऑफिसर्स की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया। 26 अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेल अधोसंरचना के निर्माण में विशेषज्ञों की भागीदारी बढ़ाना और ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी स्तर तक खेल सुविधाओं का विस्तार करना है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के लिए चुनाव आयोग ने 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है।

आयोग ने 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) की नियुक्ति की घोषणा की है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, ये सभी 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक दूसरे राज्यों से बुलाए गए हैं। इनकी नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य दूसरे चरण में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी या तनाव की स्थिति न बने।

सूत्र ने बताया कि पहले चरण के मतदान (23 अप्रैल) में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कुछ छिटपुट हिंसा और तनाव की घटनाएं सामने आई थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग अब दूसरे चरण में ऐसी किसी भी घटना की संभावना को पूरी तरह खत्म करना चाहता है।

इन 11 नए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद राज्य में कुल पुलिस पर्यवेक्षकों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है। पहले इस चुनाव के लिए 84 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए गए थे, जो पिछले चुनावों की तुलना में अधिक थे। अब दूसरे चरण के लिए यह संख्या और बढ़ा दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक, संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है और वहां अतिरिक्त निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। सभी नए पुलिस पर्यवेक्षकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य पुलिस को सौंपी गई है।

इस बीच, चुनाव आयोग ने सख्त कार्रवाई करते हुए दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर पुलिस जिले के पांच पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन पर ड्यूटी में लापरवाही के आरोप लगे हैं और इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

चीन सीमा पर भारतीय सेना ने पीएलए को पीछे हटने पर मजबूर किया : मनोज मुकुंद नरवणे

गुरुग्राम । चीन सीमा पर भारत की सैन्य क्षमता और जवाबी कार्रवाई को लेकर पूर्व थल सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय सेना ने हालात का मजबूती से सामना किया और चीन को पीछे हटने के लिए मजबूर किया।

आईएएनएस के साथ बातचीत में नरवणे ने कहा कि सीमा पर किसी भी तरह की कार्रवाई केवल सेना का काम नहीं होती, बल्कि यह पूरे देश का सामूहिक प्रयास होता है। उन्होंने बताया कि जब भी ऐसी स्थिति आती है, तो अलग-अलग एजेंसियां और संस्थाएं मिलकर काम करती हैं, तभी सफलता मिलती है।

उन्होंने कहा कि भारत ने एकजुट होकर जवाब दिया, जिसकी वजह से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को पीछे हटना पड़ा। हमारी कार्रवाई का ही परिणाम था कि चीन को अपनी स्थिति बदलनी पड़ी। अगर यह जीत नहीं है, तो और क्या है?

नरवणे ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सेना पूरी तरह सक्षम है और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सीमा पर जो भी कदम उठाए गए, वे पूरी रणनीति और समन्वय के साथ किए गए थे, जिससे भारत को बढ़त मिली।

मनोज मुकुंद नरवणे ने ईरान, इजराइल और अमेरिका के संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि हर युद्ध से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। असली सीख तब मिलती है जब युद्ध खत्म हो जाता है और हम उसका विश्लेषण करते हैं। लेकिन अभी जो स्थिति चल रही है, उससे एक बात साफ है कि हमें आत्मनिर्भर होना बहुत जरूरी है। यह आत्मनिर्भरता हर क्षेत्र में होनी चाहिए, चाहे वह तेल हो या क्रिटिकल मिनरल्स। हर सेक्टर में हमें खुद पर निर्भर होना होगा।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। इस बार हमने सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, बल्कि उनके नेतृत्व के मुख्यालय को भी टार्गेट किया। यह पहले के ऑपरेशनों से अलग था। इसलिए रक्षा मंत्री ने भी कहा था कि हम 'घर में घुसकर मारेंगे'। मुझे लगता है कि इससे पाकिस्तान को बहुत बड़ा संदेश मिला है कि अगर वह इस तरह की हरकत करेगा, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

रूस की स्टेट ड्यूमा के स्पीकर उत्तर कोरिया पहुंचे, शहीद सैनिकों के स्मारक समारोह में होंगे शामिल

प्योंगयांग। रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के स्पीकर व्याचेस्लाव वोलोडिन उत्तर कोरिया पहुंचे हैं। वह यूक्रेन युद्ध में रूस की ओर से लड़ते हुए मारे गए सैनिकों की याद में बनाए गए स्मारक संग्रहालय के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेंगे।

रूसी समाचार एजेंसी तास ने ड्यूमा प्रेस सेवा के हवाले से बताया कि स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष वोलोडिन कार्य यात्रा पर उत्तर कोरिया पहुंचे हैं। वह कुर्स्क क्षेत्र की मुक्ति अभियान में हिस्सा लेने वाले कोरियाई सैनिकों के साहस को समर्पित स्मारक परिसर और संग्रहालय के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। डीपीआरके (डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया) उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है। रिपोर्ट के अनुसार, वोलोडिन रविवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश पर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। साथ ही, वह उत्तर कोरियाई संसद के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे।

उत्तर कोरिया की सर्वोच्च जनसभा के अध्यक्ष जो योंग-वोन ने प्योंगयांग पहुंचने पर वोलोडिन का स्वागत किया।

उत्तर कोरिया प्योंगयांग में 'विदेशी सैन्य अभियानों में युद्ध कारनामों का स्मारक संग्रहालय' खोलने जा रहा है। यह संग्रहालय उन उत्तर कोरियाई सैनिकों को समर्पित है, जो यूक्रेन युद्ध में रूस की ओर से लड़ते हुए मारे गए।

दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, 80 लाख की हेरोइन के साथ अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भांडाफोड़

नई दिल्ली। पूर्वी जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है और भारी मात्रा में साइकोट्रॉपिक पदार्थ बरामद किए हैं।

एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड (पूर्वी जिला) की टीम ने तीन नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के दो सप्लायर भी शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से कुल 475 ग्राम स्मैक/हेरोइन (व्यावसायिक मात्रा) बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 80 लाख रुपए आंकी गई है।

नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड की एक टीम का गठन किया गया। यह टीम इंस्पेक्टर अरुण कुमार के नेतृत्व और एसीपी ऑपरेशंस पवन कुमार के मार्गदर्शन में कार्य कर रही थी।

2 अप्रैल को टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि मोहम्मद आरिफ नामक व्यक्ति गाजीपुर क्षेत्र में स्मैक की सप्लाई करने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने गाजीपुर रोड, एनएच-24 से गाजीपुर सब्जी मंडी रोड के पास जाल बिछाया और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 270 ग्राम स्मैक बरामद हुई। इसके अगले दिन, यानी 3 अप्रैल को, थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पूछताछ के दौरान मोहम्मद आरिफ ने खुलासा किया कि वह यह स्मैक शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश के अपने सप्लायरों अमित और विकास से प्राप्त करता था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और लगातार छापेमारी के जरिए दोनों सप्लायरों को भी गिरफ्तार कर लिया। अमित (22 वर्ष) और विकास (28 वर्ष) के पास से कुल 205 ग्राम स्मैक बरामद की गई, जिसे जब्ती मेमो के जरिए कब्जे में लिया गया। इस तरह पुलिस ने पूरे अंतर-राज्यीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद आरिफ स्वयं नशे का आदी था और इसी कारण वह सप्लायरों के संपर्क में आया। शुरुआत में वह छोटी मात्रा में स्मैक खरीदकर दिल्ली-एनसीआर में बेचता था, लेकिन पिछले 5-6 महीनों से उसने इसे बड़े स्तर पर कारोबार का रूप दे दिया। वह ब्रह्मपुरी इलाके में किराए के मकान में रहकर अपने साथियों के साथ मिलकर इस अवैध धंधे को संचालित कर रहा था। आर्थिक लाभ के लालच में उसने नशे की तस्करी को आसान कमाई का जरिया बना लिया और नशे के आदी लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर ऊंचे दामों पर स्मैक बेचता था।गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद आरिफ (40 वर्ष), निवासी शाहजहांपुर, वर्तमान में ब्रह्मपुरी, दिल्ली में रह रहा था।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बने भारतीय बल्लेबाज

दिल्ली। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के साथ हो रहा है। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में केएल राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 67 गेंदों में 152 रनों की विस्फोटक पारी खेली। राहुल आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं।

केएल राहुल ने अपनी इस पारी में 16 चौके और 9 छक्के लगाए। राहुल ने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अभिषेक ने आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ 141 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। राहुल दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। पंत ने साल 2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) की तरफ से खेलते हुए 128 रनों की नाबाद पारी खेली थी।

राहुल के बल्ले से आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी निकली है। इसके साथ ही वह आईपीएल में 150 से ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले भी महज तीसरे बल्लेबाज बने हैं। राहुल से पहले यह कारनामा क्रिस गेल (नाबाद 175) और ब्रैंडन मैक्कुलम (नाबाद 158 रन) ही कर सके हैं।

बेंगलुरु में बर्ड फ्लू का प्रकोप काबू में, इंसानों में कोई मामला नहीं मिला : कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग

बेंगलुरु । कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को बताया कि बेंगलुरु के पास हेसरघट्टा में एक सरकारी पोल्ट्री प्रशिक्षण केंद्र में बर्ड फ्लू के प्रकोप की जो रिपोर्ट आई थी, उसे 10 दिनों के गहन निगरानी अभियान के बाद सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया गया है। अब तक किसी भी इंसान में इसके संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बीमारी का प्रकोप सबसे पहले 14 अप्रैल को सामने आया था, और बाद में भोपाल स्थित 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीजेज' (एनआईएचएसएडी) की लैब रिपोर्ट के जरिए इसकी पुष्टि की गई। इसके जवाब में, राज्य और जिला स्तर की 'रैपिड रिस्पॉन्स टीमें' (त्वरित प्रतिक्रिया दल), जिनमें हेसरघट्टा और सोननेहल्ली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की टीमें भी शामिल थीं, को इस बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए तुरंत तैनात कर दिया गया।

बीमारी के प्रकोप वाले स्थान के चारों ओर 0 से 3 किलोमीटर के दायरे को 'संक्रमित क्षेत्र' और 3 से 10 किलोमीटर के दायरे को 'निगरानी क्षेत्र' घोषित किया गया। पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने प्रभावित केंद्र में मौजूद सभी पक्षियों को मारने का काम किया, और साथ ही निर्धारित 'बायो-सिक्योरिटी प्रोटोकॉल' (जैव-सुरक्षा नियमों) के अनुसार अंडों और दूषित चारे का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया।

बीमारी को फैलने से रोकने के इस अभियान के तहत, 10 किलोमीटर के निगरानी क्षेत्र में आने वाले 22 गांवों में रहने वाले कुल 28,172 लोगों की 10 दिनों तक लगातार निगरानी की गई। मानक दिशा-निर्देशों के अनुसार, निगरानी और साफ-सफाई से जुड़े कई दौर के अभियान चलाए गए।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि निगरानी के पांचवें दिन क्वारंटाइन में रखे गए कर्मचारियों से लिए गए 'नेजोफेरिंगियल सैंपल' (नाक और गले के नमूने) को जब बेंगलुरु स्थित 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी' (एनआईवी) में जांच के लिए भेजा गया, तो उनमें एच5एन1 वायरस नहीं पाया गया (यानी रिपोर्ट नेगेटिव आई)। दसवें दिन लिए गए कुछ और अतिरिक्त नमूनों को भी जांच के लिए भेजा गया है, और उनके नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि अब तक, चाहे वह 'संक्रमित क्षेत्र' हो या 'निगरानी क्षेत्र', किसी भी इंसान में एच5एन1 संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य विभाग ने बेंगलुरु में मौजूद सभी स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिया है ।

कि वे 'इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों' (आईएलआई) और 'गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण' (एसएआरआई) के मामलों पर लगातार नजर बनाए रखें। अस्पतालों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे 'पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट' (पीपीई), तीन-परतों वाले मेडिकल मास्क, 'ओसेल्टामिविर' जैसी एंटी-वायरल दवाएं, 'वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया' और 'थ्रोट स्वैब किट' का पर्याप्त भंडार अपने पास सुरक्षित रखें।

इस बीच, पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने 21 अप्रैल को प्रभावित क्षेत्र के लिए 'स्वच्छता प्रमाण पत्र' जारी कर दिया। एहतियाती कदम के तौर पर, इस केंद्र में मुर्गियों से जुड़ी सभी गतिविधियां अगले 90 दिनों तक पूरी तरह से निलंबित रहेंगी। इस दौरान, केंद्र परिसर के अंदरूनी हिस्सों में 'फ्यूमिगेशन' (धुएं से कीटाणु-नाशक छिड़काव) और खुले क्षेत्रों में तरल कीटाणु-नाशक का छिड़काव करके, हर 15 दिन में परिसर को कीटाणु-मुक्त करने का काम किया जाएगा।

खसरा संकट ने खोली बांग्लादेश की पोल, स्वास्थ्य व्यवस्था की कमजोरियां उजागर: रिपोर्ट

ढाका । बांग्लादेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, जिसे दशकों में मजबूत बनाया गया था, अब गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो वर्षों की उपलब्धियां कुछ ही समय में खत्म हो सकती हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, देश में मौजूदा खसरा वैक्सीन संकट कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह संस्थागत कमजोरी का संकेत है। राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज 2025 में घटकर करीब 60 प्रतिशत रह गई, जो पिछले लगभग एक दशक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा 2010 से 2022 के बीच 85 से 92 प्रतिशत के बीच था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश का विस्तारित टीकाकरण कार्यक्रम (ईपीआई) लंबे समय तक सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक माना जाता रहा है। सरकार की प्रतिबद्धता, विकास साझेदारों के सहयोग और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों के मजबूत नेटवर्क के कारण इस कार्यक्रम ने वर्षों तक उच्च कवरेज सुनिश्चित की और टीकों से रोकी जा सकने वाली बीमारियों को काफी हद तक नियंत्रित किया।

रिपोर्ट के अनुसार, अब यह मॉडल कमजोर पड़ता दिख रहा है। टीकाकरण कवरेज में इतनी बड़ी गिरावट केवल लॉजिस्टिक समस्या नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था की स्पष्ट विफलता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टीकाकरण प्रणाली समन्वित खरीद प्रक्रिया, स्थिर वित्तपोषण, सक्षम नेतृत्व और भरोसेमंद कार्यबल पर निर्भर करती है। जब ये सभी तत्व एक साथ प्रभावित होते हैं, तो पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है।

रिपोर्ट में 2025 में हेल्थ, पॉपुलेशन एंड न्यूट्रिशन सेक्टर प्रोग्राम (एचपीएनएसपी) को बिना ठोस वैकल्पिक व्यवस्था के समाप्त किए जाने को गंभीर नीतिगत विफलता बताया गया है।

टेरर फंडिंग केस: बारामूला सांसद रशीद ने अंतरिम जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल की याचिका

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग के मामले में गिरफ्तार बारामूला सांसद रशीद इंजीनियर ने अंतरिम जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। एक दिन पहले दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने शुक्रवार को रशीद के बीमार पिता को देखने के लिए अंतरिम जमानत की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। पटियाला हाउस कोर्ट के इस फैसले को रशीद ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

रशीद ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में दायर याचिका में कहा था कि उनके पिता बीमार हैं और वह वेंटिलेटर पर हैं। सुनवाई के दौरान एनआईए की ओर से पेश वकील ने कहा था कि उन्हें कस्टडी पैरोल पर रिहा किया जा सकता है। रशीद को 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक संसद के पूरे सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी। नवंबर 2025 में भी कोर्ट ने रशीद को संसद सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी थी। सितंबर 2025 में हुए उपराष्ट्रपति के चुनाव में वोट डालने की अनुमति दी गई थी। रशीद ने लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को करीब एक लाख मतों से हराया था।

एनआईए के मुताबिक, हाफिज सईद ने हुर्रियत कांफ्रेंस के नेताओं के साथ मिलकर हवाला और दूसरे चैनलों के जरिए आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन का लेनदेन किया था। इस धन का उपयोग वे घाटी में अशांति फैलाने, सुरक्षा बलों पर हमला करने, स्कूलों को जलाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का काम किया था। इसकी सूचना गृह मंत्रालय को मिलने के बाद एनआईए ने भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

टेरर फंडिंग के आरोप में 2016 में एनआईए ने रशीद को गिरफ्तार किया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने 16 मार्च 2022 को हाफिज सईद, सैयद सलाहुद्दीन, यासिन मलिक, शब्बीर शाह, मसरत आलम, राशिद इंजीनियर, जहूर अहमद वताली, बिट्टा कराटे, आफताब अहमद शाह, अवतार अहम शाह, नईम खान और बशीर अहमद बट्ट उर्फ पीर सैफुल्ला समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

कहानी

पगली

गोलेन्द्र पटेल

कस्बे की वह सुबह साधारण थी, पर उसकी नियति में एक असाधारण कथा लिखी जा रही थी। धूल भरी गलियों, छोटे-छोटे घरों और रोज़मर्रा की जद्दोजहद के बीच एक लड़की थी, सब उसे 'पगली' कहते थे। उसका असली नाम जैसे समय की धूल में कहीं दब गया था। बिखरे बाल, मैले कपड़े और आँखों में एक अजीब-सी मासूम चमक; वह इस दुनिया में होकर भी जैसे उससे अलग थी।

बचपन से ही उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह कभी हँसती, कभी बिना कारण रो पड़ती, तो कभी किसी अनजानी धुन पर खो जाती। समाज ने उसे समझने की कोशिश कम और ठुकराने की आदत अधिक पाल ली थी।

एक दिन वह बाजार की ओर भटकते-भटकते एक साइकिल की दुकान के पास जा पहुँची। वहाँ कई साइकिलें खड़ी थीं, कुछ नई, कुछ पुरानी। उसकी नजर एक पुरानी लेकिन सुंदर साइकिल पर ठहर गई। उसे लगा जैसे वह साइकिल उसे बुला रही हो। वह धीरे-धीरे उसके पास गई, हैंडल पकड़ा और बिना किसी भय या अपराध-बोध के उसे लेकर चल पड़ी।

उसके लिए यह कोई चोरी नहीं थी, वह तो बस एक आकर्षण था, एक अनजाना अपनापन।

घर पहुँचकर उसने साइकिल को आँगन में खड़ा कर दिया। परिवार वालों ने देखा तो चौंक पड़े।

'यह साइकिल कहाँ से लाई?'

पगली ने भोलेपन से उत्तर दिया, 'मुझे नहीं मालूम...'

उसके उत्तर में न छल था, न डर, सिर्फ एक सच्चाई थी, जिसे कोई समझना नहीं चाहता था।

साइकिल कई दिनों तक वहीं खड़ी रही। कभी वह उसे छूकर मुस्कुरा देती, कभी यूँ ही उसे घूरती रहती। लेकिन एक दिन जैसे उसके भीतर कुछ बदला। वह साइकिल को लेकर फिर उसी दुकान की ओर चल पड़ी।

संयोग से उसी समय उस साइकिल की असली मालकिन वहाँ आ गई। उसने साइकिल को पहचान लिया और तुरंत अपने बड़े भाई को बुला लाई। भाई का व्यक्तित्व दबंग था। मजबूत शरीर, ऊँची आवाज़, और अपने सामर्थ्य का अहंकार। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। सबकी नजरें उस पगली पर टिक गईं, कोई उसे घूर रहा था, कोई फुसफुसा रहा था, तो कोई तमाशा देख रहा था।

अमीर युवक गुस्से में चिल्लाया,

'यही है चोर! मेरी बहन की साइकिल चुरा ली इसने!'

भीड़ में कुछ लोग उसकी बात का समर्थन करने लगे। कुछ के मन में पगली की असहायता का फायदा उठाने के कुत्सित विचार भी जन्म लेने लगे। तभी पास के मजदूर और कर्मचारी भी वहाँ आ पहुँचे। उन्होंने स्थिति को समझने की कोशिश की। उनमें से एक बुजुर्ग मजदूर आगे बढ़ा और बोला,

'अरे, यह तो वही लड़की है... बेचारी ठीक नहीं है दिमाग से।

उन्होंने पगली को भीड़ से बचाया और धीरे-धीरे उसे उसके घर पहुँचा दिया। समय बीत गया, लेकिन घटना की छाया बनी रही।

कुछ दिनों बाद पगली अपने परिवार के साथ खेत की ओर जा रही थी। धान के छोटे-से खेत, चारों ओर हरियाली और कच्चे रास्ते, यह उसका अपना संसार था। परिवार के लोग अपनी-अपनी साइकिलों पर थे और वह भी उसी साइकिल के साथ चल रही थी।

तभी किसी ने आकर खबर दी,

'जिनकी साइकिल है, वे लोग गाड़ियों में आ रहे हैं!

यह सुनते ही पगली के मन में डर समा गया। वह घबरा गई। उसने चारों ओर देखा और जल्दी-जल्दी साइकिल को पास के पानी भरे गड्ढे में छिपाने लगी। उस गड्ढे में कमल और कुमुदिनी खिले हुए थे, प्रकृति की सुंदरता के बीच उसका भय और भी गहरा लग रहा था।

तभी चार पहिया गाड़ियाँ आकर रुकीं। अमीर परिवार के लोग उतर पड़े। उनके चेहरे पर गुस्सा और अधिकार का भाव था।

कुछ ही क्षणों में पगली का परिवार भी वहाँ पहुँच गया। माहौल तनावपूर्ण हो गया।

अमीर युवक ने फिर चिल्लाकर कहा,

'यही है वह लड़की! चोर है यह!

यह सुनते ही पगली का भाई तिलमिला उठा। उसने आगे बढ़कर उसे एक तमाचा जड़ दिया और दृढ़ स्वर में बोला,

'पहले इंसान बनना सीखो! धन से संस्कार नहीं खरीदे जाते। भीड़ सन्न रह गई।

उसने सबकी ओर देखते हुए कहा,

'तुम लोग इसे चोर कह रहे हो, पर कभी यह जानने की कोशिश की कि इसने ऐसा क्यों किया?'

भीड़ में खामोशी छा गई, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था।

तब उसने अमीर परिवार की माँ को आगे बुलाया।

'माँ, आप आइए... और मेरी बात सुनिए।'

माँ आगे आई। उसके चेहरे पर कठोरता नहीं, करुणा थी।

पगली के भाई ने शांत स्वर में अपनी बहन की पूरी कहानी सुनाई, उसका बचपन, उसकी मानसिक अवस्था और उसका निष्कपट मन। फिर उसने विनम्रता से कहा,

'माँ, बस आज के लिए इसे अपनी बेटी मान लीजिए।'

माँ की आँखें भर आईं। उसने धीरे से अपने पर्स से कुछ पैसे निकाले और पगली के हाथ में रख दिए। फिर उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोली,

'बेटी...'

यह शब्द सुनते ही पगली की आँखों में एक अनजानी चमक आ गई। शायद उसने पहली बार अपने लिए स्नेह का यह रूप महसूस किया था।

उस क्षण जैसे दो दुनिया अमीर और गरीब, एक हो गईं। वहाँ न कोई ऊँच-नीच थी, न आरोप-प्रत्यारोप, सिर्फ मानवता थी।

पगली मुस्कुरा रही थी। उसके चेहरे पर एक शांति थी, जैसे उसे अपना स्थान मिल गया हो।

यह कथा केवल एक लड़की की नहीं, बल्कि उस संवेदना की है, जो आज भी इस समाज में कहीं जीवित है। यह हमें याद दिलाती है कि सच्ची सभ्यता धन, शक्ति या प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि उस करुणा में बसती है, जो एक अनजाने को भी अपना बना ले।

ऐसी मातृत्व-भावना और मानवता को बार-बार प्रणाम।

संपर्क : खजूरगाँव, पोस्ट-साहुपुरी, तहसील-मुगलसराय, जिला-चंदौली, उत्तर प्रदेश, भारत।
पिन कोड : 221009
व्हाट्सएप नं. : 8429249326
ईमेल : corojivi@gmail.com

पुस्तक समीक्षा

स्त्री साहित्य को पूर्णता देने वाली कृति

डॉ. सुप्रिया सिंह

इतिहास लेखन और विशेषकर स्त्री लेखन का इतिहास लिखना जोखिम से भरा काम है,मगर इस कार्य को शुभा जी ने बहुत मेहनत से किया है, परिणाम स्वरूप 'हिंदी साहित्य की आधी आबादी पूरा इतिहास' पुस्तक हम सबके सामने हैं। एक जुझारू शोधार्थी की तरह इस पुस्तक के माध्यम से न सिर्फ उन्होंने इतिहास के दबे पन्नों में छुपी अनगिनत गुमशुदा लेखिकाओं से पहचान करायी है बल्कि युग विशेष की प्रवृत्तियों के हिसाब से काल विभाजन करने का सफल प्रयास किया है।

'हिन्दी साहित्य की आधी आबादी पूरा इतिहास' पुस्तक, इतिहास पुस्तक की नीरसता के पूर्वाग्रहों को तोड़ती है। इसमें इतिहास के ऐसे औज़ार मिलेंगे जो स्त्री साहित्य के इतिहास को बोझिल नहीं बनाते हैं बल्कि स्त्री साहित्य के इतिहास को नये साँचे में ढालते हैं। यहाँ पर इतिहास का ब्यौरा नहीं है बल्कि स्त्री साहित्य के इतिहास पर नवीन विचारधारा, नवीन शोध, तथ्यपरक सामग्री शामिल है जो रोचक व ज्ञानवर्धक है।

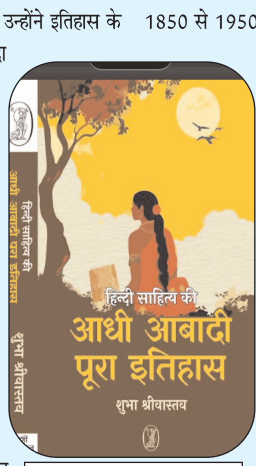

पुस्तक का नाम : हिंदी साहित्य की आधी आबादी पूरा इतिहास
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 375 रुपए

हिन्दी साहित्य में स्त्री साहित्य की उपेक्षा कोई नयी बात नहीं है परन्तु इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि इस दिशा में कुछ कार्य ही नहीं हुआ है परन्तु ये कार्य पूर्ण नहीं कहे जा सकते हैं। कुछ बिखरे कार्यों और कुछ अछूते कार्यों का समन्वित रूप यह पुस्तक है। 'हिन्दी साहित्य की आधी आबादी पूरा इतिहास' पुस्तक स्त्री लेखन को लेकर लिखी गयी स्त्री साहित्य के इतिहास की प्रथम कृति तो नहीं है परन्तु पूर्ण कृति अवश्य है।

इस कृति में जहाँ आदिकालीन स्त्री साहित्य के प्रश्नों की टकराहट है वहीं मध्यकाल में स्त्री साहित्य को कमतर मानने की जो ग़लती इतिहास आज तक करता चला आया है, इसका सटीक जवाब है। शुभा ऐसी इतिहासकार बनकर उपस्थित होती हैं जिसके माध्यम से मध्यकाल की स्त्री रचनाकार अपनी रचनाओं के माध्यम से अपने सारे वैशिष्ट्य को बार-बार पाठक के समक्ष उपस्थित करती हैं जिसे इतिहास आज तक नकारता चला आया है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण के जो बिंदु हमें तुलसी आदि में मिलते हैं वह तुलछ राय, सहजोबाई, गंगाबाई आदि में भी मिलते हैं पर आलोचकों ने इस दृष्टि से कभी स्त्री रचनाकारों का मूल्यांकन नहीं किया है इस पुस्तक में स्त्री रचनाकारों के इस वैशिष्ट्य को दर्शाया गया हैद्य अपने लोक संस्कृति, गो पालन और कृषि संस्कृति के कारण सूरदास का साहित्य प्रसिद्ध रहा है वहीं संस्कृति हमें गंगाबाई आदि में मिलते हैं जिसकी सोदाहरण प्रस्तुति पुस्तक में देखने को मिलती है द्य मध्यकाल की झीमा, पद्मा, नाथी, चंपा दे, स्वर्ण लली, रसिक बिहारी इत्यादि तमाम स्त्री रचनाकारों की रचनाओं के वैशिष्ट्य को यह पुस्तक बड़ी कुशलता से रेखांकित करती चलती हैद्य

आधुनिक काल की समय सीमा अत्यन्त विस्तृत है परन्तु इस विस्तृत सीमा को तीन काल खण्डों में बाँटकर उसकी प्रवृत्तियों, विभिन्न रचनाकारों के वैशिष्ट्य को बखूबी निरूपित किया गया है। आधुनिक काल को तीन कालखंडों में (1.अस्मिता संज्ञान युग 1850 से 1950 तक 2.अस्मिता निर्माण युग 1950 से 2000 तक 3.अस्मिता विस्तार युद्ध सन 2000 से आज तक) बांटकर प्रत्येक कालखंड की प्रवृत्तियों के साथ उस युग की प्रमुख स्त्री रचनाकारों के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई हैद्य इसमें समकालीन स्त्री रचनाकारों को भी पूरी गम्भीरता के साथ शामिल किया गया है। स्त्री साहित्य नयी कोपल में सन् 2000 से लेकर आज तक के स्त्री रचनाकारों के सन्दर्भ में चर्चा करना इसकी सम्पूर्णता का परिचायक है। हिन्दी साहित्य का बहुत सारा स्त्री साहित्य लोकगीतों में भी फैला हुआ है। लोकगीतों के माध्यम से स्त्री लेखन को पाठक के सम्मुख आना अपने आप में अनूठा कार्य है, साथ ही स्त्री साहित्य की सम्पूर्णता का परिचायक भी है।

हिंदी साहित्य के स्त्री इतिहास के संदर्भ में अब तक जो लिखा गया है उससे यह पुस्तक अलग और बहुत आगे हैद्य इसमें केवल तथ्य संकलन नहीं बल्कि प्रवृत्ति का विश्लेषण है। काल विभाजन में सुसंगत सुचिंतित और व्यवस्थित दृष्टिकोण का प्रयोग किया गया है। स्त्री और पुरुष इतिहास में बंटी दृष्टि को समन्वित रूप से इस पुस्तक में देखा गया है। स्त्री प्रश्नों और स्त्री दृष्टि से समझौता किए बिना लेखिका ने उन पुरुष इतिहासकारों को सम्मानित दृष्टि से देखा है जिन्होंने स्त्री रचनाकारों, उनकी रचनाओं और स्त्री इतिहास की दृष्टि को सुरक्षित, संरक्षित रखने का प्रयास किया है। मध्यकाल और आधुनिक काल के संदर्भ में शुभा श्रीवास्तव की गहन आलोचनात्मक दृष्टि इतिहास दृष्टि की पुनर्व्यख्या की मांग करती है।

इतिहास लेखन के विस्तृत गाँव में हिंदी साहित्य की आधी आबादी पूरा इतिहास का प्रवेश सुखद बयार के साथ गहरी आश्वस्ति भी देता है। पुस्तक का प्रकाशन स्त्री साहित्य को पूर्णता प्रदान करेगा इसकी आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास भी है।

सहायक आचार्य, सेंट क्लारेट कॉलेज, बैंगलौर

व्यंग्य

हाय! मैं हिंदीभाषी क्यों न हुआ ...?

रन्दी सत्यनारायण राव

आपको एक बात बताऊँ... ? किसी को भी मत बताइएगा, दीवारों को भी नहीं क्योंकि उनके भी कान होते हैं और कान का होना ब े व ज ह साहित्यिक तकरार को जन्म देना है .

लिहाज़ा रहस्य की बात यह है कि हिंदी प्रांत में रहने वाले मूल निवासी जन्मजात साहित्यकार होता है .भले ही उसे अपने घर में बोली जाने वाली मातृ भाषा- मगही, मेथिली, या फ़िर भोजपुरी आदि का ज्ञान न हो .विद्वान लोग ग़लत कहते हैं कि ज्ञान को अर्जित करने के लिए घोर तपस्या, अनुभव और समर्पण की आवश्यकता होती है. बल्कि उन्हें यह कहना चाहिए था कि हिंदी प्रांत में रहने वाले जन्मजात ज्ञानी, व्याकरणाचार्य, और एकलव्य सरीखे कलमतोड़ सिपाही होते हैं,

ठीक ही तो है. हिंदी प्रांत में जन्म ले कर, पलने-बढ़ने और लिखने वाले अहिंदी भाषी प्रथम तो लेख़क बन ही नहीं सकते हैं और यदि दुर्भाग्य से थोड़ी बहुत लिखने भी लग गए तो इडली - दोसा, सांबर -चटनी मिश्रित उनकी लिखी हिंदी को कौन प्रकाशक, प्रकाशित कर अपनी 'हरी बोल' को दावत देगा...? और तब उनकी अय्यो -अम्मा कर, उनकी छपने की साध धरी की धरी रह जाएगी .ऐसी मौलिक मानसिकता वालों की मैं तहेदिल से दाद देता हूँ कि जिन्हें हिंदी बोलना सलीके से न आता हो वे भला हिंदी में लिख़ने का दुस्साहस की सोच भी कैसे सकते हैं? वह भी बगैर विश्व-विद्यालयीन डिग्री हासिल किये हुए. बहुत नाइन्साफ़ी है भाई. बावजूद इसके कि वे लिख कर बड़े - बड़े मठाधीशों की हवा ख़राब करते हैं तो मैं भी डंके की चोट पर कहूँगा कि ऐसा करने वाले अपनी स्वतंत्रता का बेजा इस्तेमाल कर सौ वर्ष पूर्व के किसी की प्रकाशित रचनाओं यथा - रपट ,भेंट - वार्ता, कहानी, संस्मरण, लघुकथा, कविता आदि उठा कर अपने नाम से छपवा लेते हैं और 'ज्ञान - पीठ' वालों को पटा, आसमान में ज्ञान टांग कर, 'परम-ज्ञानी' का आवार्ड झटक लेते हैं वर्ना आप ही विचार करें कि कोई ऐरा-गैरा हिंदी के ज्ञानियों से लोहा लेने की क्या कभी हिमाकत कर सकता है भला...?जहां आज पथ - भ्रष्ट और नैतिकता शून्य की पूछ और प्रतिष्ठा है, वहां किसी प्रतिभावान को मात्र 'चोर' की उपाधि से अलंकृत कर, उसे तथाकथित बुद्धिजीवियों द्वारा समाज से तड़ी पार किया ही जा सकता है . इस से न केवल उनके अहम् की तुष्टि होती है, बल्कि राह के रोड़े को हटाने का भी काम प्रभावी दंग से हो पूरा हो जाता है. इसमें 'वख्फ-बोर्ड' का क़ानून ही लागू होता है,चोर घोषित किए जाने वाले से ही उसके निरपराध होने का प्रमाण माँगा जाता है .

इस संबंध में एक हिंदी भाषी दिलजले की फ़रियाद काबिले गौर है, उन्होंने कहा - ' भाषा हमारी है, इन्होने हमसे पूछे बगैर, इसमें दखल की गुस्ताखी कैसे कर ली...? यदि हम इसी तरह अपनी मातृ भाषा की अस्मत इनसे लुटवाते रहे तो आखिर में पता चलेगा कि 'हिंदी' धर्म परिवर्तित कर और देवदासी की वेश भूषा धारण कर 'चारू - पानी' की हो गई, हम कहीं के भी नहीं रह गए, यह एक प्रकार का 'लव - जेहाद' हुआ . इनको पता होना चाहिए कि हम हिंदी वाले अपनी मातृ-भाषा को कितना आदर और मान देते हैं, और यह लोग हैं कि हिंदी न जानते हुए भी, ट्रम्प की तरह लार टपकाते , अत्यंत सम्माननीय पुरस्कार 'ज्ञान-पीठ' कैसे प्राप्त कर लेते हैं ,यह शोध का विषय है, बल्कि मै संसद में भी यही मांग रखना चाहूँगा कि अंगुलिमाल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की 'नॉवेल विश्व -शान्ति' पुरस्कार कब्जाने के 'नीति' की तरह ही, इनकी भी हमारी भाषा पर अनैतिक पकड़ पर, जांच आयोग घटित कर और संविधान में संशोधन की सरकार पहल कर, भविष्य में इनके हिंदी ज्ञान पर अंकुश का प्रावधान हो.

गिलहरी तीन लघुकथाएं

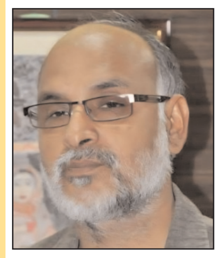

जयप्रकाश मानस

01.

दफ्तर की ऊँची इमारत के बाहर वह रोज़ गिलहरी को देखता था—दीवार की दरार में कुछ न कुछ छुपाती हुई। वह आदमी फ़ाइलों में गुम रहता, पर गिलहरी को देखते ही ठहर जाता।

एक दिन उसने सोचा— 'ये क्या जमा करती रहती है? इसे क्या डर है?

फिर उसे याद आया—उसकी अपनी दराज़। जहाँ वह हर महीने थोड़े-थोड़े पैसे छुपाकर रखता है—बिना किसी को बताए. उस दिन गिलहरी दीवार से उतरी और उसकी तरफ़ देखती रही। जैसे पूछ रही हो— 'तुम्हारा डर बड़ा है या मेरा?

उसने पहली बार अपनी दराज़ खोली। नोटों के बीच उसे एक अजीब-सी घुटन मिली।

बाहर गिलहरी अब भी दौड़ रही थी—हल्की, बेफ़िक्रउसे लगा—वह जमा नहीं कर रहा था, बस अपने डर को धीरे-धीरे मोटा कर रहा था।

02.

बूढ़ी अम्मा के आँगन में एक गिलहरी रोज़ आती थी। अम्मा उसे रोटी के छोटे-छोटे टुकड़े डालतीं और उससे बात करतीं—जैसे वह कोई पुराना रिश्ता हो।

पड़ोस वाले कहते— 'अम्मा पगला गई हैं, जानवर से बातें करती हैं।

एक दिन अम्मा नहीं रहीं। आँगन सूना हो गया। पर गिलहरी अगले दिन भी आई।

वह दीवार पर बैठकर देर तक चूँ-चूँ करती रही।

घर के लोग भीतर शोक में बैठे थे। किसी ने दरवाज़ा नहीं खोला। गिलहरी कुछ देर बाद चुप हो गई। फिर उसने आँगन में खुद ही रोटी का एक सूखा टुकड़ा ढूँढा और उसे कुतरने लगी।

जैसे उसे मालूम हो—रिश्ते इंतज़ार नहीं करते,वे अपनी भूख खुद ढूँढ लेते हैं।

03.

लड़का पार्क में रोज़ गिलहरी के पीछे भागता था। उसे लगता—बस एक बार पकड़ लूँ, तो उसे अपना बना लूँगा। गिलहरी हर बार उससे बच निकलती। पेड़ पर चढ़ जाती, दूरी बना लेती।

एक दिन लड़के ने भागना छोड़ दिया। वह चुपचाप बेंच पर बैठ गया।

थोड़ी देर बाद गिलहरी खुद पास आई।उसके जूते के पास बैठकर कुछ कुतरने लगी।

लड़के ने हाथ बढ़ाया—पर इस बार छुआ नहीं। गिलहरी कुछ देर वहीं रही,फिर चली गई। लड़का मुस्कुराया। उसे शायद पहली बार समझ में आया—हर चीज़ को पाने के लिए पकड़ना ज़रूरी नहीं होता, कुछ को बस जगह देनी पड़ती है।

उस दिन पहली बार गिलहरी उससे दूर नहीं भागी—क्योंकि वह खुद पीछे नहीं भाग रहा था।

लघुकथा

पापा, ऐसा है ..

नील मणि

सिया! कल क्यों नहीं आई थी कॉलेज?

अरे! चार दिन तक सुबोध कॉलेज नहीं आया था न, तो घर आ गया नोट्स लेने। बाबा बैठक में थे। उन्होंने आवाज़ लगाई और मैंने जाकर सुबोध को नोट्स दे दिए। अगले दिन जैसे ही कॉलेज जाने को निकली और रिक्शे में बैठी, तो पापा भी आकर बैठ गए। बोले—'मुझे भी उधर ही जाना है'।

- 'ठीक है'।

फिर अगले दिन भी ऐसा हुआ। तीसरे दिन जब पापा फिर साथ चले, तो मुझे समझ आ गया कि दाल में कुछ काला है। बस उसी पल मैंने कॉलेज आने से मना कर दिया और कहा- 'पापा ऐसा है...यदि मुझ पर भरोसा नहीं, तो मुझे नहीं करना बीएड। आप मेरी सगाई करवा चुके हैं। मुझे फौजी मिल चुका है। उन्हीं के कहने से मैं बीएड कर रही हूं। फिर मुझ पर पहरा क्यों?'अब बाबा-मम्मी-पापा सब चुप थे। मेरे शब्द तीर की तरह जाकर लगे। तीनों एक-दूसरे का मुँह ताक रहे थे।

बस... इसीलिए नहीं आ पाई थी, कल कॉलेज।

सिया की आँखों में आत्मविश्वास की चमक थी — जैसे वह कह रही हो कि बेटी को हमेशा शक की निगाह से नहीं, भरोसे की नज़र से भी देखना चाहिए।

तीन कुंडलिया

मोनिका डागा आनंद

आई शुभ बैशाख में, पावन अक्षय तीज।
तिथि अति महत्वपूर्ण ये, कहते आखातीज।।
कहते आखातीज, पुण्य कर्मों का मेला।
दान-धर्म की तीज, कटें दुःखों का रेला।।
सत्य कहे आनंद, घड़ी अक्षय सुख लाई।
पुण्यों का हो लाभ, तीज अद्वितीय आई।। (1)
मंगलकारी ये घड़ी, है वरदानी साज।
नूतन गृह प्रवेश करें, विवाह शुभादि काज।
विवाह शुभादि काज, खरीदें चॉदी-सोना।
व्यापार प्रगतिशील, समृद्धशाली सलोना।।
सत्य कहे आनंद, खास मुहूर्त शुभकारी।
बढ़ता हैं सौभाग्य, तीज ये मंगलकारी।। (2)
अक्षय सुख पा जाइए, खुशियों से भरपूर।
लक्ष्मी जी की हो कृपा, मुखमंडल पर नूर ।।
मुखमंडल पर नूर, बढ़े व्यापार मुनाफा।
प्रतिदिन पाए आप, दुआओं भरा लिफाफा।।
सत्य कहे आनंद, करें सब पापों का क्षय।
शुद्ध भाव सत्कर्म, तीज फलदाई अक्षय।। (3)
चेन्नई (तमिलनाडु)

लघुकथा

पढ़ना है मुझे

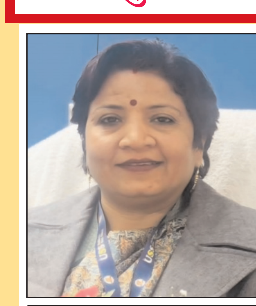

डॉ.योगिता जोशी

छोटे-से गाँव की गली में दस साल की गुड़िया झाड़ू लगा रही थी। हाथ में छाले थे, पर आँखों में चमक थी। पास के स्कूल से बच्चों की आवाजें आ रही थीं – 'सर! मैं पढ़कर डॉक्टर बनूँगा!'

गुड़िया रुक गई। झाड़ू एक ओर रख दी और स्कूल की खिड़की से झाँकने लगी। उसकी आँखें किताबों में डूबी थीं, पर उसका जीवन बर्तन और झाड़ू में उलझा था।

उसी समय स्कूल के प्रधानाध्यापक बाहर आए और बोले, 'क्या देख रही हो, बेटी?'

गुड़िया सकुचाकर बोली, 'पढ़ना है मुझे... पर माँ कहती है, पढ़ाई रोटियाँ नहीं देती।'

प्रधानाध्यापक थोड़ी देर चुप रहे, फिर बोले, 'तुम पढ़ना चाहती हो? कल से स्कूल आओ। फीस की चिंता मत करना।'

अगले दिन गुड़िया स्कूल की पहली बेंच पर बैठी थी – चमकते चेहरे और टूटी चप्पलों के साथ।

वित्त मंत्री सीतारमण ने सेबी से वित्तीय सिस्टम में केवाईसी को आसान और एक समान बनाने का किया आग्रह

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को केवाईसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया में बड़े बदलाव की जरूरत बताई। उन्होंने सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) से पूरे वित्तीय सिस्टम में केवाईसी को आसान और एक समान बनाने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया।

सेबी के 38वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि एक ऐसा केवाईसी सिस्टम होना चाहिए जो सरल, सुरक्षित और हर प्लेटफॉर्म पर काम करने वाला हो।

उन्होंने कहा कि अभी का सिस्टम लोगों के लिए परेशानी पैदा करता है, क्योंकि उन्हें बार-बार अलग-अलग जगह पर वही दस्तावेज और जानकारी देनी पड़ती है।

वित्त मंत्री ने इस काम को जल्दी करने पर जोर देते हुए कहा कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी एंड डेवलपमेंट काउंसिल और अन्य नियामकों के साथ मिलकर एक साझा सिस्टम तैयार किया जाए।

उन्होंने साफ कहा कि किसी भी नागरिक को अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर बार-बार केवाईसी नहीं करनी चाहिए।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि तेजी से बदलते वित्तीय बाजार को देखते हुए नियमों में बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब रेगुलेशन को केवल समस्या आने के बाद नहीं, बल्कि पहले से ही संभावित जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए होने वाले गलत इस्तेमाल, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय धोखाधड़ी और बढ़ते साइबर खतरों को बड़ी चुनौती बताया।

वित्त मंत्री ने कहा कि आगे चलकर नियम बहुत ज्यादा सख्त और जटिल होने के बजाय सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए, ताकि नवाचार को बढ़ावा मिले और निवेशकों के हित भी सुरक्षित रहें।

उन्होंने सुझाव दिया कि नए नियम बनाते समय जनता से राय ली जाए, जिससे संतुलित और लचीले नियम तैयार किए जा सकें।इससे पहले इसी महीने वित्त मंत्री ने कहा था कि भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और अच्छा विदेशी मुद्रा भंडार भारतीय रिजर्व बैंक को नीतियों में ज्यादा लचीलापन देता है।

उन्होंने 6 अप्रैल को राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत के पास सरकारी खर्च (कैपेक्स) जारी रखने, ब्याज दरों में कटौती करने और प्रभावित क्षेत्रों को सहायता देने की पर्याप्त क्षमता है, जो पिछले दस वर्षों की वित्तीय अनुशासन का परिणाम है।

जनगणना 2027: भारत की पहली 'डिजिटल जनगणना' से नीति निर्माण को मिलेगा बढ़ावा, होगी दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना

नई दिल्ली। भारत की जनगणना 2027 देश की पहली पूरी तरह 'डिजिटल जनगणना' होगी। इसमें मोबाइल के जरिए डेटा जुटाया जाएगा, जिससे सही और विस्तृत जानकारी मिलेगी और बेहतर नीति बनाने में मदद मिलेगी। शनिवार को एक आधिकारिक फैक्ट-शीट में यह जानकारी दी गई।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस जनगणना में कई नई सुविधाएं होंगी, जैसे कि सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएमएमएस) पोर्टल के जरिए लगभग रियल-टाइम निगरानी, खुद से जानकारी भरने का विकल्प और जियो-रेफरेंस्ड क्षेत्रों का व्यापक उपयोग।

राजनैतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 30 अप्रैल 2025 को हुई अपनी बैठक में जनगणना 2027 में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लिया। इससे पहले 2011 की जनगणना तक केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की ही व्यवस्थित गणना होती थी।

इस पूरी प्रक्रिया के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है और डेटा सुरक्षा के लिए मजबूत इंतजाम किए गए हैं।

जनगणना 2027 को दो चरणों में किया जाएगा, ताकि पूरे देश में व्यवस्थित और व्यापक तरीके से डेटा इकट्ठा किया जा सके।

सरकार के अनुसार, सुरक्षित डेटा सेंटर और बड़े कार्यबल की मदद से यह जनगणना भरोसेमंद जानकारी देगी, जिससे लक्षित और समावेशी नीति बनाना आसान होगा।

बयान में आगे कहा गया है कि जनगणना से जनसंख्या के रुझानों को सही तरीके से समझने में मदद मिलती है और इससे भोजन, पानी, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में बेहतर योजना बनाई जा सकती है। यह स्थानीय स्तर पर भी सटीक जानकारी देता है, ताकि सरकारी योजनाओं को सही जगह तक पहुंचाया जा सके।

स्वतंत्रता के बाद यह देश की आठवीं जनगणना होगी, जो पहले से ज्यादा अपडेट और विस्तृत जानकारी देगी। इससे बदलती सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार योजना बनाना आसान होगा।

भारत में 7 हफ्तों में पहली बार 106 मिलियन डॉलर का आया निवेश: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिछले सप्ताह के दौरान 106 मिलियन डॉलर का शुद्ध निवेश (इनफ्लो) दर्ज किया गया है, जो पिछले सात हफ्तों में पहली बार सकारात्मक रहा है।

एलारा कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, यह इनफ्लो पिछले छह हफ्तों में करीब 5 अरब डॉलर की निकासी (आउटफ्लो) के बाद आया है, जिससे संकेत मिलता है कि भारत-केंद्रित फंड्स से बिकवाली का दबाव धीरे-धीरे कम हो रहा है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि साप्ताहिक आउटफ्लो पहले के 1.2 अरब डॉलर के उच्च स्तर से घटकर करीब 180 मिलियन डॉलर रह गया है।

इस बीच, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) ने रिकवरी में अहम भूमिका निभाई और इस हफ्ते 220 मिलियन डॉलर का निवेश आकर्षित किया, जबकि लॉन्ग-ओनली फंड्स में अभी भी लगभग 400 मिलियन डॉलर की निकासी देखी गई।

खास बात यह रही कि अमेरिका स्थित फंड्स, जो हाल के हफ्तों में भारी बिकवाली कर रहे थे, उन्होंने सात हफ्तों की लगातार निकासी (कुल 3.3 अरब डॉलर) के बाद इस हफ्ते 225 मिलियन डॉलर का निवेश किया।

हालांकि, सुधार के बावजूद भारत-केंद्रित निवेश रणनीतियों में लगातार नौ हफ्तों से निकासी जारी है। वैश्विक स्तर पर तरलता की स्थिति चौथे हफ्ते भी मजबूत बनी रही, जिसमें प्रमुख फंड कैटेगरी में लगातार निवेश आ रहा है।

अमेरिकी इक्विटी फंड्स में पिछले एक महीने में हर हफ्ते 10 अरब से 22 अरब डॉलर तक का निवेश आया, जबकि ग्लोबल फंड्स में 16 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया।

ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट (जीईएम) फंड्स में हर हफ्ते करीब 2 अरब डॉलर तक का निवेश जारी रहा, जबकि इमर्जिंग मार्केट ग्रोथ फंड्स में 1.4 अरब डॉलर का निवेश आया।

इसके विपरीत, यूरोप और चीन में पिछले पांच हफ्तों से लगातार निवेश निकल रहा है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में अलग रुझान दिखाता है।कमोडिटी से जुड़े इक्विटी फंड्स में हाल के समय में तेजी के बाद अब निवेश की रफ्तार धीमी हो गई है।साथ ही, ऊर्जा सेक्टर के फंड्स में निकासी कम हुई है, सोने में निवेश की गति धीमी गति से स्थिर हुई है।

आईटी शेयरों में बिकवाली और पश्चिम एशिया तनाव के चलते इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में आई भारी गिरावट

मुंबई । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के कारण इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ।

साप्ताहिक आधार पर प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 2.3 प्रतिशत और निफ्टी50 1.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

हालांकि, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज्यादा गिरावट नहीं आई। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.6 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.2 प्रतिशत ही नीचे आया।

लिक्विडिटी के मामले में विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने इस हफ्ते 1,369 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू निवेशकों (डीआईआई) ने 9,782 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

सेक्टर के हिसाब से आईटी सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जिसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के अनुमान के कारण आई, हालांकि इंफोसिस और टाटा कंसेल्टेंसी सर्विसेज के नतीजे ठीक रहे।

दूसरी ओर, एफएमसीजी जैसे उपभोक्ता सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया और कंपनियों ने डबल डिजिट ग्रोथ दिखाई। बीएफएसआई सेक्टर भी स्थिर रहा, जहां एसेट क्वालिटी ठीक बनी रही।

विश्लेषकों के अनुसार, पूरे हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में आई रुकावट के कारण निवेशकों में अनिश्चितता बनी रही।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और राजनीतिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों ने ज्यादा खरीदारी नहीं की, जिससे बाजार सीमित दायरे में नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करता नजर आया।

विश्लेषकों ने यह भी बताया कि लगातार विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव रहा, जबकि घरेलू निवेशकों की खरीदारी ने गिरावट को कुछ हद तक संभाला। इस दौरान वेस्ट एशिया की घटनाएं भी बाजार पर भारी रहीं। पहले ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की घोषणा की।

मुनाफावसूली के चलते कीमती धातुओं में आई गिरावट, एक हफ्ते में सोना 500 रुपए तो चांदी 7,000 रुपए से ज्यादा फिसली

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कीमती धातुओं में मुनाफावसूली के कारण इस हफ्ते सोने की कीमतों में 0.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून वायदा सोने में 0.07 प्रतिशत यानी 100 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई, और यह 1,52,799 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। तो वहीं मई वायदा चांदी में 1.16 प्रतिशत यानी 2,808 रुपए की तेजी देखने को मिली, और यह 2,44,321 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करते नजर आई।

हालांकि दिन के कारोबार में जून वायदा सोने ने 1,53,164 रुपए का हाई और 1,50,750 रुपए का लो छुआ। जबकि मई वायदा चांदी ने 2,45,555 रुपए का इंट्रा-डे हाई और 2,38,291 रुपए का लो बनाया।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को 999 प्यूरिटी वाले सोने का भाव 1,51,479 रुपए प्रति 10 ग्राम रहा, जो सोमवार को बाजार खुलने के समय 1,52,002 रुपए था। यानी एक सप्ताह में सोने का भाव 523 रुपए कम हो गया है।

वहीं आईबीजेए के अनुसार, शुक्रवार को चांदी की कीमत 2,43,825 रुपए प्रति किलोग्राम रही, जो सोमवार को बाजार खुलने के समय 2,51,154 रुपए प्रति किलो थी। यानी एक हफ्ते में चांदी की कीमत 7,329 रुपए कम हो गई है। हालांकि, हफ्ते के अंत में सोने की कीमतों में थोड़ी तेजी आई, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर उम्मीदें बढ़ीं। साथ ही निवेशकों ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरों को लेकर भी स्थिति का आकलन किया।

बॉन्ड यील्ड में गिरावट के कारण सोने की कीमत 4,700 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चली गई, जिससे बिना ब्याज देने वाली संपत्तियों पर दबाव कम हुआ।

विशेषज्ञों के अनुसार, निचले स्तर पर सोने और चांदी में कुछ खरीदारी देखने को मिली, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण बाजार में तेजी मजबूत नहीं हो पाई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस्लामाबाद में हैं और अमेरिका के प्रतिनिधि भी बातचीत के लिए जा रहे हैं, जिससे कूटनीतिक गतिरोध खत्म होने की उम्मीद बनी है। हालांकि, ईरान के अधिकारियों ने अमेरिका के साथ बातचीत की योजना से इनकार किया है।

विश्लेषकों का कहना है कि सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) की मांग थोड़ी कम हुई है, लेकिन जोखिम बने रहने के कारण कीमतों में ज्यादा गिरावट नहीं आई।

एक्सपर्ट्स ने यह भी कहा कि अगर कोई बड़ा भू-राजनीतिक बदलाव या डॉलर में उतार-चढ़ाव होता है।

तो घरेलू कमोडिटी बाजार

आरबीआई ने ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिजिटल वॉलेट्स हेतु कड़े नियमों का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल वॉलेट और प्रीपेड कार्ड के लिए सुरक्षा, ग्राहक सुरक्षा और परिचालन स्पष्टता को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई) पर एक मसौदा 'मास्टर निर्देश' जारी किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरबीआई के ड्राफ्ट के तहत, डेबिट कार्ड जारी करने वाले बैंक, 'पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम विभाग' (डीपीएसएस) को जानकारी देने के बाद पीपीआई (प्री-पेड इंस्ट्रूमेंट्स) जारी कर सकेंगे।

ड्राफ्ट में कहा गया है, 'किसी भी गैर-बैंकिंग आवेदक की न्यूनतम नेट-वर्थ 5 करोड़ रुपए होनी चाहिए, और उसे अपने वैधानिक ऑडिटर से एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा। केंद्रीय बैंक ने इस प्रस्ताव पर 22 मई, 2026 तक आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। इसके अलावा, किसी भी गैर-बैंकिंग पीपीआई जारीकर्ता को अनुमति मिलने के तीसरे वित्तीय वर्ष के अंत तक अपनी न्यूनतम नेट-वर्थ बढ़ाकर 15 करोड़ रुपए करनी होगी।

इस प्रस्ताव में गैर-बैंकिंग पीपीआई जारीकर्ताओं के लिए यह भी अनिवार्य किया गया है कि वे पीपीआई जारी करने के बदले जमा की गई राशि को एक अलग 'रुपया एस्क्रो खाते' में रखें, जो भारत में किसी वाणिज्यिक बैंक में खोला गया हो।

प्रस्तावित सीमाओं के तहत, सामान्य उपयोग वाले पीपीआई में अधिकतम 2 लाख रुपए की राशि जमा रखी जा सकती है, और इसमें हर महीने 10,000 रुपए तक नकद राशि जमा करने की सीमा तय की गई है।

ड्राफ्ट में कहा गया है कि ऐसे पीपीआई की अधिकतम सीमा 10,000 रुपए तक हो सकती है, और 'ट्रांजिट पीपीआई' (परिवहन संबंधी पीपीआई) के मामले में यह सीमा 3,000 रुपए तक हो सकती है।

आरबीआई के ड्राफ्ट में कहा गया है, 'ऐसे पीपीआई में राशि जमा करने की अनुमति तभी होगी, जब उसके बदले नकद या किसी अन्य भुगतान माध्यम से विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई हो।

दुबई की कंपनी के हाथों बिकने जा रहे इस बैंक ने जारी किए शानदार नतीजे, मुनाफा 234% बढ़ा; डिविडेंड भी मिलेगा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है। अधिग्रहण की चर्चाओं के बीच आरबीएल बैंक (RBL Bank) ने शनिवार, 25 अप्रैल को अपने मार्च तिमाही के शानदार वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक के मुनाफे में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है और एसेट क्वालिटी में भी काफी सुधार हुआ है। इसके साथ ही, बैंक ने अपने निवेशकों को डिविडेंड का तोहफा देकर उन्हें खुश कर दिया है।

चौथी तिमाही में आरबीएल बैंक ने कितना कमाया मुनाफा?

मार्च तिमाही में आरबीएल बैंक का शुद्ध लाभ (Net Profit) सालाना आधार पर 234% की बड़ी छलांग के साथ 230 करोड़ हो गया है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा सिर्फ ?68.7 करोड़ था। नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) सालाना आधार पर 6.9% बढ़कर ?1,670.7 करोड़ हो गई है। नेट इंटरेस्ट मार्जिन (NIM) 4.41% के मजबूत स्तर पर रहा। बैंक की अन्य आय (Other Income) पिछले साल के ?1,000 करोड़ से बढ़कर ?1,068 करोड़ हो गई। वहीं, ऑपरेटिंग प्रॉफिट 11% की ग्रोथ के साथ ?955 करोड़ पर पहुंच गया है। इस दौरान बैंक ने 3.3 लाख नए कार्ड भी जारी किए हैं।

एसेट क्वालिटी और लोन बुक का क्या है हाल?

बैंक की एसेट क्वालिटी में सुधार निवेशकों के लिए एक बहुत सकारात्मक संकेत है। बैंक का कर्ज बांटने और जमा जुटाने का काम काफी तेजी से चल रहा है। ग्रॉस NPA पिछली तिमाही के 1.88% से घटकर 1.45% पर आ गया है। वहीं, नेट हक्क भी 0.55% से सुधरकर महज 0.39% रह गया है।

बैंक के नेट एडवांस में 23% की मजबूत वृद्धि हुई है और यह ?1.14 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। इसमें रिटेल लोन में 20% और होलसेल लोन में 28% की ग्रोथ शामिल है। कुल जमा राशि 25% उछलकर ?1.39 लाख करोड़ हो गई है। इसमें CASA डिपॉजिट 23% बढ़कर ?46,723 करोड़ रहा।इन नतीजों पर खुशी जताते हुए बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) और CEO आर सुब्रमण्यकुमार ने कहा, 'हमने ऐसी ग्रोथ हासिल की है।

हीटवेव में कैसे करें कुकिंग: बिना किचन को गर्म किए खाना बनाने के आसान तरीके

भारत की भीषण गर्मी में खाना बनाना किसी चुनौती से कम नहीं होता—किचन खुद एक ओवन जैसा लगने लगता है। लेकिन थोड़ी समझदारी और सही प्लानिंग से आप बिना ज्यादा गर्मी बढ़ाए भी आराम से खाना बना सकते हैं।

ठंडी सलाद और सैंडविच बनाएं

गर्मी के दिनों में ठंडी सलाद और सैंडविच सबसे आसान विकल्प हैं, क्योंकि इनमें गैस जलाने की जरूरत नहीं होती। ताजी सब्जियां, पनीर, उबले अंडे या अलग-अलग स्प्रेड का इस्तेमाल करें। ये जल्दी बनते हैं, पौष्टिक होते हैं और पेट भी भरते हैं।

प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करें

प्रेशर कुकर में खाना जल्दी पकता है, जिससे गैस कम समय तक जलानी पड़ती है। दाल, चावल या सब्जियां एक साथ बना सकते हैं। इससे किचन में कम गर्मी फैलती है और समय भी बचता है।

नो-कुक रेसिपी ट्राई करें

फ्रूट बाउल, दही से बने व्यंजन, स्मूदी या ओवरनाइट ओट्स जैसी नो-कुक रेसिपी पूरी तरह से बिना गैस के बनती हैं। ये शरीर को ठंडक देती हैं, हाइड्रेशन बनाए रखती हैं और गर्मी में बहुत राहत देती हैं।

सुबह जल्दी खाना पकाएं

सुबह के समय तापमान कम होता है, इसलिए उस समय खाना बनाना बेहतर रहता है। इससे किचन ज्यादा गर्म नहीं होता और आप दिनभर के लिए खाना पहले से तैयार कर सकते हैं।

माइक्रोवेव या एयर फ्रायर का उपयोग करें

माइक्रोवेव और एयर फ्रायर गैस चूल्हे की तुलना में कम गर्मी फैलाते हैं। ये खाना जल्दी और आसानी से तैयार कर देते हैं, जिससे किचन ज्यादा गर्म नहीं होता।

बैच कुकिंग अपनाएं

एक बार में ज्यादा मात्रा में खाना बनाकर फ्रिज में स्टोर करें। जरूरत पड़ने पर बस गरम करें।

सरकारी अफसर की कुर्सी पर सफेद तौलिया क्यों होता है? यूपी सचिवालय में 'हर हफ्ते 1,000 तौलिये' का क्या मतलब है?

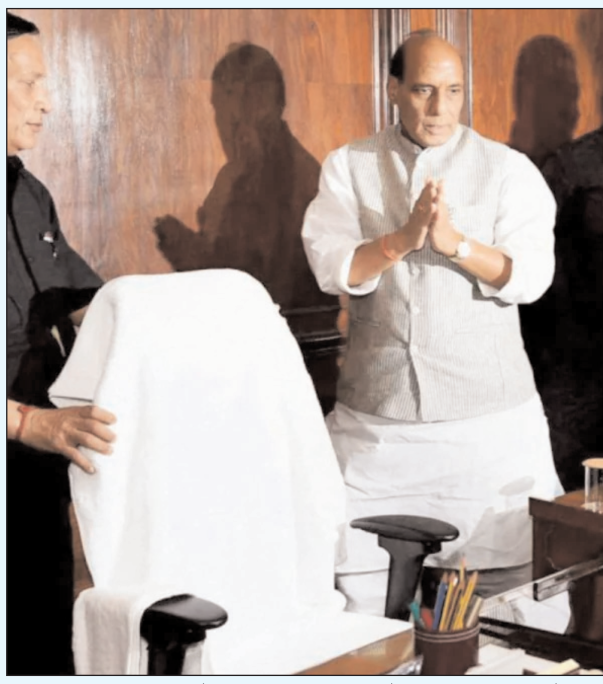

भारत में किसी भी सरकारी दफ्तर में जाइए, एक चीज़ लगभग तय होती है — विभाग कोई भी हो, अफसर का पद कुछ भी हो, या कमरा एसी वाला हो या नहीं — कुर्सी के पीछे करीने से रखा हुआ एक साफ सफेद तौलिया जरूर मिलेगा। अफसर मौजूद हो या न हो, कुर्सी खाली हो सकती है, लेकिन तौलिया हमेशा रहता है।

यह इतना आम हो चुका है कि लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते। लेकिन इस हफ्ते सोशल मीडिया पर वायरल बहस ने इस साधारण से कपड़े को फिर चर्चा में ला दिया।

इस बहस की शुरुआत आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र और लेखक केतन की एक पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने सफेद तौलिये को 'सत्ता का सर्वव्यापी प्रतीक' बताया और 2024 में उत्तर प्रदेश की एक घटना का जिक्र किया, जिसने दिखाया कि व्यवस्था इसे कितनी गंभीरता से लेती है।

2024 में यूपी में क्या हुआ?

2024 में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने एक आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस बुलाई, ताकि तौलियों से जुड़े प्रशासनिक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

सरकारी आदेश के मुताबिक, राज्यभर में होने वाली बैठकों में सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को 'एक जैसी ऊंचाई और साज-सज्जा' वाली तौलिया लगी कुर्सियां दी जानी चाहिए। यह बैठक उन शिकायतों के बाद बुलाई गई थी, जिनमें जनप्रतिनिधियों ने खुद को नजरअंदाज महसूस किया — अफसर तौलिया लगी कुर्सियों पर बैठे थे, जबकि नेता नहीं।

लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश सचिवालय में हर हफ्ते लगभग 1,000 तौलिये बदले जाते हैं — सोमवार और गुरुवार को। यानी एक साधारण कपड़ा, जिसे हफ्ते में दो बार बदला जाता है, वह भी सार्वजनिक खर्च पर, हजारों कुर्सियों पर।

यह परंपरा कहां से आई?

इसकी जड़ें, भारत की कई नौकरशाही परंपराओं की तरह, ब्रिटिश राज तक जाती हैं। पूर्व सिविल सेवक गुरदीप सिंह सप्पल, जो उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के ओएसडी रह चुके हैं, इसे 'ब्रिटिश दौर की विरासत' बताते हैं। उस समय सड़कें कम थीं गाड़ियां कम थीं और एसी नहीं हुआ करते थे।

उन्होंने कहा, 'अफसर घोड़ों पर यात्रा करते थे और तौलिया उनकी स्वच्छता दिनचर्या का हिस्सा था। अंग्रेज चले गए, घोड़े चले गए, लेकिन तौलिये रह गए।

हालांकि एक दूसरी, अधिक तीखी थ्योरी भी है। लेखक धर्मा अधिकारी के अनुसार, अंग्रेजों ने तौलिये इसलिए शुरू किए ताकि भारतीयों के तेल लगे बालों से कुर्सियों के कवर खराब न हों — और खास बात यह कि अंग्रेज खुद अपनी कुर्सियों पर तौलिया नहीं रखते थे।

किसी भी वजह से शुरुआत हुई हो, जो चीज पहले स्वच्छता के लिए थी, वह धीरे-धीरे कुछ और बन गई।

सफेद रंग ही क्यों?

सफेद रंग इसलिए चुना गया क्योंकि उस पर गंदगी तुरंत दिख जाती है, जिससे यह पता चल जाता है कि तौलिया कब बदलना है। लेकिन समय के साथ इस रंग ने अपना अलग मतलब भी बना लिया।

कुर्सी पर रखा सफेद तौलिया अफसर की स्थिति और अधिकार का प्रतीक बन गया — बिना कुछ कहे यह संकेत देता है कि पदानुक्रम में कौन कहां बैठता है।

क्या अब भी यह सिर्फ पसीने के लिए है?

शायद नहीं। पूर्व सिविल सेवक आशीष जोशी ने इस प्रथा को 'कालबाह्य' और 'जमींदारी मानसिकता' का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि अब जब ज्यादातर सरकारी दफ्तर, खासकर सिविल सेवकों के, एसी से लैस हैं, तो यह परंपरा पुरानी हो चुकी है।

सप्पल ने इसे और सीधे शब्दों में कहा: 'अफसर की कुर्सी पर सफेद तौलिया, मेज पर लाल टेलीफोन, दरवाजे पर खड़ा चपरासी, और वरिष्ठ अधिकारी के लिए आरक्षित हरी स्याही — ये इतिहास की संयोगवश बची चीजें नहीं हैं। ये एक ढांचा हैं — नौकरशाही संस्कृति की वह भौतिक भाषा, जो पदानुक्रम की पूजा करती है।

ट्रंप की ईरान वार्ता के भीतर: क्यों रूबीओ और जेडी वेंस गायब हैं जबकि कुशनर और हेगसेथ कमान संभाल रहे हैं

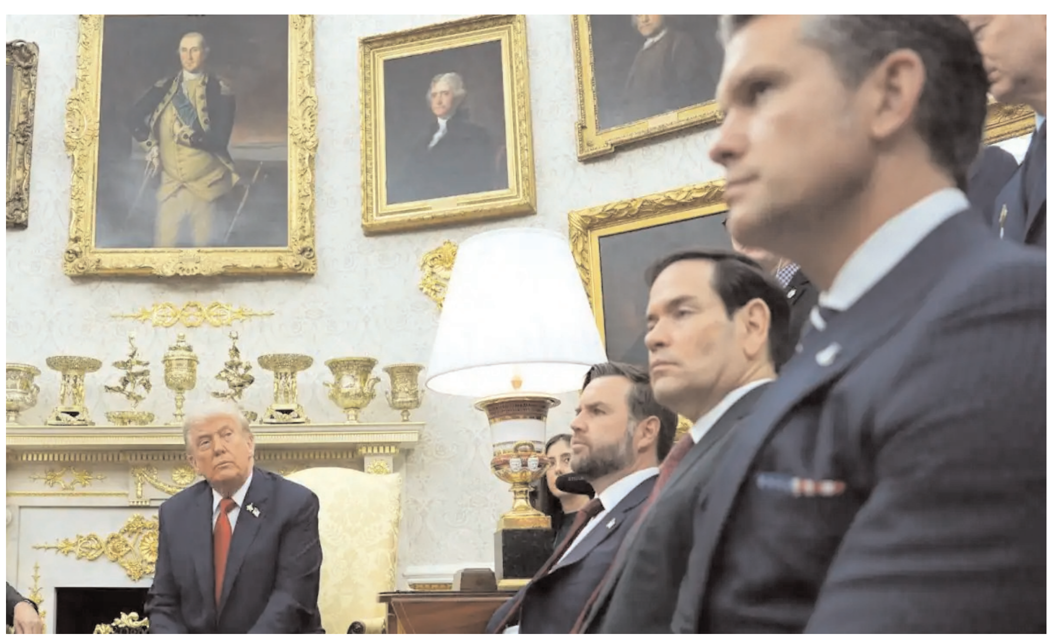

पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान परमाणु कूटनीति के नवीनतम दौर के बीच वाशिंगटन में एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ है: विदेश मंत्री मार्को रूबीओ और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस जैसे प्रमुख अधिकारी बातचीत की मेज से काफी हद तक गायब क्यों हैं, जबकि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और राष्ट्रपति के सलाहकार जेरेड कुशनर जैसी हस्तियां अग्रणी भूमिका निभा रही हैं? इसका उत्तर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति के संचालन के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव में छिपा है, जो पारंपरिक कूटनीति को विदेश विभाग से हटाकर व्हाइट हाउस और भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों की ओर ले जा रहा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, रूबीओ जो एक साथ विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं, ईरान वार्ता, जिनेवा और दोहा की बैठकों और यहां तक कि यूक्रेन और गाजा से संबंधित कूटनीति सहित उच्च स्तरीय विदेशी वार्ताओं से काफी हद तक अनुपस्थित रहे हैं। अखबार नोट करता है कि रूबीओ इसके बजाय वाशिंगटन में ट्रंप के करीब रहे हैं, जो उनकी 'दोहरी भूमिका' को दर्शाता है जो विदेश विभाग को चलाने और व्हाइट हाउस से राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के समन्वय के बीच जिम्मेदारी को बांटती है।

जॉन केरी जैसे अन्य पूर्व विदेश मंत्रियों के विपरीत, जिन्होंने ओबामा प्रशासन के दौरान ईरान के साथ परमाणु वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लिया था, रूबीओ ने सक्रिय राजनयिक भूमिका नहीं निभाने का विकल्प चुना है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, वह इसके बजाय व्हाइट हाउस से समन्वय पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और वाशिंगटन में समय बिता रहे हैं जबकि अन्य लोग कहीं और बातचीत कर रहे हैं।

अखबार द्वारा उद्धृत विशेषज्ञों का कहना है कि यह अमेरिकी कूटनीति में एक व्यापक बदलाव को दर्शाता है जहां विदेश मंत्री अब प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संकटों पर प्राथमिक वार्ताकार नहीं रह गए हैं, बल्कि एक केंद्रीकृत व्हाइट हाउस निर्णय लेने वाली संरचना का हिस्सा बन गए हैं।

ईरान वार्ता से जेडी वेंस की अनुपस्थिति भी इस बात के अनुरूप है कि ट्रंप प्रशासन बातचीत को कैसे संरचित कर रहा है। जैसा कि एक्सियोस की रिपोर्ट है, वेंस पाकिस्तान जाने वाली मुख्य वार्ता टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि पहले उनके व्यापक रूप से शामिल होने की अटकलें थीं। रिपोर्ट बताती है कि वेंस की भूमिका मुख्य रूप से घरेलू और राजनीतिक बनी हुई है, जो सीधे कूटनीति के बजाय आंतरिक प्रशासनिक प्राथमिकताओं और रणनीतिक संदेशों पर केंद्रित है। यह ट्रंप प्रशासन में एक व्यापक पैटर्न को दर्शाता है, जहां उच्च स्तर की बातचीत संवैधानिक पदधारियों के बजाय राष्ट्रपति के विश्वासपात्रों के एक छोटे समूह द्वारा संभाली जाती है।

वेंस की अनुपस्थिति का एक और कारण यह है कि उनके अपेक्षित ईरानी समकक्ष, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबफ, बातचीत के लिए विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ यात्रा नहीं कर रहे हैं। इसके विपरीत, हेगसेथ और कुशनर ईरान के साथ परदे के पीछे और अग्रिम पंक्ति की कूटनीति में केंद्रीय हस्तियों के रूप में उभरे हैं।

गर्मी में किसी के बेहोश होने पर क्या करें: एक त्वरित जीवन रक्षक मार्गदर्शिका

देशभर में गर्मी अपने चरम पर है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शुक्रवार को प्रयागराज में सबसे अधिक 45.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, अचानक बेहोश होकर गिरने की घटनाएं आम हो जाती हैं। जिसे हम साधारण थकान समझ लेते हैं, वह वास्तव में हीट थकावट या हीटस्ट्रोक जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है। यह एक जीवन के लिए खतरनाक आपात स्थिति है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

सबसे पहले तुरंत आपातकालीन सहायता के लिए कॉल करें

यदि कोई व्यक्ति गिर जाता है, बेहोश हो जाता है या उसमें भ्रम, दौरे या शरीर का बहुत अधिक तापमान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत एम्बुलेंस या आपातकालीन सेवाओं को फोन करें। हीटस्ट्रोक का समय पर इलाज न होने पर यह अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है और मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

उन्हें किसी ठंडी जगह पर ले जाएं

जितनी जल्दी हो सके व्यक्ति को सीधी धूप से बाहर निकालें। उन्हें किसी छायादार क्षेत्र, घर के अंदर या एयर कंडीशनिंग वाली जगह पर ले जाएं। शरीर को और अधिक गर्म होने से रोकने के लिए यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

उन्हें लिटा दें और कपड़े ढीले करें

व्यक्ति को लिटा दें और यदि संभव हो तो उनके पैरों को थोड़ा ऊपर उठाएं। शरीर से गर्मी को अधिक कुशलता से बाहर निकालने में मदद करने के लिए तंग या भारी कपड़ों को हटा दें या ढीला कर दें।

शरीर को तुरंत ठंडा करना शुरू करें

तेजी से ठंडा करना जीवन रक्षक हो सकता है। आप शरीर पर ठंडे पानी से स्पंज कर सकते हैं या छिड़काव कर सकते हैं। त्वचा पर गीले कपड़े या तौलिये का प्रयोग करें। गर्दन, बगल और कमर के पास बर्फ की थैलियां रखें। ठंडक की प्रक्रिया को तेज करने के लिए व्यक्ति को पंखा करें। ये तरीके शरीर के तापमान को जल्दी कम करने और आगे के नुकसान को रोकने में मदद करते हैं।

तरल पदार्थ दें लेकिन केवल तभी जब वे होश में हों

यदि व्यक्ति जागा हुआ है और पीने में सक्षम है, तो उसे ठंडे पानी के छोटे घूंट या इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक दें। कैफीन या शराब देने से बचें। ध्यान दें कि यदि व्यक्ति बेहोश या भ्रमित है, तो उसे जबरदस्ती तरल पदार्थ न पिलाएं क्योंकि इससे दम घुट सकता है।

उनकी स्थिति की बारीकी से निगरानी करें

मदद आने तक व्यक्ति के साथ रहें। तेजी से सांस लेने या पल्स जैसे चेतावनी संकेतों पर नजर रखें। भ्रम, उल्टी, दौरे या किसी अन्य असामान्य व्यवहार पर ध्यान दें। यदि व्यक्ति सांस लेना बंद कर देता है या परिसंचरण के कोई संकेत नहीं दिखाता है, तो यदि आप प्रशिक्षित हैं तो सीपीआर शुरू करें।

विश्व मलेरिया दिवस 2026: थीम, लक्षण, रोकथाम और उपचार

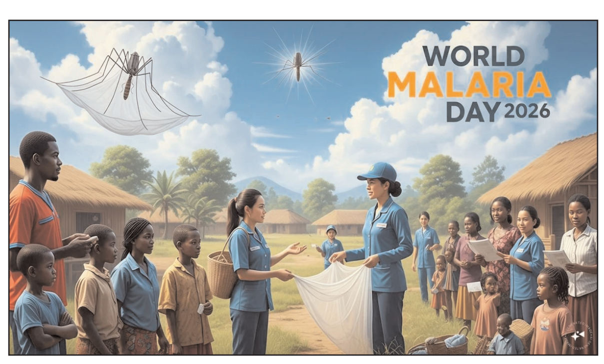

विश्व मलेरिया दिवस हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है, जो मच्छरों से होने वाली इस बीमारी के खिलाफ जारी लड़ाई की याद दिलाता है। इसकी शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2007 में की गई थी ताकि मलेरिया के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाई जा सके, क्योंकि यह बीमारी आज भी हर साल 6 लाख से अधिक लोगों की जान ले लेती है। विज्ञान में हुई प्रगति के साथ अब हमारे जीवनकाल में ही मलेरिया को समाप्त करना संभव होता दिख रहा है। मलेरिया के बोझ को कम करने में नए उपकरण और रणनीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आरटीएस,एस नामक एक क्रांतिकारी मलेरिया वैक्सीन वर्तमान में 25 देशों में लागू की जा रही है, जो हर साल 1 करोड़ बच्चों की रक्षा कर रही है। साथ ही नई पीढ़ी के कीटनाशक उपचारित मच्छरों की जाली बड़े स्तर पर वितरित की जा रही है।

विश्व मलेरिया दिवस 2026 का विषय 'मलेरिया खत्म करने का संकल्प: अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' रखा गया है। यह नारा जीवन की रक्षा करने और मलेरिया के उन्मूलन के लिए तत्काल कार्रवाई और धन सुरक्षित करने की मांग करता है। वैश्विक आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2000 से अब तक लगभग 2.3 अरब मलेरिया के मामलों और 1.4 करोड़ मौतों को टाला जा चुका है। साल 2024 तक 47 देशों को मलेरिया मुक्त घोषित किया जा चुका है और स्थानिक देशों की संख्या भी 108 से घटकर 80 रह गई है। हालांकि 2024 में लगभग 28.2 करोड़ मामले और 6.1 लाख मौतें दर्ज की गईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी अधिक हैं। इसलिए इस प्रगति को बनाए रखने के लिए निरंतर नवाचार आवश्यक है।

मलेरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर के काटने के 7 से 30 दिनों के बाद दिखाई देते हैं। इनमें तेज बुखार, कंपकंपी के साथ ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल हैं। कुछ मामलों में मतली, उल्टी और दस्त भी हो सकते हैं। यदि इलाज न किया जाए, तो मलेरिया पीलिया, एनीमिया, दौरे और यहां तक कि कोमा का कारण भी बन सकता है। इससे बचाव के लिए कीटनाशक युक्त मच्छरदानी का उपयोग करना, कीट विकर्षक क्रीम लगाना और पूरी बाजू के कपड़े पहनना सबसे प्रभावी उपाय हैं। इसके अलावा, अपने आसपास स्थिर पानी को जमा न होने दें क्योंकि यह मच्छरों के प्रजनन का मुख्य स्थान है। इलाज के लिए शुरुआती जांच बहुत महत्वपूर्ण है।

अब और नहीं सन्नाटा: आनुवंशिक म्यूटेशन के कारण बधिर पैदा हुए बच्चों के लिए पहली जीन थेरेपी को अमेरिकी FDA की मंजूरी

पूरी तरह बधिर जन्मे बच्चे के लिए दुनिया अब तक लगभग खामोशी से भरी रही है—जिसे केवल कोक्लियर इम्प्लांट या हियरिंग एड जैसे उपकरण ही कुछ हद तक तोड़ पाते थे। लेकिन अब यह स्थिति बदल सकती है। 23 अप्रैल को अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) ने अमेरिकी दवा कंपनी रीजेनेरॉन फार्मास्यूटिकल्स द्वारा विकसित 'ओटारमेनी' को त्वरित मंजूरी दी।

ओटारमेनी (लुनसोटोज़ीन पारवेक-cwha) पहली बार इस्तेमाल होने वाली ड्यूल एडेनो-एसोसिएटेड वायरस (AAV) वेक्टर-आधारित जीन थेरेपी है। इसके सकारात्मक नतीजों से उत्साहित भारतीय डॉक्टर भी भारत में ऐसे ही अध्ययन करने और स्थानीय क्लिनिकल डेटा तैयार करने के लिए सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

एजेंसी के अनुसार, 'ओटारमेनी उन बच्चों और वयस्कों के इलाज के लिए है, जिन्हें OTOF जीन में बायएलीलिक वेरिएंट्स के कारण गंभीर से अत्यंत गंभीर सेंसोरीन्यूरल हियरिंग लॉस है।' एजेंसी ने यह भी कहा कि 'आज से पहले OTOF से जुड़ी बधिरता के लिए कोई रोग-परिवर्तनकारी इलाज उपलब्ध नहीं था। यह दवा उन मरीजों के लिए है जिनकी बाहरी हेयर सेल्स की कार्यक्षमता बनी हुई है और जिनके उसी कान में पहले कोक्लियर इम्प्लांट नहीं लगाया गया है।'

FDA की घोषणा के बाद कंपनी ने अपने प्रेस रिलीज में बताया कि यह 'पहली जीन थेरेपी और दूसरी नई मॉलेक्यूलर एंटिटी है, जिसे स्नष्ठ कमिश्नर के नेशनल प्रायोरिटी वाउचर प्रोग्राम के तहत मंजूरी मिली है'—यह एक पायलट पहल है, जो नियामकीय समीक्षा को केवल 1-2 महीनों तक सीमित कर देती है।

रीजेनेरॉन ने कहा है कि वह अमेरिका में पात्र मरीजों को ओटारमेनी मुफ्त में उपलब्ध कराएगी।

इस दवा को FDA से ऑर्फन ड्रग, रेयर पीडियाट्रिक डिजीज, फास्ट ट्रैक और रीजेनेरेटिव मेडिसिन एडवांस्ड थेरेपी जैसी विशेष मान्यताएं भी मिली हैं। कंपनी ने बताया कि अन्य बाजारों में

तारा शर्मा ने जीनत अमान से प्रेरित 'पेज 3' की एक पुरानी तस्वीर साझा की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा शर्मा ने अपनी फिल्म 'पेज 3' की शूटिंग के दौरान ली गई एक तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने फिल्म की एक पुरानी तस्वीर साझा करके प्रशंसकों को खुश कर दिया और बताया कि फिल्म के पार्टी सॉन्ग में उनका लुक जीनत अमान के मशहूर अंदाज़ से प्रेरित था, खासकर उनके मशहूर गाने 'दम मारो दम' के अंदाज़ से। तस्वीर में तारा माथे पर एक बोल्ड हेडबैंड के साथ रेट्रो लुक में नजर आ रही हैं। तारा शर्मा ने फोटो के साथ लिखा है, 'अभी-अभी ये फोटो मिली! हमारी फिल्म पेज 3 के पार्टी सॉन्ग में मेरा लुक... शानदार ज़ीनत अमान और आशा भोसले जी के दम मारो दम से प्रेरित गाना था, कुआं में डूब जाउंगी।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मैं अपने कई फोटो एल्बमों में से एक पलट रही थी और मुझे यह तस्वीर दिखी, तो मैंने सोचा कि यह 'फ्लैशबैक फ्राइडे' के लिए बढ़िया है। शुक्र है कि फोन, कैमरे और डिजिटल कैमरे आने से पहले भी मैं हमेशा से तस्वीरें लेती रही हूं।

जीनत अमान की प्रशंसा करते हुए तारा ने लिखा, 'जीनत जी, मैंने आपकी असली तस्वीर देखी, तो खुद को रोक नहीं पाई। बेशक मैं आपके जैसी तो नहीं हूं, लेकिन तस्वीर देखकर बहुत अच्छा लगा। आगे बढ़ते रहिए, भगवान का शुक्र है। सुरक्षित रहें। 2005 में रिलीज हुई पेज 3 फिल्म का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा, अतुल कुलकर्णी, बोमन ईरानी, संध्या मृदुल, तारा शर्मा और अन्य कलाकारों ने अभिनय किया था। फिल्म में एक पत्रकार के नज़रिए से उच्च समाज और पेज 3 संस्कृति की चकाचौंध भरी लेकिन दिखावटी दुनिया को दिखाया गया है, जो मशहूर हस्तियों की जीवनशैली के पीछे छिपी सच्चाइयों को उजागर करती है। इस समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता।

तारा शर्मा की बात करें तो, वह ओम जय जगदीश, साया, मस्ती और अन्य कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

'खलनायक रिटर्न्स': फिर से आ रहा 'बल्लू बलराम', सुभाष घई बोले- संजय दत्त फिर से साबित कर देंगे

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त एक बार फिर अपने खलनायक अंदाज में नजर आने वाले हैं। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' का एंटी-हीरो किरदार 'बल्लू बलराम' अब नए रूप में बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई है।

सुभाष घई ने मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से लिखा, 'हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू 'खलनायक रिटर्न्स' के साथ वापस आ गए हैं। शुक्रवार को मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा।

उन्होंने आगे कहा कि बल्लू बलराम जैसे आइकॉनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और पूरी टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

संजय दत्त ने शुक्रवार को खुद 'खलनायक रिटर्न्स' फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। यह फिल्म 1993 की मूल 'खलनायक' का नया संस्करण बताई जा रही है। मूल फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक का रोल किया था, जो उस समय काफी चर्चित रहा था। 'बल्लू बलराम' का किरदार आज भी दर्शकों की याद में ताजा है। मूल फिल्म 'खलनायक' उस समय की कल्ट क्लासिक बन गई थी। इसमें संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित, जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

शुक्रवार को मुंबई में एक इवेंट के दौरान संजय दत्त ने घोषणा की कि उनकी कंपनी 'थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल के अधिकार खरीद लिए हैं।

इवेंट में 'खलनायक रिटर्न्स' का छोटा टीजर भी रिलीज किया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू बलराम' के नए और दमदार अवतार में नजर आए।

संजय ने सुभाष घई को शुक्रिया अदा करते हुए कहा, 'खलनायक का सफर बहुत लंबा रहा है। सुभाष जी के बिना यह मुमकिन नहीं था। वह एक लीजेंड हैं और एंटरटेनमेंट की दुनिया के बेताज बादशाह हैं। वे इस नई फिल्म का भी हिस्सा होंगे।

'मेरा दूसरा जन्म', ब्रेस्ट कैंसर से जंग जीतने के चार साल पूरे, छवि मित्तल ने बताया अब तक का

मुंबई। कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिससे जंग जीतना अपने आप में एक बड़ी जीत है। इसी जीत का जश्न मनाती नजर आईं अभिनेत्री छवि मित्तल। ब्रेस्ट कैंसर से ठीक हुए उन्हें चार साल पूरे हो चुके हैं, जिसे लेकर वह भावुक नजर आईं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो और दिल छू लेने वाला नोट पोस्ट किया, जिसमें अपनी जिंदगी की इस मुश्किल लेकिन बदलाव भरी यात्रा के बारे में खुलकर बात की। वीडियो में छवि कहती नजर आईं, 'जिंदगी में कुछ ऐसे पल आते हैं जिनके बाद सब कुछ बदल जाता है। मेरे लिए वो पल तब आए जब मैं घर छोड़कर मुंबई आई, जब मैं मां बनी और फिर चार साल पहले जब मेरी ब्रेस्ट कैंसर की सर्जरी हुई। इन पलों में आपको एहसास भी नहीं होता कि आपकी जिंदगी हमेशा के लिए बदलने वाली है।

उन्होंने आगे कहा, 'बहुत समय तक हम चाहते हैं कि चीजें पहले जैसी हो जाएं, लेकिन वो कभी पहले जैसी नहीं होतीं। ऐसा इसलिए नहीं कि जिंदगी खराब हो गई, बल्कि इसलिए कि जिंदगी और बेहतर हो गई है। छवि ने उन लोगों की आलोचना का भी जवाब दिया जिन्होंने उन्हें कैंसर के बारे में बात करना बंद करने की सलाह दी और 'विक्टिम कार्ड' खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'आज भी चार साल बाद जब कोई मुझे ट्रोल करता है और कहता है कि अब कैंसर की बात काफी हो गई, तो मैं मन ही मन मुस्कुराती हूं। शायद उनकी जिंदगी में कभी ऐसा पल ही नहीं आया जिसने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी हो।

अपनी ठीक होने की यात्रा पर बात करते हुए छवि ने कहा, 'आज मैं न सिर्फ अपने नए जन्म, अपनी नई पहचान, अपनी तरक्की और अपनी ताकत का जश्न मना रही हूं, बल्कि हर उस कैंसर योद्धा का भी जश्न मना रही हूं जो खुद को गलत समझा हुआ, अनसुना और कम सराहा हुआ महसूस करता है। मैं आपको देखती हूं, सुनती हूं और आपकी सराहना करती हूं।

छवि ने लिखा, 'भले ही किसी को याद न हो, लेकिन मैं इसे कभी नहीं भूल सकती।

25 अप्रैल 2022 मेरी नई जिंदगी का पहला दिन था। उस दिन 6 घंटे की लंबी सर्जरी के बाद मुझे आधिकारिक तौर पर कैंसर-मुक्त घोषित किया गया था।

14 साल पुरानी खटास भूलीं सुनीता आहूजा, शो के दौरान भांजे कृष्णा अभिषेक ने पैर पकड़कर माफी मांगी

मुंबई। अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और उनके भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच पिछले कुछ वर्षों से चली आ रही कड़वाहट आखिरकार खत्म हो गई है। कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स' शो के दौरान जब सुनीता आहूजा ने एंट्री ली, तो सेट पर मौजूद सभी लोग दंग रहे। इस दौरान कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी कश्मीरा के आंखों में आंसू नजर आए।

दरअसल, शो के दौरान कृष्णा अपनी मामी को देखकर इतने भावुक हो गए कि उन्होंने फर्श पर लेटकर अपनी मामी के पैर पकड़ लिए और बीते वर्षों में हुई हर गलती और उनके दिल को पहुंची ठेस के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

कृष्णा की माफी पर सुनीता ने बड़प्पन दिखाते हुए उन्हें गले लगाया और कहा कि कृष्णा उनके बेटे जैसा है। मां कभी बच्चों से ज्यादा देर नाराज नहीं रह सकती। सुनीता ने साफ किया कि अब उनके मन में किसी के लिए कोई खटास नहीं है और वह पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहती हैं।

इस दौरान कृष्णा की पत्नी कश्मीरा शाह भी भावुक नजर आईं। एक समय में सुनीता और कश्मीरा के बीच जुबानी जंग देखी गई थी, लेकिन इस मुलाकात में कश्मीरा ने भी दिल से अफसोस जताया। उन्होंने सुनीता के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी और कहा कि वह परिवार को बहुत याद करती थीं।

सुनीता और कृष्णा-कश्मीरा का यह झगड़ा करीब 14 साल पहले एक सोशल मीडिया पोस्ट और आपसी गलतफहमी की वजह से शुरू हुआ था।

इसके बाद दोनों परिवारों ने सालों तक एक-दूसरे से दूरी बना ली थी और कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी की थी। हालांकि, इस मुलाकात में गोविंदा नजर नहीं आए, लेकिन फैंस को उम्मीद है कि जल्द ही कृष्णा और गोविंदा भी एक साथ नजर आएंगे।

कृष्णा और कश्मीरा 'सेलिब्रिटी लाफ्टर शेफ्स' में अपनी कुकिंग स्किल्स से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं और अब इस रीयूनियन ने शो की रौनक और बढ़ा दी है।

'बाद में सिर्फ पछतावा होगा', अपने पिता को याद कर भावुक हुईं अंकिता लोखंडे

मुंबई। छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने पिता को याद करते हुए कहा है कि वह अपनी हर सांस में उन्हें याद करती हैं। अंकिता के पिता शशिकांत लोखंडे का निधन लंबी बीमारी के बाद 2023 में हो गया था।

अंकिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने पिता के साथ की एक पुरानी तस्वीर साझा की है। तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ हैं।

अंकिता ने कैप्शन में लिखा, 'मैं हर सांस में आपको याद करती हूं।'

उन्होंने आगे लिखा, 'जब आपके माता-पिता आपके साथ हों तो उनसे प्यार करें, वरना मेरा यकीन मानिए, बाद में आपको सिर्फ पछतावा होगा।

वर्क फ्रंट पर, अंकिता और उनके पति विक्की जैन अभी 'लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड' के नए संस्करण में नजर आ रहे हैं, जिसमें अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, जन्नत जुबैर, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, निया शर्मा, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे कलाकार हैं।

अंकिता ने पवित्र रिश्ता में अर्चना मानव देशमुख के रोल से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत भी इस शो का हिस्सा थे। यह शो तमिल टेलीविजन सीरीज थिरुमथी सेल्वम का रूपांतरण था। इसके बाद वह झलक दिखला जा 4 और कॉमेडी सर्कस में दिखीं। उन्होंने एक थी नायिका के दो एपिसोड में भी किया।

41 साल की अभिनेत्री ने 2018 में कंगना रनौत स्टारर 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी' से फिल्मों में डेब्यू किया। यह फिल्म रानी लक्ष्मीबाई की जिंदगी पर आधारित थी। अंकिता ने 2020 में साजिद नाडियाडवाला की एक्शन थ्रिलर फिल्म बागी 3 में भी काम किया था। यह बागी का तीसरा पार्ट था। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और रितेश देशमुख ने भी काम किया था। 2020 में, सुशांत सिंह राजपूत के गुजर जाने के बाद, उनका शो 'पवित्र रिश्ता' दोबारा दिखाया गया। सितंबर 2021 से 'पवित्र रिश्ता - इट्स नेवर टू लेट' नाम की एक सीरीज शुरू हुई।

यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच अजरबैजान में पुतिन से मिलने को तैयार हैं जेलेंस्की

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की अजरबैजान के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बातचीत की। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दक्षिण कॉकेशस के अपने पहले दौरे पर कहा कि वह अजरबैजान में व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए तैयार हैं।

बता दें कि बीते कुछ समय से रूस और यूक्रेन के बीच सुलह कराने के लिए अमेरिकी की मध्यस्थता में बातचीत हो रही थी, लेकिन हाल फिलहाल में ईरान के साथ तनाव के बीच यह रुकी हुई है। पिछले कुछ हफ्तों में अमेरिका की अगुवाई वाली डिप्लोमैटिक बातचीत रुकने के बाद जेलेंस्की का यह बयान सामने आया है।

प्रेसिडेंट वोलोडिमीर जेलेंस्की ने कहा, 'यूक्रेन के लिए यह बहुत जरूरी है कि रूस इस गलत युद्ध को खत्म करने की ताकत पाए। बाकू मॉस्को के बड़े पैमाने पर युद्ध को खत्म करने के लिए डिप्लोमैटिक प्रोसेस में बीच-बचाव कर सकता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने अजरबैजान के राष्ट्रपति को बता दिया है कि हम तीन तरफा बातचीत के लिए तैयार हैं। कीव पहले ही तुर्किए और स्विट्जरलैंड में ऐसी बातचीत कर चुका है।'

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, 'हम निश्चित रूप से अजरबैजान में होने वाली बातचीत के लिए तैयार हैं, बशर्ते रूस डिप्लोमेसी के लिए तैयार हो।' उन्होंने युद्ध शुरू होने के बाद से दक्षिण कॉकेशस की अपनी पहली यात्रा की अहमियत बताई।

हालांकि, क्रेमलिन रूस के अलावा किसी दूसरी जगह यूक्रेन के साथ बातचीत से मना कर रहा था। रूस यूक्रेन पर लगातार बमबारी और सैन्य हमले जारी रखे हुए है। इसके साथ ही क्रेमलिन अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं है।

वहीं, अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन और अजरबैजान ने दोनों देशों की क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया है और करते रहेंगे। उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के प्रति बाकू के लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराया।

अलीयेव ने कहा, 'हमने विचारों का आदान-प्रदान किया और संक्षेप में वर्तमान में हमारे बीच काफी सहयोग है, जिसकी आज फिर से पुष्टि की गई है।'

भारत और अमेरिका ने रणनीतिक संबंधों को गहरा करने पर चर्चा की, हिंद-प्रशांत सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

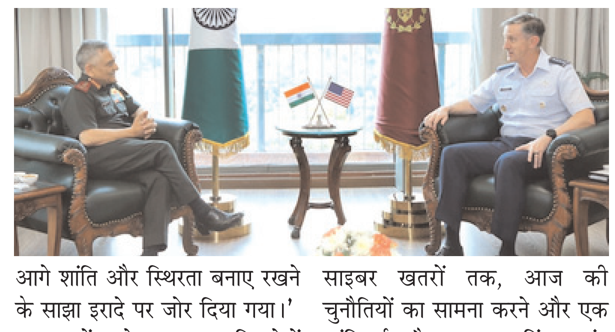

वाशिंगटन। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने अमेरिका हिंद-प्रशांत कमांड के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ चर्चा की। इस बातचीत के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा के मामले में दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल को और मजबूत किया गया।

उन्होंने पैसिफिक एयर फोर्स के कमांडर और यूएस हिंद-प्रशांत कमांड के एयर कंपोनेंट कमांडर जनरल केविन बी. श्नाइडर से बात की। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा में साझा प्राथमिकताओं और हिंद-प्रशांत और उससे आगे शांति और स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के हेडक्वार्टर ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'जनरल अनिल चौहान, सीडीएस, ने पैसिफिक एयर फोर्स के कमांडर और यूएस हिंद-प्रशांत कमांड के एयर कंपोनेंट कमांडर जनरल केविन बी. श्नाइडर से बात की और भारत और अमेरिका के बीच गहरे होते रणनीतिक मेलजोल की पुष्टि की। बातचीत में क्षेत्रीय सुरक्षा और हिंद-प्रशांत और उससे आगे शांति और स्थिरता बनाए रखने के साझा इरादे पर जोर दिया गया।'

इसमें आगे बताया गया कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय और ट्राई-सर्विस एंगेजमेंट के दायरे, जटिलता और फ्रीक्वेंसी को बढ़ाने और संचालित करने का साफ इरादा जताया। इसमें आगे कहा गया, 'तकनीक को मॉडर्न पावर का एक अहम फैक्टर मानते हुए, यह साझेदारी बेहतर तालमेल, क्षमता और रणनीतिक दूरदर्शिता के साथ लगातार बढ़ रही है।'

इस हफ्ते की शुरुआत में, जनरल चौहान ने ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं। सीडीएस चौहान ने अपने ब्रिटेन के समकक्ष, एयर चीफ मार्शल सर रिचर्ड नाइटन से मुलाकात की। इस दौरान भारत और ब्रिटेन ने वैश्विक व्यापार असंतुलन से लेकर उभरते साइबर खतरों तक, आज की चुनौतियों का सामना करने और एक शांतिपूर्ण और खुशहाल हिंद-प्रशांत को आगे बढ़ाने के अपने साझा इरादे को दोहराया। हेडक्वार्टर ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जनरल अनिल चौहान, सीडीएस, ने ब्रिटेन के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान, एयर चीफ मार्शल सर रिचर्ड नाइटन, सीडीएस यूके से बातचीत की। भारत और यूके ने विश्व व्यापार असंतुलन से लेकर उभरते साइबर खतरों तक, आज की चुनौतियों का मिलकर सामना करने के अपने साझा इरादे को फिर से सुनिश्चित किया, साथ ही एक शांतिपूर्ण और खुशहाल हिंद-प्रशांत को आगे बढ़ाया और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलाव का फायदा उठाया।'

अमेरिका में पेश किए गए विधेयक में एच-1बी वीजा को तीन साल के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव

वाशिंगटन। रिपब्लिकन लॉ-मेकर्स के एक समूह ने एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल के लिए रोक लगाने और कार्यक्रम में सुधार करने के लिए एक विधेयक पेश किया है। इन प्रतिनिधियों का तर्क है कि एच-1बी वीजा से अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान हुआ है।

एली क्रेन द्वारा प्रस्तावित 'एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट ऑफ़ 2026' का उद्देश्य वीजा प्रणाली को फिर से शुरू करने से पहले उसमें सुधार करना और सख्त नियमों को लागू करना है।

क्रेन ने कहा, 'संघीय सरकार को मेहनती नागरिकों के लिए काम करना चाहिए, न कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के मुनाफे के लिए। हम अमेरिकी जनता के प्रति जवाबदेह हैं कि एच-1बी प्रणाली को विफल होने से रोकें ताकि वे उन नौकरियों से वंचित न रह जाएं, जिनके लिए वे योग्य हैं।' उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक 'रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करेगा, वीजा प्रक्रिया में प्रोटोकॉल को मजबूत करेगा और अमेरिकियों को रोजगार देने के लिए प्राथमिकता देगा।'

इस विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित कई रिपब्लिकन लॉ-मेकर्स का समर्थन प्राप्त हुआ है। ब्रैंडन गिल ने कहा, 'मुझे प्रतिनिधि एली क्रेन के एच-1बी वीज़ा प्रणाली में सुधार और उसे और सख्त बनाने के प्रयासों का सह-प्रायोजक होने पर गर्व है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी आप्रवासी प्रणाली विदेशियों से पहले अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता दे।' इस विधेयक में व्यापक बदलाव प्रस्तावित हैं। यह वार्षिक एच-1बी सीमा को 65,000 से घटाकर 25,000 कर देगा और छूटों को समाप्त कर देगा।

नेपाल के पत्रकारों के समूह ने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। नेपाल और भारत की सीमा पर इन दिनों हलचल बढ़ी हुई है। बालेंद्र शाह के नेतृत्व में नेपाल में भारत से आने वाले सामान पर कस्टम ड्यूटी को लेकर जो नए नियम लागू किए हैं, उससे लोगों में काफी नाराजगी है। नेपाल में बालेंद्र शाह सरकार के खिलाफ बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच नेपाल के पत्रकारों के एक समूह ने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री से मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी, 'नेपाल के पत्रकारों के एक समूह ने विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री से बातचीत की। विदेश सचिव ने समूह को भारत और नेपाल के बीच कई तरह की साझेदारी में हुई बड़ी तरक्की और भविष्य के लिए इसके अच्छे नजरिए के बारे में बताया।'

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के इस नए फैसले के बाद से सीमावर्ती इलाके में रह रहे लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। बीते दिन कुछ तस्वीरें सामने आई, जिसमें नेपाल-भारत की सीमा पर लोगों के सामान की जांच की जा रही थी।

वहीं इस मामले पर भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से बयान भी सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसावल ने कहा, 'हमें नेपाल के अधिकारियों की तरफ से एक मौजूदा नियम को लागू किए जाने की रिपोर्ट की जानकारी मिली है। इसके तहत सीमा पार करने वाले यात्रियों से कस्टम ड्यूटी ली जाती है, यदि वे भारत में खरीदे गए 100 नेपाली रुपया से अधिक मूल्य का सामान अपने साथ ले जा रहे हों। हम समझते हैं कि नेपाल की सरकार ने यह कदम मुख्य रूप से अनौपचारिक व्यापार और तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया है।'

इसके साथ ही विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि हमने नेपाल के एक वरिष्ठ अधिकारी का बयान देखा है, निजी इस्तेमाल के लिए घरेलू सामान ले जा रहे लोगों को नहीं रोका जाएगा।

बालेंद्र शाह सरकार के इस फैसले से जनता में भयंकर आक्रोश देखने को मिल रहा है। द संडे गार्डियन के अनुसार, यह विवाद केवल एक फैसले को लेकर नहीं हो रहा है, बल्कि आर्थिक फैसलों, गवर्नेंस की चिंताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों ने लोगों की नाराजगी को हवा दी है।

खासतौर से अगर कस्टम ड्यूटी की बात करें तो नेपाल के सीमावर्ती इलाके में रहने वाले लोगों की राशन, घर का सामान, दवाई और कपड़ों समेत कई मूलभूत सामग्रियों के लिए निर्भरता भारतीय बाजार पर है। ऐसे में इस कस्टम ड्यूटी ने उनकी जेब पर बुरा असर डाला है।

ईंधन की कीमतों में उछाल से एयरलाइंस बेहाल, अमेरिका में छिड़ा विवाद

वाशिंगटन। ईरान से जुड़े तनाव के कारण जेट ईंधन (हवाई जहाज का ईंधन) की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इसका असर अमेरिकी एयरलाइनों पर पड़ रहा है। उन्हें कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ रही हैं और टिकट के दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। इसी मुद्दे पर अमेरिकी कांग्रेस में सरकार की ऊर्जा नीति और वैकल्पिक ईंधन योजनाओं में कटौती को लेकर तीखी बहस हुई।

सीनेट की एक सुनवाई में सीनेटर मारिया कैंटवेल ने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट से बढ़ती कीमतों और सरकार के उस फैसले पर सवाल किया, जिसमें टिकाऊ विमान ईंधन (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) के लिए मिलने वाली मदद कम की जा रही है।

कैंटवेल ने कहा कि सिएटल टाइम्स के पहले पन्ने पर खबर छपी है कि महंगे ईंधन की वजह से उड़ानें रद्द हो रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अलास्का एयरलाइंस को इस तिमाही में ईंधन पर सैकड़ों मिलियन डॉलर ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। एयरलाइन पहले ही अपने वसंत (स्प्रिंग) के शेड्यूल में कटौती की घोषणा कर चुकी है, क्योंकि बढ़ती ईंधन लागत को संभालना मुश्किल हो रहा है।

उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, जेट ईंधन की कीमत पिछले साल के अंत में करीब 100 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस महीने 200 डॉलर से ऊपर चली गई, हालांकि बाद में थोड़ी कम हुई। कैंटवेल ने एयरलाइनों पर पड़ रहे दबाव के लिए सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने टिकाऊ विमान ईंधन को बढ़ावा देने के लिए मिलने वाली टैक्स छूट में कटौती की आलोचना की।

पाकिस्तान में प्रॉपर्टी वैल्यूएशन कटौती से उजागर हुई रियल एस्टेट लॉबी की ताकत, टैक्स सुधारों पर सवाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) द्वारा प्रॉपर्टी वैल्यूएशन टेबल में हालिया संशोधन ने एक बार फिर देश में रियल एस्टेट सेक्टर की मजबूत पकड़ और सरकार की प्रभावी टैक्स सुधार लागू करने की सीमित क्षमता को उजागर कर दिया है। यह दावा एक रिपोर्ट में किया गया है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआत में इस कदम को सरकारी जमीन मूल्यों को बाजार दरों के करीब लाने की कोशिश बताया गया था, लेकिन समय के साथ यह फैसला लगातार नरम पड़ता गया। इसमें कई बार बदलाव, स्थगन और रियायतें दी गईं।

संशोधित वैल्यूएशन, खासकर इस्लामाबाद में, 10 से 35 प्रतिशत तक कम कर दिए गए हैं। यह कटौती डेवलपर्स और बिल्डर्स के कड़े विरोध के बाद की गई। इससे पहले बढ़ाए गए मूल्यांकन को भी बाजार कीमतों से काफी कम माना जा रहा था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि घोषित कीमतों और वास्तविक लेनदेन मूल्यों के बीच अंतर कम करने के बजाय ताजा संशोधनों ने इस खाई को और बढ़ा दिया है। इससे कम कीमत दिखाकर सौदे करने, टैक्स चोरी और बिना हिसाब-किताब वाले धन के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, इन संशोधनों को चुनिंदा इलाकों तक सीमित रखने पर भी सवाल उठे हैं। पूरे देश में पारदर्शी तरीके से पुनर्मूल्यांकन करने के बजाय एफबीआर ने कुछ खास क्षेत्रों में ही बदलाव किए हैं। इससे यह धारणा बनी है कि वैल्यूएशन में बदलाव प्रभावशाली समूहों से बातचीत के बाद किए गए, न कि निष्पक्ष और आंकड़ों पर आधारित प्रक्रिया के तहत।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समस्या की जड़ पाकिस्तान की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में रियल एस्टेट सेक्टर का गहरा दबदबा है। इसे देश के सबसे प्रभावशाली कारोबारी लॉबी में से एक माना जाता है, जिसकी पहुंच राजनीति, नौकरशाही और संस्थागत ढांचे तक है। सत्ता से जुड़े प्रभावशाली लोगों की हिस्सेदारी के कारण इस क्षेत्र पर प्रभावी टैक्स लगाने की कोशिशों को बार-बार विरोध का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रियल एस्टेट पाकिस्तान में बिना टैक्स वाले या अवैध धन को खपाने का पसंदीदा माध्यम बना हुआ है। इससे उत्पादक निवेश की बजाय सट्टेबाजी को बढ़ावा मिलता है।

यह असंतुलन पाकिस्तान के लगातार कम टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात और अप्रत्यक्ष करों पर भारी निर्भरता की बड़ी वजह है, जिसका बोझ आम नागरिकों पर पड़ता है।

अमेरिका में चीन से जुड़े कॉपर डील पर बवाल, सीनेटर्स ने सुरक्षा पर उठाए बड़े सवाल

वाशिंगटन। अमेरिका में चीन से जुड़े एक कॉपर (तांबा) खनन सौदे को लेकर राजनीतिक हलकों में चिंता बढ़ गई है। वरिष्ठ डेमोक्रेट सीनेटर्स ने इस डील को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए इसकी जांच की मांग की है।

अमेरिकी सीनेटर मैक्सिन वाटर्स समेत चार वरिष्ठ नेताओं ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को पत्र लिखकर इस मामले की समीक्षा कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में विदेशी निवेश पर समिति (सीएफआईयूएस) को तुरंत इस सौदे की जांच करनी चाहिए।

मामला एरिजोना में संघीय जमीन के हस्तांतरण से जुड़ा है, जिसे रिजॉल्यूशन कॉपर माइनिंग एलएलसी को दिया जा रहा है। सीनेटर्स का कहना है कि इस जमीन में अमेरिका के सबसे बड़े अविकसित तांबा भंडारों में से एक मौजूद है, और इसे ऐसे समूह को देना, जिसके चीन से मजबूत कारोबारी संबंध हैं, जोखिम भरा है।

यह कंपनी वैश्विक खनन कंपनियों बीएचपी और रियो टिंटो के स्वामित्व में है। सीनेटर्स ने अपने पत्र में लिखा कि इन दोनों कंपनियों की आय का बड़ा हिस्सा चीन को खनिज निर्यात से आता है। खासतौर पर रियो टिंटो का सबसे बड़ा शेयरधारक एक चीनी सरकारी कंपनी है, जिससे चिंताएं और बढ़ जाती हैं। यह खनन क्षेत्र ओक फ्लैट के नाम से जाना जाता है, और यह ल्यूक वायु सेना बेस से लगभग 100 मील की दूरी पर स्थित है। सीनेटर्स का कहना है कि किसी संवेदनशील सैन्य ठिकाने के इतने करीब विदेशी निवेश सुरक्षा नियमों के तहत गंभीर जोखिम पैदा करता है।

2028 तक चांद पर वापसी का लक्ष्य 'नासा' ने तय किए तीन बड़े मिशन

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने आने वाले वर्षों के लिए अपनी नई स्पेस रणनीति के तीन बड़े लक्ष्य तय किए हैं, जिनमें 2028 तक इंसानों को फिर से चंद्रमा पर भेजना, वहां स्थायी बेस बनाना और लो-अर्थ ऑर्बिट में कमर्शियल गतिविधियों का विस्तार करना शामिल हैं।

नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने कहा कि यह रणनीति अमेरिका की राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति के अनुरूप है और तेजी से बदलते वैश्विक प्रतिस्पर्धी माहौल में अमेरिका की लीडरशिप को मजबूत करने के लिए बनाई गई है।

आइजकमैन ने साफ शब्दों में कहा, 'हमारा लक्ष्य चंद्रमा पर वापसी करना, लॉन्च की संख्या बढ़ाना और 2028 तक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की सतह पर उतारना है।' उन्होंने बताया कि यह नासा के निकट भविष्य के मिशनों का मुख्य फोकस है। उन्होंने आगे कहा कि एजेंसी सिर्फ चंद्रमा तक पहुंचने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि वहां लंबी अवधि के लिए इंसानी मौजूदगी स्थापित करने की योजना बना रही है। इसके लिए सरकार और निजी कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस योजना में लैंडर, रोवर, पावर सिस्टम और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी जैसी जरूरी चीजें शामिल होंगी, ताकि चंद्रमा पर लगातार ऑपरेशन संभव हो सके। नासा की रणनीति का तीसरा अहम हिस्सा लो-अर्थ ऑर्बिट में कमर्शियल गतिविधियों को बढ़ाना है। इसके तहत प्राइवेट स्पेस स्टेशन को बढ़ावा दिया जाएगा और उद्योगों के लिए नए अवसर तैयार किए जाएंगे।

माली में हमलों के बाद भारतीय दूतावास की एडवाइजरी, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

बमाको। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में शनिवार को कई जगहों पर सशस्त्र समूहों के हमलों के बाद भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने सभी भारतीयों से अत्यधिक सतर्क रहने, सावधानी बरतने और घरों के अंदर रहने की अपील की है।

बमाको स्थित भारतीय दूतावास ने जारी बयान में कहा, 'हालिया सुरक्षा घटनाक्रम और काती सहित माली के अन्य हिस्सों में हमलों की खबरों को देखते हुए माली में रह रहे सभी भारतीय नागरिक अत्यधिक सतर्क रहें, पूरी सावधानी बरतें, घरों के भीतर रहें और समय-समय पर माली प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करें।'

दूतावास ने बताया कि वह माली प्रशासन के साथ समन्वय में स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी अपडेट जारी किए जाएंगे।

साथ ही भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे दूतावास की वेबसाइट तथा फेसबुक और एक्स पर आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए संपर्क में बने रहें। इससे पहले शनिवार को माली की सेना ने पुष्टि की थी कि देश के कई शहरों में सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने हमले करने की कोशिश की, हालांकि स्थिति अब नियंत्रण में है। माली सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे जारी बयान में कहा कि सेना की जवाबी कार्रवाई से हमलावरों को भारी नुकसान हुआ है। बयान के अनुसार, सुरक्षा बलों का व्यापक अभियान जारी है, जिसमें कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है और उनके उपकरण नष्ट कर दिए गए हैं।

सेना ने आम लोगों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी लें, शांत रहें और ऐसे वीडियो या संदेश साझा न करें, जिनसे जनता में भय या भ्रम फैल सकता है।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर बनी वेब सीरीज बैन, कांग्रेस नेताओं और डीजीपी को जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जीवन पर आधारित वेब सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को भारत सरकार द्वारा बैन किए जाने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। सरकार के इस फैसले के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से कई प्रमुख नेताओं और पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को जान से मारने की धमकी दी गई है। ये धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को धमकी दी गई है।

जानकारी के अनुसार, गैंग की ओर से सोशल मीडिया के जरिए धमकी दी गई है। इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने धमकी भरे संदेशों और कॉल्स की पुष्टि की। बता दें कि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' मामले में ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 को पत्र लिखा है। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने अपने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफॉर्म पर यह पत्र साझा भी किया है। इस पत्र में ओटीपी प्लेटफॉर्म से इस वेब सीरीज को रिलीज नहीं करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, पत्र में 27.10.2025 को जारी ओटीटी दिशानिर्देशों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि अगर हम इस तरह के वेब सीरीज को रिलीज होने की करने की अनुमति देते हैं, तो इससे समाज में अपराध बढ़ने की आशंका बढ़ सकती है, जिसे देखते इसे रिलीज नहीं करने का फैसला ही सही रहेगा। मंत्रालय ने अपने पत्र में ओटीटी प्लेटफॉर्म को जारी किए गए दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि गैंगस्टर और अपराधियों पर आधारित वेब सीरीज को रिलीज करने से पहले पूरे विवेक का इस्तेमाल करें। पत्र में आगे कहा गया कि इस तरह के वेब सीरीज में युवाओं को भ्रमित करने की पूरी क्षमता होती है, जिससे युवा गुमराह हो सकते हैं।

शिवपुरी में स्थापित होगा ढाई हजार करोड़ का रक्षा संयंत्र : केंद्रीय मंत्री सिंधिया

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र गुना के प्रवास पर हैं। उन्होंने शनिवार को शिवपुरी के कोलारस प्रवास के दौरान ढाई हजार करोड़ के रक्षा संयंत्र के स्थापना की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शनिवार को अपने शिवपुरी-कोलारस प्रवास के पहले दिन कोलारस में जनता को कई विकास कार्यों की सौगात देते हुए एक विशाल औद्योगिक निवेश की घोषणा की और बताया कि अगले दो माह में क्षेत्र को 2500 करोड़ का रक्षा संयंत्र मिलने जा रहा है। यह संयंत्र कोलारस से लगभग 15 किलोमीटर दूर, कोटा हाईवे और बॉम्बे-ग्वालियर हाईवे के संगम पर स्थापित किया जाएगा।

यह परियोजना जिले की पिछले दो दशकों से लंबित औद्योगिक मांग को पूरा करेगी। सिंधिया ने बताया कि इस परियोजना से लगभग 2000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। कोलारस, जो अब तक अपनी कृषि और विशेषकर टमाटर उत्पादन के लिए जाना जाता रहा है, अब देश की रक्षा शक्ति का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

यहां निर्मित होने वाले रक्षा उपकरण देश की सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे क्षेत्र का गौरव और योगदान दोनों बढ़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कोलारस क्षेत्र को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें देते हुए 19.68 करोड़ की विभिन्न आधारभूत परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

संक्षिप्त खबर

गाजियाबाद में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में शनिवार को भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में ऑक्सीजन टैंक फिलिंग, रेज़िन और पेंट से संबंधित कार्य किया जाता है, जिसके चलते आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया।

घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दोपहर करीब 2 बजे प्राप्त हुई, जिसके बाद तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के जिलों, जिनमें नोएडा समेत अन्य जनपदों से भी अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को बुलाया गया।

मौके पर पहुंची दमकल टीमों ने तुरंत आग बुझाने का कार्य शुरू किया, लेकिन फैक्ट्री में मौजूद केमिकल और ऑक्सीजन सिलेंडरों के कारण आग तेजी से फैल रही थी। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में रखे रेज़िन के खाली सिलेंडरों ने भी आग पकड़ ली थी, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई। आग की लपटें काफी ऊंचाई तक उठ रही थीं और दूर से ही धुएं का गुबार दिखाई दे रहा था।

स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया था, हालांकि प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। फिलहाल फैक्ट्री परिसर में कूलिंग का कार्य जारी है, ताकि दोबारा आग भड़कने की संभावना को रोका जा सके।

गाजियाबाद के चीफ फायर ऑफिसर राहुल पॉल ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे और समन्वय के साथ राहत कार्य चलाया गया। उन्होंने कहा कि आग पूरी तरह बुझने के बाद इसके कारणों की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फिर बढ़ी कर्नाटक कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, शिवकुमार दिल्ली पहुंचे तो सिद्दारमैया ने भी की समर्थकों संग बैठक

बेंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों तेज राजनीतिक हलचल देखने को मिल रही है। एक तरफ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और गांधी परिवार के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने बेंगलुरु में अपने समर्थकों के साथ बंद कमरे में अहम बैठक की।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, दावणगेरे उपचुनाव को लेकर उठा विवाद अब पार्टी के भीतर खींचतान का कारण बन गया है। कहा जा रहा है कि इस मुद्दे ने शिवकुमार खेमे को सिद्दारमैया समर्थकों के खिलाफ सक्रिय होने का मौका दिया है। वहीं, सिद्दारमैया खेमे की ओर से भी जल्द जवाबी रणनीति सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

हालांकि, दोनों नेताओं ने पहले कई मौकों पर एकजुटता दिखाने की कोशिश की थी, जिसमें संयुक्त कार्यक्रम और नाश्ते की बैठकों जैसी पहल शामिल थीं। लेकिन हालिया घटनाक्रम से संकेत मिल रहे हैं कि उपचुनाव के नतीजों के बाद नेतृत्व को लेकर बहस फिर तेज हो सकती है।

इसी बीच, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने अपने करीबी मंत्रियों के साथ एक अहम बैठक की, जबकि शिवकुमार अपने भाई डीके सुरेश के साथ दिल्ली रवाना हो गए। दोनों नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर एकजुटता दिखाई है, लेकिन उनके समर्थक विधायकों के बयानों में फर्क साफ नजर आ रहा है। सिद्दारमैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्दारमैया ने दावा किया कि उनके पिता पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। वहीं, शिवकुमार समर्थक विधायकों का कहना है कि मौजूदा कार्यकाल में ही शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान हाल तक पांच राज्यों के चुनावों में व्यस्त था। अब जब वे चुनाव लगभग खत्म हो चुके हैं तो शिवकुमार का दिल्ली पहुंचना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

दूसरी ओर, सिद्दारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने विश्वस्त मंत्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनियप्पा, सतीश जरकीहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडू राव सहित कई मंत्री शामिल हुए। बताया जा रहा है कि इस बैठक में कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही यह चिंता भी जताई गई कि मुख्यमंत्री के करीबी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है और उनकी चुप्पी से स्थिति और जटिल हो रही है।

4 मई को कमल खिलेगा, टीएमसी का दीपक बुझ रहा है : नितिन नवीन

बारानगर। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान संपन्न हो चुका है और दूसरे चरण के लिए राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव प्रचार तेज कर दिया गया है। शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बारानगर में विशाल रोड शो का नेतृत्व किया।

रोड शो के दौरान नितिन नवीन ने लोगों से मिल रहे प्यार के लिए उनका आभार जताया। आईएएनएस से बातचीत में नितिन नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल अब अपनी खोई हुई गरिमा वापस पाने और भय की राजनीति को हमेशा के लिए खारिज करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सड़कों पर जो रुझान दिख रहा है, वह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। चार मई को कमल खिलने वाला है। पूरा वातावरण अब भगवामय हो चुका है। पहले चरण के तहत हुई वोटिंग के दौरान भाजपा प्रत्याशियों पर हुए हमलों का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि यह टीएमसी की गुंडागर्दी का अंतिम दौर है। उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और 4 मई को पश्चिम बंगाल में भाजपा का कमल खिला हुआ दिखाई देगा। नितिन नवीन ने रोड शो के दौरान लोगों से अपील की कि वे भयमुक्त होकर वोट दें और बंगाल को सुशासन व विकास की राह पर ले जाएं। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और 6 अन्य सांसदों के आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने पर नितिन नवीन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का नाम बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से जोड़ा जा रहा है, तो इससे पार्टी के भीतर काफी असंतोष पैदा होता है। इसी के चलते, कुछ सांसदों ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। यह इस बात का संकेत है कि पूरे देश में, पीएम नरेंद्र मोदी पर लोगों का भरोसा बढ़ रहा है।

यूपीएसएसएससी भर्ती अलर्ट 2026: वन रक्षक समेत 708 पदों पर वैकेंसी, 30 जून से शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

लखनऊ। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी), लखनऊ ने वन रक्षक (फॉरेस्ट गार्ड) और वन्य जीव रक्षक (वाइल्ड लाइफ गार्ड) के कुल 708 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना की है।

यूपीएसएसएससी ने जिन 708 पदों पर रिक्तियां निकाली है, उनमें वन रक्षक (सामान्य चयन) के 318, वन्यजीव रक्षक (सामान्य चयन) के 10, वन रक्षक (विशेष चयन) के 329, और वन्यजीव रक्षक (विशेष चयन) के 51 पद शामिल हैं।

इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 30 जून से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई तय की गई है। ऐसे में जो उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर लिंक सक्रिय होने के बाद से तय समय सीमा के अंदर अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। वहीं, जिन कैंडिडे्ट्स से आवेदन पत्र भरते समय कुछ गलती हो जाएगी, उनके लिए पत्र में संशोधन करने की सुधार विंडो 27 जून तक सक्रिय रहेगी।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद या समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से इंटरमीडिएट (12वीं) उत्तीर्ण होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता का होना अनिवार्य है। उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 जुलाई के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

पहले चरण के मतदान में भाजपा की कमर टूट गई, चौथी बार बनेगी टीएमसी की सरकार: कुणाल घोष

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कुणाल घोष ने शनिवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया। साथ ही उन्होंने कहा कि टीएमसी की सत्ता बरकरार रहेगी। कृणाल घोष ने कहा, 'पहले चरण के मतदान में भाजपा की कमर टूट गई है। भाजपा हार गई है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार चौथी बार सत्ता में आ रही है। हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें से टीएमसी को 125-135 सीटें मिलेंगी। भाजपा नेता स्थिति को समझते हुए हताशा में बयान दे रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'पहले चरण के मतदान में हमें हर तरफ से फायदा हुआ। इन सीटों पर टीएमसी का वोट प्रतिशत बढ़ेगा, टीएमसी के विजेताओं और हारने वालों के बीच का अंतर बढ़ेगा और टीएमसी की सीटें बढ़ेंगी।' घोष ने आगे कहा, 'चौथी बार हमारी सरकार बनने जा रही है। अब दूसरे चरण में नए रिकॉर्ड बनेंगे। हम पश्चिम बंगाल के लोगों, माताओं और बहनों से निवेदन करते हैं कि वे अपने घरों से बाहर निकलें और पहले चरण की तरह ही दूसरे चरण में भी मतदान करें ताकि मतदान प्रतिशत और भी बढ़ सके।' कुणाल घोष ने कहा, 'चुनाव के लिए बंगाल में बहुत सारे बाहरी लोग आ रहे हैं। पर्यटकों के काम के लिए बंगाल आना सामान्य बात है, लेकिन बहुत से लोग मतदान के दिन इस साजिश को अंजाम देने आए हैं।'

अमरावती : वरुड में नाबालिग बेटी पर शक के नाम पर मां और सौतेले पिता का क्रूर व्यवहार, दोनों गिरफ्तार

अमरावती। अमरावती जिले के वरुड इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ उसकी मां और सौतेले पिता ने शक के आधार पर बेहद क्रूर व्यवहार किया। पीड़िता की उम्र लगभग 16 साल है और वह मिर्ची प्लॉट, वरुड में रहती थी।

परिवार वाले लड़की पर शक करते थे और उसे बार-बार जान से मारने की धमकी देते थे। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर टीम ने तुरंत कार्रवाई की। लड़की को सुरक्षित निकालकर अमरावती के चाइल्ड प्रोटेक्शन होम में भर्ती करा दिया गया है। 21 अप्रैल 2026 को पीड़िता के बयान के आधार पर वरुड पुलिस स्टेशन में उसकी मां और सौतेले पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने शक के नाम पर नाबालिग लड़की को बेल्ट से बुरी तरह पीटा। इसके अलावा उन्होंने उसके बाल भी इलेक्ट्रॉनिक ट्रिमर मशीन से काट दिए। इस क्रूरता से लड़की बुरी तरह घबरा गई थी। इस मामले में वरुड पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 245/26, 118(1), 115(2), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 75 के अंतर्गत भी आरोप लगाए गए हैं।

वरुड पुलिस ने मामले की जांच महिला सब-इंस्पेक्टर पूजा माली को सौंपी है। पुलिस ने बताया कि कल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही आगे कोई घटना न हो, इसके लिए प्रिवेंटिव एक्शन भी लिया गया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीएम भगवंत मान ने मांगा राष्ट्रपति से मिलने का समय, भाजपा में शामिल राज्यसभा सांसदों के रिकॉल पर रखेंगे पक्ष

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी में बड़ी टूट के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। भगवंत मान अपनी पार्टी के 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने पर नाराज हैं। सूत्रों ने बताया कि वे राष्ट्रपति के सामने पंजाब के राज्यसभा सदस्यों को रिकॉल करने संबंधी अपना पक्ष रखना चाहते हैं।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब के पार्टी विधायकों के साथ राष्ट्रपति से मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरान वे भाजपा में शामिल हुए पंजाब के राज्यसभा सदस्यों को रिकॉल करने संबंधी पक्ष रखेंगे। आम आदमी पार्टी में फूट सार्वजनिक रूप से तब सामने आई, जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन करने की घोषणा की। इसके साथ ही, राघव चड्ढा ने हरभजन समेत 4 अन्य सांसदों के नाम भी बताए, जो आम आदमी पार्टी छोड़ी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही, उन्होंने चार अन्य राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी और राजिंदर गुप्ता का पार्टी में स्वागत किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले सभी सांसदों की निंदा की। उन्होंने कहा, 'हम पार्टी छोड़ने वालों और उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करने वालों, दोनों की ही कड़े से कड़े शब्दों में घोर निंदा करते हैं।'

सीएम मान ने शुक्रवार को कहा, 'पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी होती है। जो सांसद पार्टी छोड़कर गए हैं, वे पंजाब का प्रतिनिधित्व नहीं करते। जब उन्हें भगवंत मान के खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) को तोड़ने की कोशिश की। भाजपा दूसरी पार्टियों में बाधाएं पैदा करती है।'

नासा की बड़ी उपलब्धि: अंतरिक्ष में ही तैयार होगा IV फ्लूइड, लंबे मिशनों को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक अहम तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। अब अंतरिक्ष में ही जरूरत के अनुसार इंट्रावेनस (IV) फ्लूइड तैयार किया जा सकेगा। यह तकनीक लंबे समय तक चलने वाले मानवयुक्त मिशनों, खासकर चंद्रमा और मंगल ग्रह की यात्राओं के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।

नासा हर मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में जीवन रक्षक तरल पदार्थ की थैलियां अपने साथ ले जाता है। इसे आईवी या इंट्रावेनस द्रव कहते हैं। सोडियम क्लोराइड और शुद्ध पानी का यह साधारण मिश्रण उड़ान के दौरान निर्जलीकरण, जलन और कई अन्य चिकित्सीय स्थितियों का इलाज कर सकता है। यह लगभग 30 प्रतिशत तक आम मेडिकल समस्याओं का उपचार करने में सक्षम है।

पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में जाने वाले मिशन तीन साल या उससे ज्यादा समय तक चल सकते हैं। ऐसे लंबे सफर में चालक दल के स्वास्थ्य के लिए IV द्रव की जरूरत पड़ सकती है, लेकिन समस्या यह है कि पहले से पैक किए गए IV द्रव की शेल्फ लाइफ सिर्फ 16 महीने तक ही होती है। इतनी कम अवधि वाली आपूर्ति को स्टॉक करना जटिल और जोखिम भरा होता है। इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए नासा के ग्लेन रिसर्च सेंटर (क्लीवलैंड) के वैज्ञानिकों ने एक उन्नत तकनीक विकसित की है। यह तकनीक अंतरिक्ष में उपलब्ध पानी को जरूरत के अनुसार चिकित्सा योग्य IV द्रव में बदल सकती है। अब टीम इस प्रणाली के छोटे और हल्के संस्करण का परीक्षण इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर करने की तैयारी कर रही है।

इस परीक्षण के लिए आईवीजीईएन मिनी नामक सिस्टम नासा के नॉर्थ्रोप ग्रुम्मन कमर्शियल रीसप्लाई सर्विसेज-24 (एनजी सीआरएस-24) मिशन के जरिए 11 अप्रैल को अन्य सामान, प्रयोगों और हार्डवेयर के साथ स्पेस स्टेशन पर पहुंचाया गया था। यह सिस्टम IV फ्लूइड बनाकर यह साबित करेगा कि डिजाइन अंतरिक्ष की परिस्थितियों में ठीक से काम करता है।

यह सिस्टम स्पेस स्टेशन के पीने वाले पानी को एक बड़े बैग में भरकर काम करता है। बैग को आईवीजीईएन मिनी से जोड़ा जाता है। सिस्टम पानी को अच्छी तरह छानकर उसमें मौजूद कणों और खनिज आयनों को पूरी तरह हटा देता है। फिर यह शुद्ध पानी एक बैग में जाता है, जिसमें पहले से तय मात्रा में सोडियम क्लोराइड भरा होता है। दोनों को सही अनुपात में मिलाने पर रोगाणु रहित और चिकित्सा के लिए सुरक्षित IV द्रव तैयार हो जाता है।

नासा ग्लेन की इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट मैनेजर कर्टनी श्कुरको ने बताया कि लॉन्च के बाद मई में अस्थायी संचालन की योजना है। अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद दल दो दिनों तक इस सिस्टम को चलाएगा और लगभग 10 लीटर तरल पदार्थ तैयार करेगा।

हार्मोन बैलेंस कर पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सर्वांगासन, ऐसे करें अभ्यास

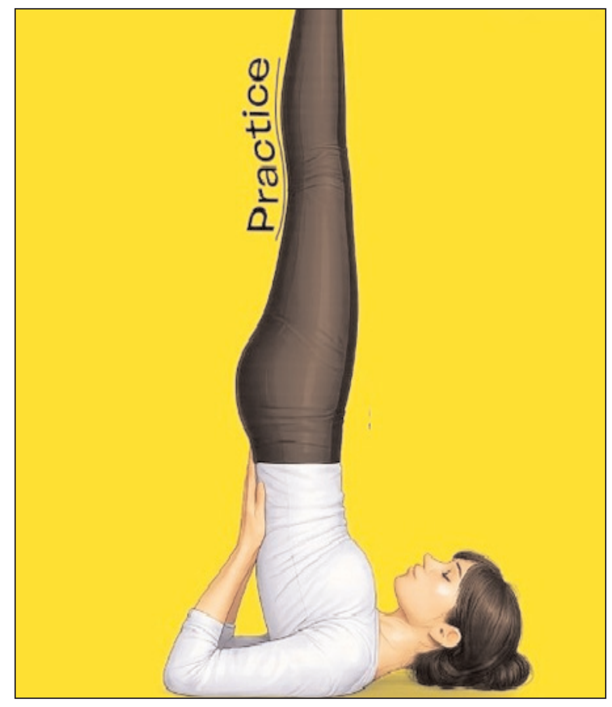

नई दिल्ली । क्या आप पाचन संबंधी परेशानियों जैसे कब्ज, अपच या हार्मोनल असंतुलन से जूझ रहे हैं? भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, सर्वांगासन या शोल्डर स्टैंड एक ऐसा मजबूत योगासन है, जो हार्मोन को बैलेंस करने के साथ-साथ पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में बेहद प्रभावी साबित होता है।

यह आसन शरीर के सभी अंगों को लाभ पहुंचाता है। सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से थायरॉइड और पैराथायरॉइड ग्रंथियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ये ग्रंथियां हार्मोन उत्पादन को नियंत्रित करती हैं, जिससे मेटाबॉलिज्म सुधरता है और हार्मोनल बैलेंस बना रहता है। महिलाओं में पीरियड्स की अनियमितता में भी राहत मिलती है। साथ ही, इस आसन से पेट के अंगों जैसे पेट, आंतें, लिवर और पैंक्रियास पर हल्का दबाव पड़ता है, जो पाचन क्रिया को सक्रिय करता है। कब्ज, ब्लोटिंग और अपच जैसी आम समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

आयुष मंत्रालय के दिशा निर्देशों में सर्वांगासन को पाचन सुधारने और एंडोक्राइन सिस्टम को सपोर्ट करने वाला आसन बताया गया है। यह रक्त संचार को बेहतर बनाता है, तनाव कम करता है और सेहत को बढ़ावा देता है। नियमित अभ्यास से थकान दूर होती है, ऊर्जा बढ़ती है और वजन नियंत्रण में भी मदद मिलती है।

योग एक्सपर्ट बताते हैं कि सर्वांगासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। हाथों को शरीर के बगल में रखें और हथेलियां नीचे की ओर हों। सांस अंदर लेते हुए दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। इस दौरान घुटनों को सीधा रखें व पैरों, नितंबों और पीठ को और ऊपर उठाते हुए कंधों पर शरीर का भार लाएं। ठोड़ी को छाती से लगाएं। दोनों हाथों से पीठ को सहारा दें। कोहनियां जमीन पर टिकी रहें। शरीर को सीधा खड़ा रखें, पैर ऊपर की ओर सीधे हों।

इस स्थिति में 10 से 30 सेकंड तक बिना दबाव डाले रहें। शुरुआती लोग 10 सेकंड से शुरू करें। इस दौरान गहरी और सामान्य सांस लेते रहें। धीरे-धीरे वापस की मुद्रा में आएं।

सर्वांगासन के अभ्यास से एक-दो नहीं बल्कि कई लाभ मिलते हैं। हालांकि, एक्सपर्ट कुछ सावधानियां बरतने की सलाह भी देते हैं। गर्दन की समस्या, हाई ब्लड प्रेशर या गर्भावस्था में डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह से ही अभ्यास करें। खाली पेट अभ्यास करें।

तन-मन की सेहत के लिए खामोश खतरा नींद की अनियमितता, इन आसान उपायों से संभव है बचाव

नई दिल्ली। कहते हैं कि बेहतर और गहरी नींद कई समस्याओं की छुट्टी करने में कारगर है। वहीं, नींद की अनियमितता तन और मन की सेहत के लिए एक खामोश खतरा कही जाती है। व्यस्त जीवनशैली, काम का दबाव और गैजेट्स के ज्यादा उपयोग के कारण लोग नियमित नींद नहीं ले पा रहे हैं, जिसका गहरा असर उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, अच्छी और नियमित नींद स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। यदि समय रहते इसकी अनियमितता पर ध्यान न दिया गया तो यह कई गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है। नींद की अनियमितता को अक्सर छोटी समस्या समझ लिया जाता है, लेकिन यह धीरे-धीरे याददाश्त कमजोर करने, चिंता बढ़ाने और अवसाद जैसी स्थितियों को निमंत्रण दे सकती है।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि बेहतर जीवनशैली के लिए रोजाना एक तय समय पर सोना और उठना बहुत जरूरी है। छोटी-छोटी आदतें बदलकर हम इस खामोश खतरे से बच सकते हैं।

नींद की अनियमितता के प्रमुख लक्षणों पर नजर डालें तो कमजोर याददाश्त और भूलने की आदत बढ़ना, नींद के दौरान असामान्य हरकतें जैसे चलना या हाथ-पैर ज्यादा मारना। लगातार मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद की शिकायत, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी, दिन भर अत्यधिक थकान और सुस्ती महसूस होना शामिल है।

ये लक्षण अगर लगातार नजर आएं तो समझना चाहिए कि नींद की अनियमितता शरीर और दिमाग दोनों को नुकसान पहुंचा रही है। एनएचएम बचाव के आसान उपाय भी सुझाता है। एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि नींद की अनियमितता से बचने के लिए कुछ सरल आदतें अपनाई जा सकती हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि रोज एक ही समय पर सोएं और जागें। इससे शरीर की आंतरिक घड़ी यानी बॉडी क्लॉक सही रहता है।

नियमित योग या हल्का व्यायाम करना भी नींद को बेहतर बनाने में मदद करता है। शाम को कैफीन युक्त पेय, शराब और धूम्रपान से पूरी तरह दूरी रखें क्योंकि ये नींद को बिगाड़ने वाले प्रमुख कारक हैं।

वहीं, सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, लैपटॉप या टीवी का उपयोग बंद कर दें।

वैश्विक एआई दौड़ के बीच गूगल एन्थ्रोपिक में 40 अरब डॉलर तक का करेगा निवेश

नई दिल्ली। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में बड़ा दांव खेलते हुए एआई कंपनी एन्थ्रोपिक में 40 अरब डॉलर तक निवेश करने की योजना बनाई है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब दुनियाभर की बड़ी टेक कंपनियां एडवांस एआई मॉडल और इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से निवेश कर रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्रस्तावित निवेश में शुरुआती तौर पर 10 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा, जो एन्थ्रोपिक के 380 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर आधारित होगा। इसके बाद बाकी 30 अरब डॉलर का निवेश कंपनी के प्रदर्शन से जुड़े लक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा।

यह निवेश दोनों कंपनियों के बीच पहले से चल रही साझेदारी को और मजबूत करता है। इस साझेदारी के तहत गूगल, एन्थ्रोपिक को क्लॉड इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है और उसके एआई मॉडल, खासकर क्लॉड सीरीज तक पहुंच देता है।

इसके अलावा, एन्थ्रोपिक, गूगल के कस्टम टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) का इस्तेमाल करता है, जो पारंपरिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) का एक विकल्प हैं।

एआई टूल्स की बढ़ती मांग के कारण कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इसी को देखते हुए एन्थ्रोपिक ने हाल ही में गूगल और ब्रॉडकॉम के साथ मिलकर 5 गीगावाट कंप्यूट क्षमता हासिल की है और इसे आगे और बढ़ाने की योजना है।

दिलचस्प बात यह है कि साझेदारी के बावजूद दोनों कंपनियां एआई बाजार में एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी भी हैं। गूगल के जेमिनी मॉडल, एन्थ्रोपिक के एआई मॉडल्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

गूगल ने 2023 में पहली बार एन्थ्रोपिक में 300 मिलियन डॉलर का निवेश किया था, जिससे उसे लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी। बाद में यह निवेश 3 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया और डील से पहले उसकी हिस्सेदारी करीब 14 प्रतिशत बताई जा रही थी।

एन्थ्रोपिक की स्थापना 2021 में ओपन एआई के पूर्व शोधकर्ताओं ने की थी, और इसके क्लॉड मॉडल्स को तेजी से लोकप्रियता मिली है। कंपनी की सालाना आय 30 अरब डॉलर के पार पहुंच चुकी है। इससे पहले अमेजन भी एन्थ्रोपिक में 5 अरब डॉलर का निवेश कर चुका है और 20 अरब डॉलर तक के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता जता चुका है।

मच्छरों के आतंक से बचने का आसान तरीका, डब्ल्यूएचओ ने बताया क्या करें, क्या नहीं

नई दिल्ली। एक मच्छर भी आपके स्वास्थ्य के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के संकल्प को दोहराते हुए बताया कि मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी के बचाव के लिए हमें क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इसे आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सावधानी जरूरी है। संगठन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने से रोकें और खुद को बचाएं।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास जमे पानी को पूरी तरह हटा दें। मच्छर पानी में अंडे देते हैं, इसलिए गमलों, टायरों, बाल्टियों या किसी भी जगह पर पानी जमा न रहने दें। सूरज डूबने से लेकर सूरज उगने तक पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर काट न सकें। सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल जरूर करें। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं ताकि मच्छर घर के अंदर न आ सकें।

इसके अलावा, लक्षणों पर नजर रखें जैसे मलेरिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आम लक्षण हैं- बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान, सिरदर्द और मतली। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखे तो देर न करें। वहीं, गंभीर लक्षण में भ्रम की स्थिति, सांस लेने में तकलीफ, दौरे पड़ना व गाढ़ा पीला पेशाब होना। ये लक्षण दिखें तो तुरंत अस्पताल पहुंचें।

मोटापा और बीमारियों की जड़ है अधिक तेल का सेवन, छोटी आदतों से पाएं बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनियमित दिनचर्या में खानपान की गलत आदतें सेहत को बड़ा नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसे में भोजन में अधिक तेल का इस्तेमाल सेहत के संग खिलवाड़ जैसा है। यह शरीर के लिए बेहद हानिकारक साबित होता है। हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि ज्यादा तेल का सेवन न केवल मोटापा, बल्कि और भी कई गंभीर बीमारियों को पैदा करने में अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में जरूरी है कि रोजमर्रा के भोजन में तेल की मात्रा को नियंत्रित किया जाए। इसके लिए नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) कुछ सुझाव भी देता है। एनएचएम के अनुसार, तेल का संतुलित इस्तेमाल स्वस्थ जीवन की कुंजी है। अगर हम अपने खाने में थोड़े बदलाव करें और कुछ आसान आदतों को अपनाएं, तो न केवल मोटापे से बच सकते हैं बल्कि हृदय रोग, डायबिटीज और अन्य समस्याओं के खतरे को भी कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय में बड़े फायदे देती हैं।

तेल के उपयोग को सीमित करने के लिए सबसे आसान तरीका है कि इसे सीधे बर्तन में डालने के बजाय छोटी चम्मच का इस्तेमाल किया जाए। इससे अनजाने में ज्यादा तेल डालने की आदत पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इनमें कैलोरी की मात्रा अधिक होती है और ये वजन बढ़ाने का मुख्य कारण बनते हैं।

विशेषज्ञ भाप में पके, भुने हुए या ग्रिल्ड भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं। इस तरह के भोजन में तेल की मात्रा कम होती है और पोषक तत्व भी बेहतर तरीके से सुरक्षित रहते हैं। साथ ही घर पर खाना बनाते समय हल्के तेल का उपयोग और सही मात्रा का ध्यान रखना भी जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मोटापा कई बीमारियों की जड़ है और इसका एक बड़ा कारण असंतुलित खानपान है। ऐसे में अगर समय रहते तेल के उपयोग पर नियंत्रण किया जाए, तो बेहतर स्वास्थ्य पाया जा सकता है।

100 मिलियन डॉलर की मदद के बावजूद पाकिस्तान में पोलियो पर नियंत्रण नहीं, कई प्रांतों में फैला वायरस

एथेंस । पाकिस्तान तेजी से पोलियो वायरस का केंद्र बनता जा रहा है और सीमापार संक्रमण के व्यापक प्रसार का केंद्र बनने की आशंका के चलते अंतरराष्ट्रीय समुदाय में की चिंता बढ़ गई है। कई प्रणालीगत समस्याओं, जिनमें भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलताएं, सरकारी निष्क्रियता, कमजोर और वंचित समुदायों तक पहुंच में बाधा और टीकों को लेकर व्यापक हिचकिचाहट की वजह से वायरस ने फिर से सिर उठाना शुरू कर दिया है।

एथेंस स्थित जियोपॉलिटिको के अनुसार, यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि 2023 से अब तक पाकिस्तान को पोलियो खत्म करने के लिए 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की अंतरराष्ट्रीय मदद मिल चुकी है।

इस समय दुनिया में सिर्फ दो देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान ऐसे हैं जहां वाइल्ड पोलियो वायरस टाइप-1 (डब्ल्यूपीवी-1) अभी मौजूद है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान, मामलों में काफी कमी आई है, वहीं पाकिस्तान में पिछले दो वर्षों में डब?ल?यूपीवी-1 के 100 से ज्यादा सक्रिय मामले सामने आए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि अब यह वायरस पाकिस्तान के सभी बड़े प्रांतों में फैल चुका है। चाहे वह अपेक्षाकृत पंजाब हो या कम विकसित खैबर पख्तूनख्वा। डब्ल्यूएचओ की पोलियो आईएचआर इमरजेंसी कमेटी के मुताबिक, 2025 तक भी इसका फैलाव जारी है, जिसमें लाहौर और देश के केंद्रीय इलाकों के कई जिले शामिल हैं।कमेटी ने यह भी बताया कि 2023 के बीच से ही मामलों में बढ़ोतरी दिखने लगी थी।

एसआरएच ने आरआर को 5 विकेट से हराया

वैभव के शतक पर भारी पड़ी ईशान-अभिषेक की पारी

जयपुर। आईपीएल 2026 के 36वें मुकाबले में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 5 विकेट से हराया। सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में आरआर से मिले 229 रनों के लक्ष्य को एसआरएच ने 5 विकेट खोकर 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। यह सनराइजर्स हैदराबाद की इस सीजन की पांचवीं जीत है।

राजस्थान रॉयल्स से मिले 229 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ट्रेविस हेड 5 गेंदों में महज 6 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने मोर्चा संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए महज 55 गेंदों में 132 रनों की साझेदारी निभाई। अभिषेक ने 29 गेंदों में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए। वहीं, ईशान ने 31 गेंदों में 74 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में ईशान ने 11 चौके और 3 छक्के लगाए।

अभिषेक-ईशान के पवेलियन लौटने के बाद हेनरिक क्लासेन और नीतीश कुमार रेड्डी ने टीम की नैया को पार लगाने का जिम्मा उठाया। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 31 गेंदों में 53 रनों की अहम साझेदारी निभाई। नीतीश 18 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। क्लासेन ने 24 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाए। सलिल अरोड़ा 8 और अनिकेत वर्मा एक रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान रॉयल्स की ओर से गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, फरेरा ने एक विकेट निकाला।

इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 220 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल (10 रन) के सस्ते में आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल और वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 112 रन जोड़े। जुरेल ने 35 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं, वैभव ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए महज 36 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक पूरा किया। वैभव ने 37 गेंदों में 103 रनों की लाजवाब पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 12 छक्के लगाए।

रियान पराग 7 रन ही बना सके, जबकि डोनोवन फेरेरा ने 16 गेंदों में 33 रन बनाए। शिमरोन हेटमायर 10 गेंदों में 11 रन बनाकर प्रफुल्ल हिंगे का शिकार बने। जडेजा 4 और आर्चर 2 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में एसआरएच की ओर से ईशान मलिंगा ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि प्रफुल्ल, कमिंस और नीतीश ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। राजस्थान रॉयल्स को इस सीजन की तीसरी हार का सामना करना पड़ा है।

नाहिदा अख्तर, सरमिन सुल्ताना पर लगा जुर्माना, आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का मामला

दुबई। बांग्लादेश की क्रिकेटर नाहिदा अख्तर और सरमिन सुल्ताना पर श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे के दौरान आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी नियमों के खिलाफ काम करते हुए पाया गया था।

नाहिदा ने आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आउट होने पर बल्लेबाज की बेइज्जती करने वाली भाषा, हरकतें या इशारे करने से जुड़ा है। वहीं, सरमिन को आर्टिकल 2.8 के तहत दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

जुर्माने के अलावा, दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट अंक भी मिला है। यह 24 महीने के समय में उनकी पहली गलती है।

ये घटनाएं मैच के लगातार हिस्सों में हुईं। नाहिदा ने 17वें ओवर में श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू को आउट करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा करते हुए उन्हें विदाई दी। इससे पहले, बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में, सरमिन ने पगबाधा दिए जाने पर साफ नाराजगी दिखाई, अपने बल्ले की ओर इशारा किया और क्रीज से जाने में देरी की।

ये आरोप मैदानी अंपायरिंग टीम ने लगाए थे, जिसमें एलोइस शेरिडन और रोकेया सुल्ताना के साथ-साथ थर्ड अंपायर डॉली रानी सरकार और फोर्थ अंपायर शतिरा जाकिर जेसी शामिल थीं।

प्रीमियर लीगः नॉटिंघम फॉरेस्ट ने सुंदरलैंड को 5-0 से हराया

सुंदरलैंड । नॉटिंघम फॉरेस्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुंदरलैंड को स्टेडियम ऑफ लाइट में 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ फॉरेस्ट ने प्रीमियर लीग के रेलीगेशन जोन से खुद को आठ अंकों की सुरक्षित दूरी पर पहुंचा लिया, जबकि सुंदरलैंड की यूरोपियन क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को झटका लगा।

मैच की शुरुआत से ही फॉरेस्ट ने आक्रामक अंदाज अपनाया। 17वें मिनट में पहला गोल एक दुर्भाग्यपूर्ण आत्मघाती गोल के रूप में आया, जब ट्राई ह्यूम ने गलती से गेंद अपने ही गोल में डाल दी। इस गोल ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। इसके बाद सुंदरलैंड दबाव में आ गया, और फॉरेस्ट ने मौके भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

31वें मिनट में क्रिस वुड ने विपक्षी गोलकीपर रॉबिन रॉफ्स की गलती का फायदा उठाते हुए दूसरा गोल किया। इसके तुरंत बाद मॉर्गन गिब्स-व्हाइट ने शानदार फिनिश के साथ स्कोर 3-0 कर दिया। पहले हाफ के अंत तक इगोर जीसस ने भी गोल दागकर टीम को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में सुंदरलैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। डैन बैलार्ड का एक शानदार हेडर वीएआर के जरिए खारिज कर दिया गया, जिससे टीम की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। इसके बाद फॉरेस्ट ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और विपक्ष को ज्यादा मौके नहीं दिए।

स्टॉपेज टाइम में इलियट एंडरसन ने पांचवां गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। यह गोल न सिर्फ मैच का अंतिम क्षण था, बल्कि सुंदरलैंड के लिए प्रीमियर लीग में अब तक की सबसे बड़ी घरेलू हार भी साबित हुआ।

इस हार के बाद सुंदरलैंड अंक तालिका में छठे स्थान पर मौजूद ब्राइटन से चार अंक पीछे रह गया है। वहीं, फॉरेस्ट ने रेलीगेशन की लड़ाई में अहम बढ़त हासिल कर ली है।

--आईएएनएस

पीएके

दिल्ली कैपिटल्स में चैंपियन बनने के लिए हर जरूरी गुण मौजूदः केएल राहुल

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) रविवार को अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर 3:30 से आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रही पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच से पहले डीसी के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने इस बात पर जोर दिया है कि हर मैच में जीत की मानसिकता बनाए रखना जरूरी है। राहुल ने कहा कि डीसी में चैंपियन बनने के हर गुण हैं।

राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले स्टार स्पोर्ट्स पर एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'निजी तौर पर मैं हमेशा हर गेम को एक जरूरी गेम मानता हूं और मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि अगले दो गेम उन टीमों के खिलाफ हैं जो अंकतालिका में नंबर 1 और 2 पर काबिज हैं।'

मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को परखने की अहमियत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'आप सबसे अच्छी टीमों के खिलाफ खुद को चुनौती देना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर हमारे लिए, मुझे लगता है कि आरसीबी को चिन्नास्वामी में हराने से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला, क्योंकि वे वाकई एक अच्छी टीम हैं।

पंजाब किंग्स से मैच पर राहुल ने कहा, 'पंजाब अभी बहुत बढ़िया क्रिकेट खेल रही है। वे इस समय अजेय लग रहे हैं। तो, यही चुनौती है और यही हमे उत्साहित करने वाला है कि हम यह देखें कि हम गेम की शुरुआत में पंजाब पर कैसे दबाव डाल सकते हैं और कैसे दो अंक ले सकते हैं।

राहुल ने कहा, 'पंजाब पर जीत से हमें आत्मविश्वास मिलेगा। फिर हमारा अगला मैच आरसीबी के खिलाफ है। अगर हम लगातार दो जीत हासिल कर पाते हैं, तो इससे हमें जाहिर तौर पर अंक मिलेंगे और टेबल में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी, लेकिन इससे हमें ग्रुप के अंदर कॉन्फिडेंस मिलेगा।

कार्लोस अल्काराज को मुश्किल समय में मिला राफेल नडाल और जानिक सिनर का साथ

नई दिल्ली । कलाई की चोट की वजह से फ्रेंच ओपन 2026 से अपना नाम वापस लेने वाले स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को टेनिस जगत के दिग्गजों का समर्थन मिला है। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल और मौजूदा समय में अल्काराज के सबसे बड़े प्रतियोगी जानिक सिनर ने इस मुश्किल समय में अल्काराज का समर्थन किया है।

राफेल नडाल ने सोशल मीडिया के जरिए अल्काराज का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने लिखा कि ऐसे कठिन समय खिलाड़ी की असली ताकत को सामने लाते हैं और उन्हें भरोसा है कि अल्काराज जल्द ही पहले से भी मजबूत होकर वापसी करेंगे। नडाल का यह संदेश टेनिस समुदाय में काफी सराहा जा रहा है, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों के बीच खास रिश्ता माना जाता है।

दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने भी अल्काराज के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि टेनिस को अल्काराज जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है, क्योंकि उनके होने से खेल और रोमांचक बनता है।दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल अल्काराज को यह चोट बार्सिलोना में खेले गए एटीपी 500 टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले के दौरान लगी थी। शुरुआती जांच के बाद उन्होंने सावधानी बरतते हुए बड़े टूर्नामेंट्स से दूरी बनाने का फैसला किया। इस फैसले के साथ यह भी तय हो गया कि वह 2021 के बाद पहली बार पेरिस में होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे।

अल्काराज ने भी अपने फैंस को संदेश देते हुए कहा कि मेडिकल टेस्ट के बाद टीम ने यही फैसला लिया कि फिलहाल उनके लिए आराम करना ही सही रहेगा। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का कठिन दौर है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि वह जल्द वापसी करेंगे।

अल्काराज हाल ही में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था।

लेकिन चोट के कारण अब उन्हें महत्वपूर्ण रैंकिंग पॉइंट्स गंवाने पड़ सकते हैं, क्योंकि रोम और फ्रेंच ओपन में वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे।

ला लीगाः रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस के खिलाफ ड्रॉ खेला, खिताब जीतने की उम्मीदों को झटका

मैड्रिड । रियल मैड्रिड का इस सीजन ला लीगा खिताब जीतने का सपना लगभग टूटता नजर आ रहा है। रियल बेटिस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ ने टीम की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। अगर मैड्रिड यह मुकाबला जीत जाती, तो एफसी बार्सिलोना पर दबाव बन सकता था। अब बार्सिलोना के पास बढ़त और मजबूत करने का मौका है।

मैच की शुरुआत में मैड्रिड ने शानदार खेल दिखाया। किलियन म्बाप्पे की मौजूदगी ने टीम के अटैक को धार दी और 17वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल फेडेरिको वाल्वरडे के शॉट के बाद आया, जिसे बेटिस के गोलकीपर अल्वारो वैलेस सही तरीके से क्लियर नहीं कर पाए।

बेटिस ने जल्द ही खुद को संभाला और जवाबी हमले शुरू कर दिए। एंड्री लुनिन ने कई शानदार बचाव किए, जिससे मैड्रिड की बढ़त बरकरार रही। उन्होंने एंटोनी और सेड्रिक बाकाम्बू के खतरनाक प्रयासों को नाकाम किया।

दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया। म्बाप्पे का एक गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया, जबकि बेटिस लगातार काउंटर अटैक के जरिए खतरा बनाता रहा। लुनिन ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए कुचो हर्नांडेज के प्रयास को रोका।

मैच के अंतिम चरण में दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 78वें मिनट में वाल्वरडे के शॉट पर वैलेस ने बेहतरीन बचाव कर अपनी गलती सुधार ली। इस बीच म्बाप्पे मांसपेशियों में समस्या के कारण मैदान से बाहर चले गए, जो मैड्रिड के लिए चिंता का विषय है।

इंजरी टाइम में बेटिस ने

अभय सिंह ज्यूरिख में दुनिया के पूर्व नंबर 1 करीम गवाद से हारे

ज्यूरिख । भारत के अभय सिंह ग्रासहॉपर कप स्क्वैश के पुरुषों के क्वार्टर फाइनल मैच में मिस्र के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 और वर्ल्ड चैंपियन करीम गवाद से हार गए। यह पीएसए गोल्ड-लेवल का इवेंट है।

वर्ल्ड नंबर 24 सिंह ने पहले गेम में 6-0 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए टाई-ब्रेक में जगह बनाई। दूसरे गेम में वर्ल्ड नंबर 4 गवाद के खिलाफ कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन मिस्र के दूसरे सीड खिलाड़ी ने आखिरकार 12-10, 11-9 के स्कोर के साथ मैच जीत लिया।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन गवाद ने सिंह के साथ 32 मिनट तक चले मुकाबले में कुछ हाई-क्वालिटी, शानदार स्क्वैश खेला। वर्ल्ड नंबर 3 ने पहले गेम में ही धमाकेदार शुरुआत की और कुछ शानदार फिनिश के साथ 6-0 की बढ़त बना ली। सिंह, जो अपना पहला गोल्ड क्वार्टर-फाइनल खेल रहे थे, ने वापसी करते हुए बराबरी कर ली, जबकि गवाद की कुछ गलतियों ने उन्हें वापस बराबरी करने में मदद की। अपनी एक गेम बॉल बचने के बाद, गवाद ने टाईब्रेक में गोल करके 1-0 की बढ़त बना ली। सिंह गवाद पर काफी दबाव बना रहे थे, जिससे उन्हें दूसरे सेट में 5-2 की बढ़त बनाने में मदद मिली।

सिंह ने गवाद के साथ मुकाबला वापस जीतने की कोशिश की, लेकिन मिस्र के खिलाड़ी ने मजबूती से दूसरा सेट जीतकर आखिरी चार में जगह बनाई।

पीएसए टूर ने गवाद के हवाले से कहा, 'मैं सच में बहुत खुश हूं। रफ्तार बहुत तेज थी। हमने सिर्फ दो बार खेला है लेकिन मुझे लगता है कि हमने उससे ज्यादा खेला है। कतर में उसने मुझे चार सेट में हराया था और आज मैं कोर्ट पर गया और सोचा कि मैं फिर से हारना नहीं चाहता।'

उन्होंने कहा कि टूर के सबसे स्मार्ट और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक के साथ बेस्ट ऑफ थ्री में, आप कभी नहीं देख सकते कि वह अगले शॉट या अगली रैली के साथ क्या सोच रहा है। वह जबरदस्त पॉइंट्स के साथ वापस आ सकता है जैसा कि आपने पहले गेम में देखा था जब मैं 7-0 से आगे था और वह तीन मिनट से भी कम समय में कहीं से भी वापस आ गया जब हम बराबरी पर थे। आप कभी भी इसे कम नहीं आंक सकते कि मैच के आखिर तक या आगे क्या होने वाला है।

टी20 मुंबई लीग 2026: सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे का नाम रिटेंशन लिस्ट में शामिल

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग 2026 के लिए खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट जारी की है। सूची में भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और सीनियर खिलाड़ियों श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे का नाम शामिल है।

अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे और सरफराज खान जैसे बेहतरीन खिलाड़ियों को रिटेन करने और यशस्वी जायसवाल और अजिंक्य रहाणे को आइकन प्लेयर्स के तौर पर रखने के साथ, फ्रेंचाइजी ने एक मजबूत कोर हासिल कर लिया है, जो लीग के बढ़ते कद को दिखाता है।

आठ टीमों में से हर एक ने तीन खिलाड़ियों को रिटेन किया।

ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट ने सूर्यकुमार (आइकन प्लेयर) को रिटेन किया है। साथ में आयुष और सूर्यांश शेडगे भी हैं। पिछले सीजन की रनर-अप सोबो मुंबई फाल्कन्स ने श्रेयस अय्यर (आइकन प्लेयर), अंगकृष रघुवंशी और हर्ष अघव को रिटेन किया है। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने तुषार देशपांडे (आइकन प्लेयर) के साथ सिद्धेश लाड और रोहन राजे को रिटेन किया है।

बांद्रा ब्लास्टर्स ने यशस्वी को अपना आइकॉन प्लेयर चुना है। उनके साथ सुवेद पारकर और ध्रुमिल मटकर भी रिटेन हुए हैं। एआरसीएस अंधेरी ने शिवम दुबे (आइकन प्लेयर) को प्रग्नेश कनपिल्लेवार और दीपक शेट्टी के साथ रिटेन किया है। आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब्स ने सरफराज खान (आइकन प्लेयर) के साथ शम्स मुलानी और जय बिस्टा को रिटेन किया है।

नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने अजिंक्य रहाणे (आइकन प्लेयर) के साथ अभिज्ञान कुंडू और तनुश कोटियन को रिटेन किया है। ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने शार्दुल ठाकुर (आइकन प्लेयर) के साथ अथर्व अंकोलेकर और साईराज पाटिल को रिटेन किया है।

रिटेन किए गए कई प्लेयर्स इंडियन प्रीमियर लीग और इंटरनेशनल लेवल पर अपना अच्छा परफॉर्मर रहे हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415